Daily THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

Published from Ranchi

Ranchi ● Sunday, 10 September 2023 ● Year : 01 ● Issue : 235 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

किसी से भी झूठ बोले लेकिन स्वयं से कभी भी झूठ ना बोले।

शिल्पा ने पति राज को दिया 'सुखी' में काम...

SHARE

सेंसेक्स	:	66,598.91
निफ्टी	:	19,819.95

SARAFA

सोना	:	5,620
चांदी	:	77.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

बालाकोट सेक्टर में तैनात बीएसएफ का जवान लापता

POONCH : पुंछ जिले की नियंत्रण रेखा के साथ सटे बालाकोट सेक्टर के फॉरवर्ड भरनी में तैनात बीएसएफ का एक जवान शुक्रवार से अपनी ड्यूटी से लापता है। अधिकारियों ने शनिवार को जानकारी दी कि बीएसएफ का एक जवान बिहार निवासी अमित पासवान को शुक्रवार सुबह से अपनी ड्यूटी से अनुपस्थित पाया गया है। उन्होंने कहा कि सभी संभावित स्थानों पर उसकी तलाश करने के बावजूद अभी तक उसका पता नहीं चल सका है। पुलिस पोस्ट बालाकोट में उसके गुमशुदा होने की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। अधिकारी ने कहा कि उसे ढूंढने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास जारी हैं।

खूंटी में पीएलएफआई का कुख्यात उग्रवादी धराया

KHUNTI : प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेश फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के कुख्यात उग्रवादी दसाय पूर्ति उर्फ गेड़े को पुलिस ने शुक्रवार की देर रात मुरहू थाना के एतरे अलटंडा के जंगल से गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से पुलिस ने एक देसी कट्टा, 8 एमएम की छह गोलियां, वॉकी टॉकी हेड सेट, पीएलएफआई का चंदा रसीद, लेवी के रूप में वसूले गए 5200 रुपये नकद और दैनिक उपयोग के सामान बरामद किये गये। एसपी कार्यालय में शनिवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में एसपी अमन कुमार ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि पीएलएफआई का एरिया कमांडर टीरा बोदरा उर्फ राडूंग बोदरा उर्फ लंबू अपने दस्ता के सदस्यों के साथ मुरहू थाना क्षेत्र उरीकेल, तपिंगसेरा, एतरे के जंगली क्षेत्र में भ्रमणशील है और किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में है।

चंद्रयान-2 ने भेजी विक्रम लैंडर की तस्वीर

NEW DELHI : इसरो ने चंद्रयान 3 की एक नई तस्वीर जारी की है। यह तस्वीर चंद्रयान 2 ऑर्बिटर ने खींची है। इसमें विक्रम लैंडर चंद्रमा की सतह पर आराम फरमाता नजर आ रहा है। बता दें कि विक्रम लैंडर को स्लीप मोड में डाल दिया गया है। अब यह चंद्रमा के दक्षिणी पोल पर सूर्योदय के इंतजार में सुस्ता रहा है।

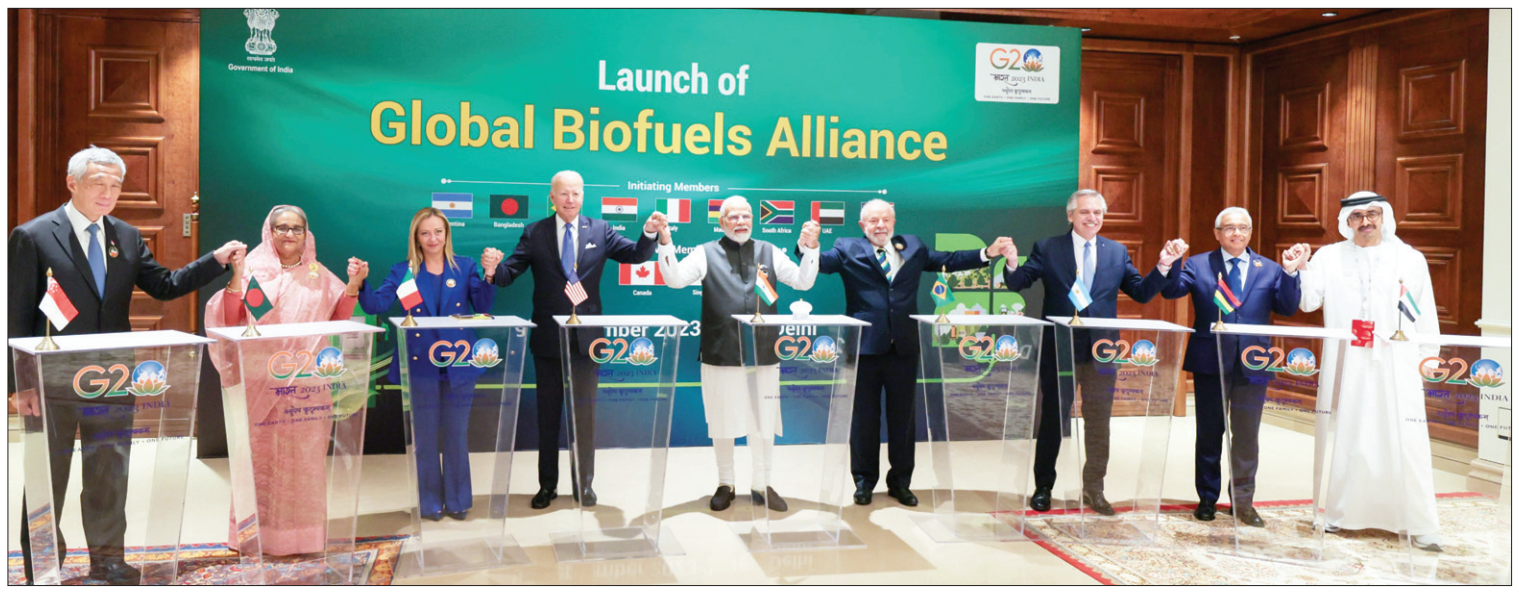

जी20 समिट के पहले दिन नई दिल्ली डिक्लेरेशन को पास करने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति जो बाइडन, ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक, अर्जेंटीना के राष्ट्रपति अल्बर्टो व अन्य ● एजेंसी

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच NEW DELHI DECLARATION पारित

देश की बड़ी उपलब्धि, नौ बार भारत का जिक्र, चंद्रयान पर बधाई

G20 समिट

AGENCY NEW DELHI : जी20 समिट के दौरान नई दिल्ली डिक्लेरेशन को आम सहमति से पारित कर दिया गया है। इसे देश की बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। जी20 समिट में हिस्सा लेने आये सभी सदस्य देशों ने नई दिल्ली डिक्लेरेशन को पारित करने पर अपनी सहमति व्यक्त की है। सम्मेलन के दौरान दूसरे सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी आधिकारिक घोषणा की। इससे पहले नवंबर 2022 में इंडोनेशिया समिट में जारी घोषणा पत्र में कई देशों की लिखित असहमति शामिल थी। इस बार रूस-यूक्रेन युद्ध की पृष्टभूमि में हो रहे सम्मेलन में संयुक्त घोषणा पत्र जारी होने पर आम सहमति बनाना बेहद मुश्किल माना जा रहा था। विषम परिस्थितियों के बीच नई दिल्ली डिक्लेरेशन को पारित कर दिया गया। इस घोषणापत्र में नौ बार भारत का जिक्र किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन के पहले दिन समिट से जुड़े घोषणापत्र पर आम सहमति हासिल करने की बात कही। उन्होंने कहा, "हमारी टीमों की कड़ी मेहनत और आप सभी के सहयोग के कारण नयी दिल्ली जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन घोषणापत्र पर आम सहमति बन गई है। यह मेरा प्रस्ताव है कि हमें वैश्विक नेताओं की इस घोषणा को स्वीकार करना चाहिए।

समूह में अफ्रीकी संघ हुआ शामिल

NEW DELHI : भारत की अध्यक्षता में हो रहे जी20 शिखर सम्मेलन में शनिवार को अफ्रीकी संघ को भी सदस्य के रूप में शामिल कर लिया गया है। दक्षिण अफ्रीका ने इस पर खुशी जताते हुए भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। द. अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा के प्रवक्ता विंसेंट मैग्वेन्या ने अंतरराष्ट्रीय मीडिया सेंटर में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, हम प्रधानमंत्री मोदी द्वारा प्रदर्शित नेतृत्व और जी20 की अध्यक्षता के दौरान भारत सरकार द्वारा प्रदर्शित किए गए नेतृत्व से काफी खुश हैं। उन्होंने कहा कि जी 20 में के शामिल होने से अफ्रीका की आवाज मजबूत होगी। दक्षिण अफ्रीकी प्रतिनिधि अफ्रीकी संघ के इस समूह का हिस्सा बनने के बाद इस महाद्वीप तथा 'ग्लोबल साउथ' की आवाज वैश्विक स्तर पर और मजबूत होगी।

विदेशी मेहमानों के लिए शाकाहारी डिनर का मेन्यू

मेहमानों ने भारतीय व्यंजन का लिया मजा

NEW DELHI : जी20 समिट के लिए भारत आए विदेशी मेहमानों के सम्मान में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू डिनर होस्ट कीं। मेन्यू में सभी वेजिटेरियन यानी शाकाहारी डिश शामिल की गई। मेन्यू पर भी प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया की जगह प्रेसिडेंट ऑफ भारत लिखा है। मेन्यू को भारत की परंपरा, रीति-रिवाज और विविधता को ध्यान में रखकर तैयार किया गया था। डिनर का मेन्यू वसुधैव कुटुंबकम एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य की भावना को समर्पित किया गया। इसमें कश्मीरी कहवा, दार्जिलिंग की चाय, मुंबई पाव, अंजीर-आड़ू मुरब्बा सहित देश की कई मशहूर डिश को शामिल किया गया। डिनर के लिए भारत मंडपम में गेस्ट्स पहुंचे। इनका स्वागत नालंदा यूनिवर्सिटी के बैकग्राउंड के सामने किया गया। डिनर में राष्ट्राध्यक्षों, डेलीगेट्स, भारत के सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्रीय और राज्य मंत्रियों समेत कुल 170 लोगों को आमंत्रित किया गया था।

DECLARATION 9 बड़ी बातें

- हम भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान स्टार्ट-अप 20 एंगेजमेंट ग्रुप की स्थापना और इसके जारी रहने का स्वागत करते हैं।
- हम 2030 एजेंडा के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए भारतीय प्रेसीडेंसी के प्रयासों की सराहना करते हैं।
- हम संसाधन दक्षता और परिपत्र अर्थव्यवस्था उद्योग गठबंधन (आरईसीईआईसी) शुरू करने के लिए भारतीय अध्यक्षता को धन्यवाद देते हैं।
- हम भारतीय प्रेसीडेंसी के तहत तैयार ऊर्जा संक्रमण के लिए कम लागत वाले वित्तपोषण पर रिपोर्ट और इसके अनुमान पर ध्यान देते हैं कि दुनिया को प्राथमिक ऊर्जा मिश्रण में नवीकरणीय ऊर्जा के उच्च हिस्से के साथ 4 ट्रिलियन अमरीकी डालर से अधिक के वार्षिक निवेश की आवश्यकता है।
- ग्लोबल डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर रिपॉजिटरी (जीडीपीआईआर) के निर्माण और रखरखाव की भारत की योजना का स्वागत है, जो डीपीआई का एक आभासी भंडार है, जिसे स्वेच्छा से जी 20 सदस्यों और अन्य की ओर से साझा किया गया है।
- भारतीय प्रेसीडेंसी के वन फ्यूचर एलायंस (ओएफए) के प्रस्ताव पर ध्यान दिया गया जो क्षमता निर्माण के उद्देश्य से एक स्वैच्छिक पहल है।
- हम जी-20 के उन सभी सदस्यों के प्रयासों की सराहना करते हैं, जिन्होंने जी-20 की भारत की अध्यक्षता के दौरान आफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्य के रूप में शामिल करने का मार्ग प्रशस्त किया।
- हम नई दिल्ली में 18वें जी-20 शिखर सम्मेलन की सफल मेजबानी करने, प्रतिनिधियों का गर्मजोशी से स्वागत करने और जी-20 को मजबूत करने में बहुमूल्य योगदान के लिए भारत को धन्यवाद देते हैं।
- हम 23 अगस्त 2023 को चंद्रमा पर सफल लैंडिंग करने पर भारत को बधाई भी देते हैं।

CM हेमंत ने ED को भेजा पत्र जवाब देने के लिए मांगा समय

राष्ट्रपति के रात्रि भोज में शामिल होने पहुंचे दिल्ली

PHOTON NEWS RANCHI : सीएम हेमंत सोरेन को शनिवार को ईडी के समक्ष उपस्थित होना था, और जमीन घोटाला मामले में अपना पक्ष रखना था। लेकिन सीएम द्वारा ईडी को पत्र भेजकर जवाब देने के लिए समय की मांग की गई है। शनिवार को सीएमओ के एक कर्मचारी के माध्यम से ईडी को पत्र भेजकर सूचित किया गया है, और जवाब देने के लिए समय की मांग की गई है। फिलहाल इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। आपको बता दें 9 सितंबर को हेमंत सोरेन को ईडी ऑफिस में जाकर के अपना पक्ष रखना था। लेकिन जी-20 में राष्ट्र अध्यक्षों के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आयोजित रात्रि भोज में सम्मिलित होने के निमंत्रण पर सीएम हेमंत सोरेन दिल्ली रवाना हो गए। सीएम ने अपने इसी कार्यक्रम को लेकर ईडी को पत्र के माध्यम से सूचित करते हुए समय की मांग की है।

दूसरे समन के बाद गए सुप्रीम कोर्ट : प्रवर्तन निदेशालय की ओर से दूसरा समन जारी किया गया था। दूसरा समन जारी करने के बाद सीएम हेमंत सोरेन ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। सीएम की ओर से 23 अगस्त को रिट पिटीशन दायर कर इसकी सूचना 24 अगस्त को ईडी को दी। सूचना देने के साथ ही उन्होंने ईडी को सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार भी करने को कहा।

ईडी ने भेजा था तीसरा समन

ईडी ने सीएम हेमंत सोरेन को बीते एक सितंबर को तीसरा समन भेजा है। ईडी ने सीएम को समन भेजकर कर पूछताछ के लिए नौ सितंबर को रांची जोनल ऑफिस में उपस्थित होने को कहा था। बता दें कि रांची जमीन घोटाला में ईडी ने पहली बार समन जारी कर हेमंत सोरेन को 14 अगस्त को पूछताछ के लिए बुलाया था। उस दिन भी वह ईडी दफ्तर नहीं पहुंचे थे और एक कर्मचारी के जरिये पत्र भेजा था। जिसके बाद ईडी ने सीएम को समन भेजकर 24 अगस्त को उपस्थित होने को कहा था। इस बार भी सीएम हेमंत सोरेन को ईडी के रांची जोनल आफिस में उपस्थित नहीं हुए थे।

बल्ब चोरी के आरोप में युवक को पीट-पीट कर मार डाला, विरोध में सड़क जाम, आरोपी ने किया सरेंडर

सिकिदिरी की घटना, 30 लाख रुपये मुआवजा व सरकारी नौकरी की मांग

CRIME REPORTER RANCHI : रांची जिले के सिकिदिरी थाना क्षेत्र की हरातु पंचायत के ढेलुवाखुटा निवासी उमेश मुंडा की हत्या सिकिदिरी निवासी नीलकंठ प्रसाद ने बल्ब चोरी के आरोप में डंडे से पीट-पीट कर मार डाला। घटना शुक्रवार सुबह की बतायी जा रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से 30 लाख रुपए मुआवजा व सरकारी नौकरी की मांग को लेकर सड़क जाम की। ग्रामीणों ने ओरमांझी-गोला सड़क को जाम रखा था। आरोपी नीलकंठ प्रसाद ने सिकिदिरी थाने में आत्मसमर्पण कर दिया है। इधर, पीड़ित परिवार को 30 हजार रुपये की आर्थिक मदद की गयी। ग्रामीण व जनप्रतिनिधि सिकिदिरी थाना प्रभारी व थाने के मुंशी को तत्काल निलंबित करने की मांग पर अड़े हुए थे। काफी मशक्कत के बाद आश्वासन पर सड़क जाम को हटाया गया। सिल्ली डीएसपी क्रिस्टोफर केरकेट्टा व ओरमांझी इंस्पेक्टर ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि आप लोगों की मांग पूरी की जाएगी। जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने मांग की है कि आरोपी को फांसी की सजा होनी चाहिए। आश्वासन मिलने के बाद ओरमांझी-गोला सड़क से जाम हटाया गया। मौके पर मुआवजे की मांग को लेकर सुबह से सड़क पर कांके प्रमुख सोमनाथ मुंडा, जैलेंद्र कुमार प्रसाद, रामपोदो महतो, राजेश पाहन, श्रवण कुमार मुंडा, अजगुत करमाली, निर्मल करमाली, कमलेश पाहन सहित सैकड़ों ग्रामीण शामिल थे।

आक्रोशित ग्रामीणों को समझाते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

थाने ले जाने के नाम पर घर लाकर मारा

जानकारी के अनुसार नीलकंठ प्रसाद के यहां से एलईडी बल्ब चोरी के आरोप में उमेश मुंडा के घर जाकर नीलकंठ प्रसाद ने शुक्रवार की सुबह डंडे से मारते हुए थाने ले जाने के नाम पर अपने घर लाकर पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी। जब उमेश का चचेरा भाई उमेश को खोजते-खोजते नीलकंठ के घर पहुंचा। घर पहुंचने के बाद अपने भाई के बारे पूछा तो नीलकंठ ने बोल दिया कि वह घर चला गया है। संतुष्टि नहीं होने पर नीलकंठ के घर की बारी की तरफ देखने गया तो देखा कि उमेश का शव ओल की झाड़ी में पड़ा हुआ था। इसकी सूचना उसने सिकिदिरी पुलिस को दी। सिकिदिरी पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया है। इधर, ग्रामीणों को सूचना मिलने के बाद ओरमांझी-गोला सड़क को शनिवार की सुबह से जाम कर दिया गया था।

1200 घायल, ढह गई ऐतिहासिक इमारत, बढ़ सकती मौत के आंकड़े

मोरोक्को में विनाशकारी भूकंप, 1000 से ज्यादा की मौत

AGENCY MOROCCO : मोरक्को में शुक्रवार देर रात आये भीषण भूकंप में 1000 से अधिक लोगों की मौत हो गई और 1200 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। ऐतिहासिक मराकेश शहर से लेकर एटलस पर्वत पर स्थित गांवों तक कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत कई देशों के नेताओं ने मोरक्को को मदद की पेशकश की है। मोरक्को के गृह मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि भूकंप के कारण कम से कम 1037 लोगों की मौत हुई है। अधिकतर लोगों की मौत मराकेश और भूकंप के केंद्र के निकट स्थित पांच प्रांतों में हुई है। मंत्रालय ने बताया कि इसके अलावा 1200 लोग घायल हैं। उसने बताया कि तलाश अभियान जारी है और बचावकर्मी दूर-दराज के क्षेत्रों में पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं, ऐसे में मृतक संख्या और बढ़ने की आशंका है। मोरक्को के टेलीविजन चैनलों ने भूकंप बाद की स्थिति के दृश्य प्रसारित किए। भूकंप बाद के झटकों के डर से लोग घरों से बाहर सड़कों पर आ गए। घबराये हुए लोग सड़कों या फुटपाथ पर खड़े नजर आए। कुछ लोग बच्चों, कंबल या अन्य सामान लेकर खड़े थे। आपातकर्मी इमारतों के मलबे में जीवित लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं। मोरक्को की मीडिया ने बताया कि मराकेश शहर के सबसे प्रसिद्ध स्थलों में से शामिल 12वीं सदी की कुतुबिया मस्जिद को नुकसान पहुंचा है, लेकिन यह अभी स्पष्ट नहीं हुआ है कि क्षति कितनी हुई है।

मोरक्को में शुक्रवार देर रात आये भीषण भूकंप से टूटे इमारत।

> मोरक्को में भूकंप के कारण हुई जानमाल की हानि से अत्यंत दुख हुआ। इस दुखद घड़ी में मेरी संवेदनाएं मोरक्को के लोगों के साथ हैं। उन लोगों के प्रति संवेदना जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। घायल जल्द से जल्द ठीक हो जाएं।' भारत इस कठिन समय में मोरक्को को हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है।
>
> **नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री ।**

हर तरफ तबाही का मंजर

मोरक्को वासियों ने सोशल मीडिया पर कई वीडियो साझा किए हैं, जिनमें इमारतें ढहकर मलबे में तब्दील हुई दिख रही हैं और चारों तरफ धूल नजर आ रही है। मोरक्को के ऐतिहासिक शहर मराकेश के चारों ओर बनी प्रसिद्ध लाल दीवारों के कुछ हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। मराकेश यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन) के विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल है। भूकंप के केंद्र के पास स्थित एक शहर के प्रमुख ने मोरक्को की समाचार साइट 2एम को बताया कि निकटवर्ती शहरों के कई मकान आंशिक रूप से या पूरी तरह ढह गए हैं, कुछ स्थानों पर बिजली आपूर्ति ठप हो गई है और सड़क मार्ग अवरूद्ध हो गए हैं। तलत एन याकूब शहर के प्रमुख अब्दर्रहीम ऐत दाउद ने बताया कि प्राधिकारी प्रांत में सड़कों को साफ कर रहे हैं, ताकि एम्बुलेंस वहां से गुजर सकें और प्रभावित आबादी को सहायता मुहैया कराई जा सके। उन्होंने कहा कि पर्वत पर स्थित गांवों के बीच अत्यधिक दूरी होने के कारण नुकसान का आकलन करने में समय लगेगा। स्थानीय मीडिया ने बताया कि भूकंप के केंद्र के आसपास के पर्वतीय क्षेत्र की ओर जाने वाले सड़क मार्ग बाधित हो जाने के कारण बचाव अभियान धीमा है। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने कहा, ह्यहसंयुक्त राष्ट्र भूकंप प्रभावित आबादी की सहायता के प्रयासों में मोरक्को सरकार की सहायता करने के लिए तैयार है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने बताया कि रात 11 बजकर 11 मिनट पर आए भूकंप की प्रारंभिक तीव्रता 6.8 थी और भूकंप बाद के झटके कई सेकंड तक महसूस किये गए।

बांका में झारखंड पुलिस के जवान की शराब माफियाओं ने फोड़ी आंख

BANKA : झारखंड पुलिस बल के जवान लाखपति सिंह की बांका में शराब माफियाओं ने आंख फोड़ दी। वहीं जवान को बेतरह मारा-पीटा। जख्मी जवान को भागलपुर से पटना और फिर वहां से बेहतर इलाज के लिये चेन्नई रेफर कर दिया गया है। लगभग 40 साल के जख्मी जवान बांका के अमरपुर के महागामा गांव के है। जख्मी जवान की पत्नी रीमा का इल्जाम है कि शुक्रवार की रात वह अपने पति के साथ घर के बाहर बैठी थी, तभी गांव के ही मिथिलेश और उसके बेटों वहां पहुंचे। मिथलेश ने अपने बेटों से कहा कि लाखपति उनके धंधे में बड़ा रोड़ा है, इसे जान से मार दो। उनके पति का आंख निकाल देने को कहा। मिथलेश ने पति के दाहिने आंख में नुकीला रॉड घोंप दिया। यह देख रीमा जोर-जोर से चिल्लाने लगी। तब आस-पड़ोस से लोगों को जुटता देख सभी बदमाश वहां से भाग निकले। हमलावरों के खिलाफ नामजद केस दर्ज कराया गया है।

रांची का युवक खूंटी के पेरवाघाघ फॉल में गिरा

काफी खोजबीन के बाद भी नहीं मिला शव

CRIME REPORTER RANCHI : जिले के प्रसिद्ध पेरवाघाघ जलप्रपात में दोस्तों के साथ घुमने आया एक युवक नदी में गिर गया और देखते ही देखते नदी की तेज धारा में बह गया। उसके दोस्त चाह कर भी कुछ नहीं कर सके। जानकारी के अनुसार शनिवार को रांची के नामकुम से पेरवाघाघ घुमने के लिए 35-36 युवक-युवतियों का दल आया था। सीढ़ी से नीचे उतरने के बाद सौरभ कुमार सिंह नामक युवक पानी मे हाथ मुंह धोने के लिए गया ही था कि उसका पैर फिसल गया और नदी की धारा में बह गया। इस दौरन उसके साथ आये दोस्तों को कुछ समझ में नहीं आ रहा था कि क्या करें। तब तक सौरभ पानी में समा गया। सौरभ कुमार सिंह की मौत की आशंका जताई जा रही है। उसके बाद पूरी टीम शोक संतप्त होकर वापस रांची लौट गइ। घूमने के लिए आई टीम के लोग नामकुम स्थित ऑर्बिट टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में कार्यरत हैं। सौरभ सिंह के डूबने की खबर मिलते ही तपकरा थाना की पुलिस और ग्रामीणों ने उसकी खोजबीन के लिए काफी मशक्कत की, परंतु देर शाम तक सफलता नही मिल पाई। बाद में खूंटी के उपायुक्त को सूचना देकर एनडीआरएफ की टीम बुलाने की मांग की गई।

सौरभ कुमार सिंह की फाइल फोटो।

नई दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन के पहले दिन कई देशों के बड़े नेता शामिल हुए। इस अवसर पर कई महत्पवूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। तस्वीर में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई देशों के गणमान्य नेता नजर आ रहे हैं।

G20 समिट को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आयोजित डिनर में झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन शामिल हुए। उन्होंने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए कहा कि उन्हें रात्रिभोज में भाग लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों से मिलने का अवसर मिला।

BRIEF NEWS

भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप कॉरिडोर पर सहमति

NEW DELHI: भारत ने अमेरिका और कई प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के साथ शनिवार को महत्वाकांक्षी भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे की घोषणा की। नये आर्थिक गलियारे को कई लोग चीन की ह्यबेल्ट एंड रोड इनिशिएटिवह्न के विकल्प के रूप में देख रहे हैं। इस गलियारे की घोषणा अमेरिका, भारत, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, फ्रांस, जर्मनी, इटली और यूरोपीय संघ के नेताओं ने जी20 शिखर सम्मेलन से इतर संयुक्त रूप से की। इन देशों ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इससे कनेक्टिविटी, सतत विकास को नयी दिशा मिलेगी। मोदी ने कहा कि भारत कनेक्टिविटी को क्षेत्रीय सीमाओं तक सीमित नहीं करता है, हम मानते हैं कि कनेक्टिविटी आपसी विश्वास को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इस पहल में दो अलग-अलग गलियारे शामिल होंगे।

झारखंड आयेंगे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे

RANCHI: कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बहुत जल्द आएंगे। झारखंड के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने शनिवार को बताया कि झारखंड कांग्रेस इकाई ने राष्ट्रीय अध्यक्ष से बात की है और उन्हें झारखंड आने का निमंत्रण दिया है, उन्होंने निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। हालांकि अभी तारीख निश्चित नहीं हो पाई है लेकिन जल्द ही तय हो जाएगा। उन्होंने कहा कि आईएनडीआईए गठबंधन को और मजबूत बनाने के साथ कांग्रेस को धारदार बनाने के लिए यह कार्यक्रम बनाया जा रहा है। उन्होंने ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के आने से झारखंड कांग्रेस में तो जोश भरेगा ही, इससे बड़ी बात होगी कि इंडिया गठबंधन मजबूत होगा और आनेवाले लोकसभा चुनाव में भाजपा गठबंधन के खिलाफ बेहद लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री को विधायक सरयू राय ने पत्र लिखा

RANCHI: विधायक सरयू राय ने शनिवार को राज्य के प्रशासनिक अधिकारियों के तबादले को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और मुख्य सचिव सुखदेव सिंह को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने पूर्वी सिंहभूम जिले के डीसी और एसएसपी का हवाला देते हुए बताया कि प्रशासनिक अधिकारियों के तबादले में अनदेखी की गयी है। पत्र के माध्यम से विधायक सरयू राय ने यह जानना चाहा है कि अपने पद पर न्यूनतम निर्धारित अवधि पूरा करने के काफी पहले इन दोनों अधिकारियों का स्थानांतरण करने के बारे में बोर्ड की मीटिंग में क्या कारण बताए गए हैं। पत्र में इस बात का जिक्र उन्होंने किया है कि विधानसभा में अल्पसूची के प्रश्न में प्रशासनिक अधिकारियों के तबादले के संदर्भ में सवाल पूछा था।इस सवाल के जवाब में सरकार ने बताया था कि वर्ष 2020 में 65, 2021 में 69 और 2022 में 80 प्रशासनिक पदाधिकारियों का स्थानांतरण राज्य सरकार ने उनके कार्यकाल की निर्धारित न्यूनतम अवधि पूरा होने के पहले किया है।

G20 शिखर सम्मेलन में पहले दिन जारी हुआ संयुक्त घोषणा पत्र, विश्वास बहाली पर जोर

सम्मेलन का सफल आयोजन भारत के लिए बड़ी उपलब्धि

AGENCY NEW DELHI:

नई दिल्ली में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन में भारत की कूटनीति की सफलता के रूप में सभी सदस्य देश एक संयुक्त घोषणापत्र जारी करने पर सहमत हुए तथा अफ्रीकी संघ को संगठन के 21वें सदस्य के रूप में शामिल किया गया। शिखर सम्मेलन के पहले दिन नेताओं के बीच विचार-विमर्श के बाद जारी घोषणापत्र सर्वसम्मति के बाद अमल में आया, जो वैश्विक दक्षिण (विकासशील देशों) की समस्याओं पर केन्द्रित था। यूक्रेन युद्ध के कारण विभिन्न देशों में मतभेद और ध्रुवीकरण से ऊपर उठने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मेजबान मुख्य वातार्कार (शेरपा) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत को इस संबंध में दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील और इंडोनेशिया का सक्रिय सहयोग मिला। पहले यह कयास लगाया जा रहा था कि नई दिल्ली शिखर सम्मेलन में पिछले बाली शिखर सम्मेलन के विपरीत संयुक्त वक्तव्य जारी होने की संभावना कम है। शिखर सम्मेलन की आज की कार्यवाही और संयुक्त घोषणापत्र के संबंध में विदेश मंत्री एस जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, मुख्य वातार्कार (शेरपा) अमिताभकांत ने मीडिया को संबोधित किया। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि जी20 मुख्यतः विश्व अर्थव्यवस्था और आर्थिक मामलों पर विचार-विमर्श का मंच है लेकिन इसमें समकालीन विश्व घटनाक्रम पर भी गौर किया गया है।

संयुक्त वक्तव्य में यूक्रेन युद्ध से दुनिया विशेषकर वैश्विक दक्षिण पर पड़ रहे विपरीत असर की मुख्य रूप से चर्चा की गई। यूक्रेन युद्ध के कारण ईंधन, खाद्यान्न और उर्वरकों की उपलब्धता और आपूर्ति संबंधी दिक्कतों पर संयुक्त वक्तव्य में चिंता व्यक्त की गई। हालांकि यूक्रेन युद्ध के लिए रूस के खिलाफ सीधे रूप से कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं की गई। जयशंकर से पूछा गया कि बाली के विपरीत नई दिल्ली सम्मेलन में रूस का सीधे रूप से उल्लेख क्यों नहीं किया गया। इस पर उन्होंने कहा, बाली बाली था और नई दिल्ली नई दिल्ली है। इसे स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष में बहुत कुछ बदला है। नई दिल्ली सम्मेलन मुख्यतः आज की समस्याओं पर केन्द्रित है।ह्न जयशंकर से पूछा गया कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नई दिल्ली नहीं आने से क्या इस शिखर सम्मेलन का महत्व कम हुआ। विदेश मंत्री ने उत्तर दिया कि हर देश यह तय करता है कि किसी सम्मेलन में उसकी ओर से कौन प्रतिनिधित्व करे। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण यह है कि कौन सा देश विचार-विमर्श में किस तरह योगदान करता है। जयशंकर ने शिखर सम्मेलन में चीन की भूमिका की प्रशंसा करते हुए कहा कि देश का योगदान सकारात्मक रहा तथा सम्मेलन के परिणामों के लिए यह अच्छा था।

उन्होंने कहा कि सम्मेलन में आतंकवाद और आतंकवादियों को धन मुहैया कराए जाने से विश्व शांति को उत्पन्न खतरे पर विशेष रूप से चर्चा की गई। सभी तरह के आतंकवाद को खतरा मानते हुए सामूहिक उपायों पर जोर दिया गया तथा आतंकवादियों को धन मुहैया कराए जाने से रोकने के लिए एफएटीएफ को समर्थन दिया गया। जयशंकर ने कहा कि भारत ने शिखर सम्मेलन के लिए वसुधैव कुटंबकम का आदर्श वाक्य तय किया था। इसी के अनुरूप सम्मेलन में विचार-विमर्श हुआ। यह मेजबान देश के रूप में हमारे लिए संतोष की बात है। उन्होंने कहा कि शिखर सम्मेलन के सिलसिले में देशभर में आयोजित होने वाली विभिन्न बैठकों के जरिए इस संगठन के विचार-विमर्श के साथ जनता को सहभागी बनाया गया। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने शनिवार को जी20 शिखरवार्ता के बाद एक पत्रकार वार्ता में कहा कि नई दिल्ली जी20 लीडर्स घोषणापत्र मजबूत, टिकाऊ, संतुलित और समावेशी विकास को बढ़ावा देने पर केन्द्रित है।

विदेश मंत्री ने कहा कि घोषणापत्र सतत विकास लक्ष्यों की प्रगति में तेजी लाने के लिए एक कार्ययोजना लाया है। इसमें स्थिर भविष्य के लिए हरित विकास के समझौते की कल्पना की गई है। उन्होंने बताया कि यह यह स्थायी विकास के लिए जीवनशैली पर उच्च-स्तरीय सिद्धांतों, हाइड्रोजन के स्वैच्छिक सिद्धांतों, टिकाऊ लचीली नीली अर्थव्यवस्था के लिए चेन्नई सिद्धांतों और खाद्य सुरक्षा और पोषण पर डेक्कन सिद्धांतों का समर्थन करता है। जी20 घोषणा पत्र में परिवर्तन, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे पर ध्यान देने के साथ प्रौद्योगिकी की समावेशी भूमिका पर प्रकाश डाला गया है। जयशंकर ने कहा कि भारत ने जी20 अध्यक्षता को समावेशी और व्यापक बनाने का प्रयास किया है। यह संतोष का विषय है कि भारत की अध्यक्षता में अफ्रीकी संघ जी20 का स्थाई सदस्य बना है।

यह बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के वर्तमान यथार्थ को उजागर करता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शिखर सम्मेलन में अर्थव्यवस्था और आर्थिक मामलों में लिये गए फैसलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में कर्ज की समस्या से जूझ रहे देशों की मदद करने के उपायों पर भी फैसले किए गए। उन्होंने कहा कि विचार-विमर्श में जन केन्द्रित आर्थिक व्यवस्था के महत्व को स्वीकार किया गया। सम्मेलन में विचार-विमर्श की मूल भावना यह थी कि कोई भी वर्ग और देश उपेक्षित न रहे।

नई दिल्ली जी-20 के बैठक में शामिल अतिथि।

जी20 देशों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया, क्योंकि समूह ने उन्हे स्थायी सदस्य के रूप में स्वीकार किया

अफ्रीकी संघ के जी20 सदस्य बनने से द. अफ्रीका के राष्ट्रपति 'प्रसन्न'

AGENCY NEW DELHI:

अफ्रीकी संघ ने शनिवार को जी20 देशों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया, क्योंकि समूह ने उसे स्थायी सदस्य के रूप में स्वीकार किया। ऐसा तब हुआ जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जी20 नेताओं को अपने उद्घाटन भाषण के दौरान अफ्रीकी संघ के अध्यक्ष अजाली असौमानी को उच्च मेज पर अपनी सीट लेने के लिए आमंत्रित किया। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा के एक्स पोस्ट का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, ₹अफ्रीकन यूनियन के साथ जी20 परिवार को मजबूत करने के साथ, हम ऐसी साझेदारियों को मजबूत करेंगे जो सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता देंगी, जिससे एक बेहतर ग्रह का निर्माण होगा।₹ इससे पहले रामाफोसा ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि हमें खुशी है कि जी20 ने अफ्रीकी संघ को जी20 के सदस्य के रूप में स्वीकार कर लिया है। कोविड19 महामारी के मद्देनजर वैश्विक पुनर्निर्माण, निम्न-कार्बन, जलवायु लचीले, टिकाऊ समाजों में संक्रमण को तेज करने का एक अनूठा अवसर प्रस्तुत करता है। इस संकट के लिए सबसे कम ज़िम्मेदारी होने के बावजूद, विकासशील अर्थव्यवस्थाएं जलवायु परिवर्तन का खमियाजा भुगत रही हैं। उन्होंने कहा कि अफ्रीकी और अन्य विकासशील अर्थव्यवस्था वाले देशों के रूप में हमें गरीबी, असमानता और बेरोजगारी जैसी महत्वपूर्ण विकासात्मक चुनौतियों के बीच अपनी जलवायु प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के कार्य का सामना करना पड़ता है। जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय गिरावट, अस्थिर उपभोग और उत्पादन और संसाधनों की कमी ऐसी चुनौतियां हैं, जिन्हें केवल सामूहिक रूप से और बड़ी एकजुटता के साथ संबोधित किया जा सकता है। दक्षिण अफ्रीका सतत विकास के लिए उन्नत और विस्तारित वैश्विक साझेदारी का आह्वान करता है। इसे विकास के लिए वित्तपोषण पर अदीस अबाबा एक्शन एजेंडा में उल्लिखित ठोस नीतियों और कार्यों द्वारा समर्थित किया जाना चाहिए।

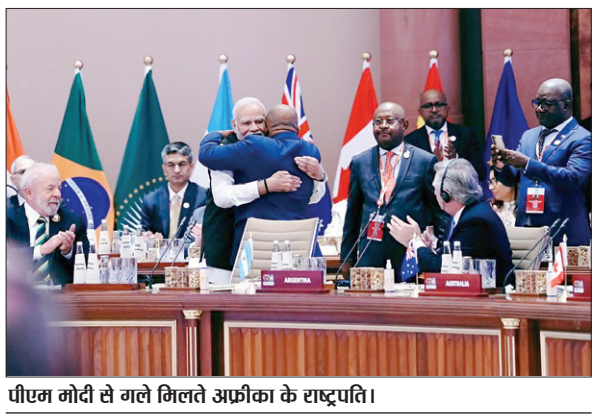

पीएम मोदी से गले मिलते अफ्रीका के राष्ट्रपति।

G20 के नेताओं के सम्मान में रात्रि भोज

अमेरिकी राष्ट्रपति सहित 300 प्रतिनिधि हुए शामिल

AGENCY NEW DELHI :

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भारत मंडपम में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, ब्रिटेन के ढट सहित ऋ 20 के नेताओं और प्रतिनिधियों के लिए सम्मान में भव्य रात्रिभोज का आयोजन किया। इसमें 300 प्रतिनिधि शामिल हुए। विदेशी मेहमानों को शाकाहारी व्यंजन परोसे गये। इसमें मुंबई पाव, इलायची की खुशबू वाला सांवा का हलवा, अंजीर-आडू मुरब्बा आदि व्यंजन शामिल रहा। रात्रिभोज शुरू होने से पहले राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने एक मंच पर अतिथियों का स्वागत किया। मंच की पृष्ठभूमि में बिहार के नालंदा विश्वविद्यालय के भग्नवाशेष और भारत की अध्यक्षता में जी20 की थीम- 'वसुधैव कुटुम्बकम- एक पृथ्वी, एक कुटुम्ब, एक भविष्य' को दशार्या गया। नालंदा विश्वविद्यालय के भग्नावशेष यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल हैं। यह विश्वविद्यालय दुनिया के सबसे पुराने विश्वविद्यालयों में से एक था। ठीक मंच के बीचो-बीच ओड़िशा

संविधान विरोधी बयान से आक्रोशित हुए लोग, अंबेडकर चौक पिठोरिया में एकत्रित होकर केंद्र सरकार के विरुद्ध की नारेबाजी

PHOTON NEWS RANCHI:

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निजी सचिव विवेक कुमार के द्वारा सविंधान बदलने के ब्यान के खिलाफ राष्ट्रीय पिछड़ा मोर्चा नई दिल्ली एवं बुद्धा इंटरनेशनल सोसायटी के एक दिवसीय भारत बंद के आह्वान पर लोकहित अधिकार पार्टी , समता सैनिक दल, अंबेडकर ग्रामीण चेतना समिति, अंजुमन इस्लामिया कोकदोरो, बालू एवं बिरसा मुंडा भ्रष्टाचार निरोधक संगठन के संयुक्त तत्वाधान में शनिवार को कांके प्रखंड के पिठोरिया चौक के दुकानों को बंद कराया गया। इस दौरान पिठोरिया चौक स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर के प्रतिमा में माल्यार्पण भी किया गया। मौके पर मौजूद लोकहित अधिकार पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सह रांची लोकसभा प्रभारी हरिनाथ साहू ने कहा जिस प्रकार कुछ दिनों पहले से सोशल मीडिया में वायरल देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के निजी सचिव विवेक कुमार के द्वारा भारतीय संविधान को बदलकर नया संविधान देश में लागू कराने का बयान से पूरा देश और विशेष कर दबे कुचले, वंचित शोषित, बहुल संख्यक, अति पिछड़े समाज, दलित, आदिवासी, महिलाएं, धार्मिक अल्पसंख्यकों में असुरक्षा भय एवं गुस्सा व्याप्त है। श्री साहू ने कहा हिंदू राष्ट्र और हिंदू संविधान देश के अंदर लागू कराने का कवायत केंद्र सरकार के संरक्षण में पिछले कई वर्षों से चल रहा है। हिंदू राष्ट्र और नये संविधान को लेकर कई प्रकार की भ्रांतियां देश के अंदर अफवाह के तौर पर फैलाया जा रहा है जिससे आपसी भाईचारगी समानता का अधिकार लोकतंत्र एवं भारतीय संविधान में प्रदत्त शिक्षा और वोट देने का अधिकार सहित कई अन्य आम नागरिकों का हक अधिकार से जुड़ा प्रावधान को समाप्त करने का डर से देश में असुरक्षा एवं भय का माहौल बनता जा रहा है। इस एकदिवसीय भारत बंद कार्यक्रम का मुख्य अगुवा अंबेडकर ग्रामीण चेतना समिति के अध्यक्ष श्री रंगनाथ राम एवं बिरसा मुंडा भ्रष्टाचार निरोधक संगठन के संरक्षक मोहम्मद सरफराज अंसारी जी ने भी सभा को संबोधित करते हुए देश लोकतंत्र और संविधान की रक्षा का संकल्प के साथ संविधान विरोधी तत्वों के खिलाफ बड़ी लड़ाई के लिए तैयार रहने का आह्वान किये। बंदी कार्यक्रम में मुख्य रूप से दशरथ उरांव, कुलेश्वर राम, अमरिका राम, राजकुमार रवि, तबारक हुसैन, अफजाल अंसारी, अनुज उरांव, लोकहित अधिकार पार्टी के नेता अजीत साहू जी, श्री गणेश साहू जी, विजय उरांव, सहदेव राम, अंजुमन इस्लामिया के शमीम अंसारी, आबिद अंसारी, रशीद अंसारी,सिद्दीक अंसारी, सहित दर्जनों स्थानीय सामाजिक अगुवा प्रतिनिधियों प्रतिनिधियों ने बंदी का समर्थन करते हुए कार्यक्रम में शामिल हुए।

नारेबाजी करते आक्रोशित लोग।

कांके विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस की बैठक, संगठन की मजबूती पर जोर

PHOTON NEWS RANCHI:

कांके विधानसभा युवा कांग्रेस के अध्यक्ष मो. खालिद सैफुल्लाह के नेतृत्व में शनिवार को युवा कांग्रेस कमिटी के कार्यकारी कमिटी की बैठक कांके स्थित कांग्रेस प्रदेश महासचिव सुरेश कुमार बैठा के आवास में किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में रांची जिला के प्रभारी फहद खान ने युवा कांग्रेस कार्यकताओं को आगामी लोकसभा और विधानसभा को मद्देनजर दिशा निर्देश दिया कि जल्द से जल्द कमिटी को बना के बूथ स्तर तक पहुंचने की कोशिश करे। जुझारू यूवाओ को कमिटी में ज्यादा से ज्यादा जोड़े। साथ ही प्रभारी ने ये भी निर्देश दिया की, महीने में कम से कम एक बार विधानसभा कमिटी की बैठक किया जाए। वही मौके पर मौजूद कांग्रेस प्रदेश महासचिव सुरेश कुमार बैठा ने कहा कि,आगामी चुनाव को लेकर सभी कार्यकर्ता तैय्यार हो जाए, यूवा ही कांग्रेस की रीढ़ की हड्डी होती है। आप सब एक होकर हर क्षेत्र में युवाओं के बीच जाकर केंद्र सरकार की नाकामियों को उजागर कर सबको सही रास्ता दिखाए और बूथ स्तर तक मजबूत कमिटी बनाने को लेकर कई बिंदुओं पर चर्चा किए। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला प्रभारी फहद खान, कांके विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सुरेश कुमार बैठा, जिला अध्यक्ष जमील अख़्तर, कार्यकारी अध्यक्ष विक्की ठाकुर, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अमन अहमद, विधानसभा प्रभारी मो इनायतुल्लाह, विधानसभा अध्यक्ष मो. खालिद सैफुल्लाह, उपाध्यक्ष मो हुसैन अंसारी, महासचिव निलेश मिश्रा, सरफराज अंसारी, मो. सईद, कोकर अध्यक्ष सोनू लोहरा, बरियातू अध्यक्ष तौकीर अली, बूढमू उपाध्यक्ष सरताज अंसारी, राहुल केरकेट्टा, विनोद उरांव, सहबान अंसारी, दीपक उरांव,बारीक अंसारी, मेहरबान अंसारी, केडी इरशाद, अक्षत सिंह, संतोष साहू, आकिब अली, राहुल कुमार, खलील अंसारी, प्रिंस और अनेक युवा कांग्रेस के पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

BRIEF NEWS

सरना-सनातन मंच ने फूंका स्टालिन का पुतला

KHUNTI : सरना सनातन मंच के विशेष बैठक शनिवार को कर्रा प्रखंड के मुरुचकेल ग्राम में राम लखन सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में सरना सनातन समाज के प्रतिनिधियों ने सनातन धर्म पर हो रहे हमले और ईसाई मिशनरियों द्वारा किये जा रहे धर्मांतरण पर गभीर चिंता व्यक्त की गई और इसकें खिलाफ आवाज बुलंद करने का निर्णय लिया गया। मौके पर उदय निधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म के खिलाफ दिये गये बयान की आलोचना की गई और उनका पुतला दहन किया गया। मौके पर विहिप के वीरेंद्र सोनी, विनय गुप्ता, पड़हा राजा जुरा पहान आदि उपस्थित थे।

जेसीआई रांची एक्सपो उत्सव 12 अक्टूबर से मोरहाबादी मैदान में

RANCHI : जेसीआई रांची एक्सपो उत्सव 12-16 अक्टूबर तक मोरहाबादी मैदान में आयोजित किया जाएगा। इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। इस वर्ष इस कन्ज्यूमर फेयर का 26वां संस्करण होगा। संस्था के अध्यक्ष अरविंद राजगढ़िया ने शनिवार को बताया कि एक्सपो के मुख्य संयोजक डॉ संजय जैन बनाए गए हैं, जो की एजुकेशनलिस्ट और आईटी स्पेशलिस्ट हैं।

स्व पंडित लाल मोहन पाठक मेमोरियल बैडमिंटन टूनार्मेंट संपन्न

RANCHI : शनिवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा कला एवं खेल प्रकोष्ठ के तत्वावधान में एक दिवसीय स्व पंडित लाल मोहन पाठक मेमोरियल बैंडमिंटन टूनार्मेंट का आयोजन गांधीनगर बैडमिंटन एकेडमी में किया गया। इस अवसर पर 50 बालक-बालिकाओं ने भाग लिया। मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता युवा मोर्चा पलामू प्रमंडल के प्रभारी श्रीनिवास एवं इंडियन आइडल 6 फेम गायक रजत आनंद उपस्थित थे।

आईटी एक्ट के तहत दर्ज केसों की समीक्षा करेंगे CID डीजी

RANCHI : सीआईडी डीजी अनुराग गुप्ता 21 सितंबर को समीक्षा बैठक करेंगे। इस समीक्षा बैठक में साल 2019 से अगस्त 2023 तक राज्य के विभिन्न जिलों में आईटी एक्ट के तहत दर्ज हुए केसों की समीक्षा की जायेगी। इस बैठक में सभी रेंज के डीआईजी, सभी जिलों के एसएसपी और एसपी शामिल होंगे। सभी जिलों के एसपी को निर्देश दिया गया है कि बैठक में अपने-अपने जिलों से संबंधित आंकड़ों के साथ बैठक में भाग लेना सुनिश्चित करें। गौरतलब है कि झारखंड में हर माह औसतन आईटी एक्ट के तहत 83 मामले दर्ज होते हैं। राज्य के साइबर थाना समेत 24 जिलों में आईटी एक्ट से संबंधित 5396 से अधिक मामले दर्ज हुए हैं।

काजल कुजूर ने थाईलैंड ओपन कराटे चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

RANCHI : बैंकॉक में आयोजित थाईलैंड ओपन कराटे चैंपियनशिप में भारत और झारखंड का मान बढ़ा है। भारतीय कराटे टीम में शामिल झारखंड की दो खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता है। एलिसन रूपल खाखा ने शुक्रवार को कांस्य पदक अपने नाम किया था। एलिसन के बाद शनिवार को काजल कुजूर ने भी कांस्य पदक जीता है। काजल कुजूर ने 14 वर्ष से कम आयु वर्ग और 52 किलो से कम वजन वर्ग के फाइट में दो देशों के खिलाड़ियों को हराकर सेमीफाइनल राउंड में जगह बनायी थी लेकिन सेमीफाइनल में भारत को मलेशिया ने हरा दिया।

atomy
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

NCB के फर्जी केस को हाईकोर्ट ने किया निरस्त, याचिकाकर्ता रिहा

निर्दोष को 8 साल जेल में रखने पर 8 लाख का मुआवजा देने का निर्देश

SPECIAL REPORTER RANCHI : नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा फर्जी ढंग से केस किए जाने से संबंधित एक मामले को निरस्त करने का आग्रह करने वाली मंगा सिंह की याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया है। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति एसके द्विवेदी की कोर्ट ने रांची में एनसीबी द्वारा प्रार्थी के खिलाफ दर्ज केस को निरस्त करते हुए उसे तत्काल जेल से छोड़ने का आदेश दिया। कोर्ट के आदेश के आलोक में प्रार्थी को जेल से रिहा कर दिया गया है। 8 साल फर्जी केस में प्रार्थी के जेल में रहने को देखते हुए कोर्ट ने आठ लाख का मुआवजा एडिशनल डायरेक्टर जनरल एनसीबी, सब जोन, रांची के माध्यम से प्रार्थी को देने का निर्देश दिया है। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता शैलेश पोद्दार ने पैरवी की। उनकी ओर से कोर्ट को बताया गया की एनसीबी के अधिकारियों ने फर्जी तरीके से मंगा सिंह सहित दो के खिलाफ वर्ष 2015 में रांची में प्राथमिकी दर्ज की थी। एनसीबी के अधिकारियों ने प्रार्थी को 6 अक्टूबर 2015 को बिहार के गया जिला स्थित बाराचट्टी के पटियाला ढाबे से पकड़ा था, जहां वह वेटर और साफ- सफाई का काम करता था। बाद में एनसीबी के अधिकारियों ने उसे रांची लाकर और उसके सहित दो के खिलाफ ड्रग के केस में प्राथमिकी दर्ज कर दी थी। बाद में गया जिला की पुलिस ने वहां दर्ज इससे संबंधित एक केस में जांच की थी, जिसमें गया पुलिस ने भी रांची में एनसीबी के इस केस को फर्जी बताया था। एनसीबी ने इस मामले में एनसीबी के 8 अधिकारियों के खिलाफ फर्जी मुकदमा दायर करने को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई है और उनके खिलाफ उनके कार्रवाई शुरू की है। उन एनसीबी के अधिकारियों के खिलाफ आरोप पत्र भी दाखिल हो चुका है। प्रार्थी बिना किसी जुर्म के 8 साल से जेल में है, एनसीबी खुद इस केस को फर्जी बता रही है, ऐसे में इस केस को निरस्त किया जाए। बता दें कि प्रार्थी ने अपने खिलाफ रांची में एनसीबी द्वारा दर्ज कराए गए केस को निरस्त करने, इस मामले में संबंधित रांची की अदालत द्वारा एक अप्रैल 2016 को लिए गए संज्ञान आदेश को निरस्त करने एवं बिना जुर्म के जेल में 8 साल बिताने को लेकर 50 लाख मुआवजा की दिलाने का आग्रह कोर्ट से किया था।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 91000 मामले निष्पादित

PHOTON NEWS RANCHI : व्यववहार न्यायालय रांची में जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) रांची की ओर से शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन हुआ। राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 91 हजार से अधिक वादों का निष्पादन किया गया एवं 123 करोड़ से अधिक रूपयों की समझौता राशि की वसूली विभिन्न वादों में किया गया। जिसमें प्रीलिटिगेशन एवं लिटिगेशन के वादों का निष्पादन सम्मिलित है। राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन के अवसर पर 6 लाख 38 हजार से अधिक लाभुकों को विभिन्न योजनाओं के तहत लाभ दिलाया गया, लगभग 174 करोड़ से अधिक राशि की योजनओं का लाभ लाभूकों को दिया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत के अवसर पर व्यवहार न्यायालय रांची में 35 पीड़ितों के बीच लगभग 65 लाख रुपए का वितरण झारखण्ड पीड़ित मुआवजा अधिनियम के तहत किया गया। इससे पहले उदघाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि न्यायायुक्त अरूण कुमार राय, प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय, रशिकेष कुमार, डालसा सचिव, सम्भू प्रसाद अग्रवाल, सचिव, आरडीबीए, रांची, संजय विद्रोही आदि उपस्थित थे।

दीप जलाकर राष्ट्रीय लोक अदालत का हुआ शुभारंभ।

ट्रक की चपेट में आए स्कूटी सवार, एक की गई जान

एक गंभीर, रिम्स में चल रहा इलाज

CRIME REPORTER RANCHI : रांची के तुपुदाना के खरसीदाग ओपी क्षेत्र के डूमर टोली के समीप मालवाहक मिनी ट्रक ने स्कूटी सवार दो युवकों को अपनी चपेट में लिया। दोनों को गंभीर स्थिति में पुलिस ने भेजा रिम्स भेजा, जहां एक युवक की मौत हो गई। दूसरा गंभीर रूप से घायल है। रिम्स में उसकी स्थिति भी नाजुक बनी हुई है। दसमाइल हजाम रोड में डूमर टोली गांव के समीप अलीपुर निवासी रजाउल अंसारी एवं हाशिम अंसारी स्कूटी से 11 बजे के लगभग दसमाइल जा रहे थे । डूमरटोली गांव के समीप पीछे से आ रही मालवाहक मिनी ट्रक जएएच01बईक्यउ 1466 जिसमें गिट्टी लगा हुआ था दोनों को अपनी चपेट में ले लिया। काफी दूर तक स्कूटी को घसीटते हुए ले गया, जिससे स्कूटी में सवार दोनों की स्थिति चोट लगने से गंभीर हो गयी। मामले की जानकारी पाकर पीसीआर 17 के पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और दोनों को स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए समर हॉस्पिटल भेजा जहां स्थिति की गंभीरता को देखते हुए रिम्स रेफर कर दिया गया। रिम्स में इलाज के क्रम में रजाउल अंसारी की मौत हो गई। वहीं हाशिम अंसारी की स्थिति नाजुक बनी हुई है। सड़क दुर्घटना में दोनों लोगों के घायल होने के बाद आसपास के ग्रामीणों ने कुछ देर के लिए सड़क जाम कर दिया। मौके पर खरसीदाग थाना से सतीश कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। और लोगों को समझा बुझाकर सड़क जाम हटवाया। मृतक रजाउल अंसारी के बड़े भाई शमसुल अंसारी की समझदारी से सड़क जाम हटा लिया गया। पुलिस दोनों वाहनों को जप्त कर थाना ले गई है।

मुआवजे की मांग

मृतक की पत्नी शकीला खातून के आवेदन पर मामला दर्ज किया गया है। अपने आवेदन में शकीला खातून ने लिखा है कि मृतक रजाउल अंसारी अपने परिवार का इकलौता कमाऊ सदस्य था। सरकारी प्रावधान के अनुसार मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिया जाए। स्थानीय ग्रामीणों का कहना था कि पर्यटन स्थल दशम फॉल, वाटर पार्क एवं खूंटी जाने का मार्ग होने के कारण इस सड़क में आवागमन बहुत ज्यादा रहता है टू व्हीलर और फोर व्हीलर के चालक सहित ट्रैक्टर एवं ट्रक भी काफी तेजी से गाड़ी चलाते हैं जिससे प्रतिदिन दुर्घटनाएं होती रहती है। मांग किया कि इस सड़क पर डिवाइडर का निर्माण किया जाए साथ ही तेज गाड़ी चलाने वाले वाहनों पर कार्रवाई की जाए।

सोशल मीडिया के जरिए माहौल बिगाड़ने की साजिश झारखंड पुलिस मुख्यालय ने जारी किया ALERT

CRIME REPORTER RANCHI : जी-20 शिखर सम्मेलन की सुरक्षा को लेकर एजेंसियां सतर्क हैं। खबरों के अनुसार सौ से ज्यादा सोशल मीडिया अकाउंट द्वारा अफवाहें फैलाने का प्रयास किया जा रहा है। बताया गया है कि इनमें से ज्यादातर अकाउंट पाकिस्तानी खुफिया इकाई आईएसआई और खालिस्तानी प्रतिबंधित आतंकी संगठनों से जुड़े हैं। इन अकाउंट्स से भारत विरोधी बयान जारी कर लोगों को भड़काने की साजिश में सीमापार के आतंकी संगठन जुटे हुए हैं। इसे लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश पर झारखंड पुलिस मुख्यालय ने राज्य के सभी जिलों के एसएसपी, एसपी को अलर्ट जारी किया है। कहा गया है किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए सतर्कता बनाये रखने की जरूरत है और तुरंत कार्रवाई करने को कहा गया है।

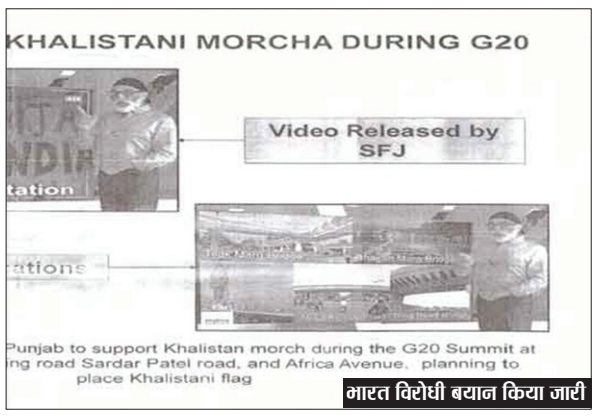

भारत विरोधी बयान किया जारी

सुरक्षा एजेंसियों ने विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से संपर्क किया : सुरक्षा एजेंसियों ने चिह्नित किये गये कुछ संदिग्ध अकाउंट के बारे में विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से संपर्क किया है। वहीं अपने स्तर पर भी मॉनिटरिंग शुरू कर दी है।देश विरोधी यूआरएल के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी जा रही है।सुरक्षा एजेंसियां ऐसी हर संदिग्ध यूआरएल की जानकारी मिलते ही उन्हें बंद करा रही है। हालांकि पहले भी विदेशों में प्रतिबंधित कुछ संगठन भारतीय सोशल मीडिया में सेंध लगाते रहे हैं। इस बारे में जानकारी मिलने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाती रही है।

डीसी ने लूट मामले में तीन आरोपियों पर अभियोजन चलाने की दी स्वीकृति

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने शनिवार को रातू थाना क्षेत्र में हुए लूट मामले में तीन आरोपियों पर अभियोजन चलाने की स्वीकृति दी है। मामला रातू थाना कांड संख्या-169/23 से जुड़ा है। जांच करने के बाद आरोपितों के विरुद्ध शस्त्र अधिनियम की धारा- 25 (1-बी) ए/26/35 के तहत अभियोजन की मंजूरी दी है। मामला 22 अप्रैल 2023 का है।

गढ़वा के मूल निवासी मनीष कुमार कुशवाहा से ड्यूटी के बाद ठाकुरगांव जाने के क्रम में शाम 7:30 बजे हुरहुरी पेट्रोल पंप से

पहले सुनसान स्थान पर चाकू तथा पिस्टल दिखाकर मोटरसाइकिल, मोबाइल और पर्स लूट ली गयी थी। पुलिस ने अनुसंधान के क्रम में झिरी के पास तीन व्यक्ति को संदिग्ध हालत में खड़े देखा। सशस्त्र बल के सहयोग से इनमें से दो व्यक्ति चतरा के श्रवण कुमार और आशीष कुमार को पकड़ा गया। उनका साथी अरुण कुमार भागने में सफल रहा।

तलाशी लेने पर श्रवण कुमार के कमर से देसी कट्टा एवं अन्य सामान बरामद किया गया। दोनों आरोपियों की निशानदेही पर भागे हुए अभियुक्त अरुण कुमार उर्फ अजित के कमरे की तलाशी लेने पर एक 7.65 एमएम बोर की देशी पिस्टल, दो 7.65 एमएम बोर एवं 315 (8 एमएम) बोर की दो जिंदा गोली बरामद की गयी थी। कांड के अनुसंधान एवं पर्यवेक्षण के क्रम में आरोपितों के खिलाफ घटना को सत्य पाया गया।

संगठित अपराध को रोकना पहली प्राथमिकता : एसएसपी

रांची के नए एसएसपी चंदन सिन्हा ने पदभार संभाला : राजधानी रांची के नए एसएसपी चंदन सिन्हा ने शनिवार को पदभार ग्रहण किया। रांची के पूर्व एसएसपी किशोर कौशल ने उन्हें पदभार सौंपा। पदभार संभालने के बाद एसएसपी ने कहा कि संगठित अपराध को रोकना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। वे रांची के 73वें एसएसपी बने हैं। उन्होंने कहा कि राजधानी में क्राइम कंट्रोल के साथ ट्रैफिक व्यवस्था पर भी विशेष नजर होगी। हर इलाके के छोटे से बड़े अपराधियों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। जिलों में तैनात डीएसपी और थानेदार एक टीम के तहत काम करेंगे।

6 प्रशिक्षु IAS को दिया गया चुनाव प्रबंधन प्रशिक्षण

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के। रवि कुमार की पहल और निर्देश पर भारतीय प्रशासनिक सेवा 2022 बैच के 6 प्रशिक्षु पदाधिकारियों के प्रशिक्षण हेतु निर्वाचन मामलों से संबंधित एक-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन शनिवार को किया गया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय स्थित सभागार में आयोजित प्रशिक्षण सत्र के दौरान प्रशिक्षु पदाधिकारियों को चुनाव से संबंधित विभिन्न विषयों पर सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला के आरंभ में के। रवि कुमार ने सभी प्रशिक्षु अधिकारियों को निर्वाचन कार्य की महत्ता के बारे में बताया, साथ ही निर्वाचन कार्यों के कुशल प्रबंधन को लेकर भारत निर्वाचन आयोग की ओर से लोक प्रशासकों से जो अपेक्षाएं हैं, उनके बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने अपने प्रशासकीय अनुभव को प्रशिक्षु अधिकारियों के बीच साझा किया। उन्हें भविष्य में बेहतर चुनाव प्रबंधन के लिए शुभकामनाएं भी दीं। इस चुनाव प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रशिक्षु पदाधिकारियों को निर्वाचन संबंधी जिन क्रियाकलापों के बारे में पीपीटी के माध्यम से अवगत कराया गया, उनमें विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024, इलेक्ट्रॉनिक मतदाता सूची, मतदान केंद्र, स्वीप, चुनाव साक्षरता क्लब, जिला चुनाव प्रबंधन योजना, वल्नरेबिलिटी मैपिंग, ईआरओ नेट, आईटी टूल आदि शामिल हैं। इसके अलावा उन्हें वोटर टर्नआउट प्लान 2024 के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण कार्यशाला में जिन प्रशिक्षु आईएएस पदाधिकारियों ने प्रशिक्षण लिया, वे हैं- श्रुति राजलक्ष्मी, रवि कुमार, दीपेश कुमारी, प्रांजल, कृष्णकांत कांवरिया व सुलोचना मीना। कार्यशाला में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की ओएसडी गीता चौबे, अवर सचिव देवदास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी मुख्यालय संजय कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी धनबाद पूर्णिमा कुमारी, कार्यपालक दंडाधिकारी हजारीबाग सुनील कुमार सिंह, एनएलएमटी एसएन जमील आदि मौजूद रहे। संभवतः यह पहली बार है जब मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय द्वारा प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों के लिए इस तरह के विशेष कार्यशाला प्रशिक्षण का आयोजन किया गया था।

21 में से 15 बटालियन खाली व प्रभार में चल रहे, कमांडेंट के नहीं होने से पिकेटों के निरीक्षण का काम बंद

पोस्टिंग के इंतजार में झारखंड के 12 IPS अधिकारी

PHOTON NEWS RANCHI : एक ओर झारखंड में आईपीएस के कई पद खाली हैं, दूसरी ओर 12 आईपीएस अधिकारियों को पदस्थापन की प्रतीक्षा में रखा गया है। वेटिंग फॉर पोस्टिंग लिस्ट में रहने की वजह से इन आईपीएस अधिकारियों के पास कोई काम नहीं है। इसमे चंदन झा, अंजनी झा, प्रभात कुमार, अमित रेणु, आनंद प्रकाश, अंबर लकड़ा, सुभाष चंद्र जाट, अनुरंजन किस्पोट्टा, कुमार गौरव, मनोज स्वगीर्यार, आर रामकुमार, और एहतेशाम वकारिव का नाम शामिल है। झारखंड सरकार ने केंद्र से मिलने वाली राशि से नयी-नयी बटालियन का गठन तो कर लिया है, लेकिन उनमें कामकाज सुचारु रूप से हो इसकी व्यवस्था नहीं की है। बटालियन में कमांडेंट तक की पोस्टिंग नहीं की जाती है। वर्तमान में हालात यह है कि झारखंड में जैप, आईआरबी, एसआईआरबी और एसआईएसएफ की 21 बटालियन में से 15 बटालियन या तो खाली है या फिर प्रभार में चल रहे हैं। जैप का चार, आईआरबी का तीन, एसआईआरबी का दो और एसआईएसएफ का एक बटालियन खाली है। वहीं जैप का एक और आईआरबी का चार बटालियन प्रभार के भरोसे चल रही है। जैप और आईआरबी की कुल 18 बटालियन के जवानों को नक्सल प्रभावित इलाकों में बनाये गये 115 से अधिक पिकेटों पर तैनात किया गया है। झारखंड आईआरबी का गठन नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाने के लिए किया गया है। इसकी पांच बटालियन के गठन के लिए पूरी राशि केंद्र सरकार ने दी है, ताकि नक्सलियों से जारी लड़ाई में अर्द्धसैनिक बलों पर निर्भरता को कम किया जा सके। बटालियनों में कमांडेंट के नहीं होने से पिकेटों के निरीक्षण का काम बंद हो गया है। पिकेटों में निरीक्षण के जो आंकड़े बन रहे हैं, वह ज्यादातर कागजों पर बन रहे हैं। नियमानुसार, कमांडेंट को साल में एक बार हर पिकेट का निरीक्षण करना है और वहीं पर रात भी बितानी है।

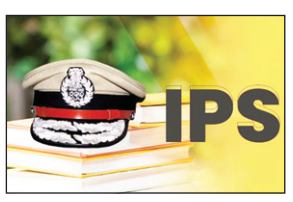

एसपी स्तर के ये पद हैं खाली

- एसपी सीएम सुरक्षा
- एसपी ऑपरेशन
- एसपी एससीआरबी
- एसपी एसटीएफ
- जैप 3 कमांडेंट
- जैप 6 कमांडेंट
- जैप 5 कमांडेंट
- जैप 8 कमांडेंट
- आईआरबी 2 कमांडेंट
- आईआरबी 8 कमांडेंट
- आईआरबी 9 कमांडेंट
- एसआईआरबी 1 कमांडेंट
- एसआईआरबी 2 कमांडेंट
- एसआईएसएफ कमांडेंट
- रेल एसपी धनबाद
- एसपी वायरलेस
- एसपी जेएपीटीसी
- एसपी सीटीपीसी मुसाबनी
- एसपी जंगल वार फेयर स्कूल

ये पद प्रभार में

- एसपी होमगार्ड
- जैप 3 कमांडेंट
- आईआरबी 1 कमांडेंट
- आईआरबी 3 कमांडेंट
- आईआरबी 4 कमांडेंट
- आईआरबी 9 कमांडेंट
- आईआरबी 10 कमांडेंट

इंस्पायर अवार्ड रजिस्ट्रेशन की अवधि एक माह बढ़ी

स्कूलों की कम भागीदारी को देखते हुए लिया गया फैसला

PHOTON NEWS RANCHI : भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा हर साल स्कूली छात्रों के लिए इंस्पायर अवार्ड का आयोजन करती है। पर इस साल के अवार्ड फंक्शन में स्कूलों से बच्चों की कम भागीदारी को देखते हुए शिक्षा विभाग ने इंस्पायर अवार्ड रजिस्ट्रेशन की अवधि एक माह बढ़ा दी है। मूल रूप से रजिस्ट्रेशन 31 अगस्त को समाप्त होने वाला था, लेकिन अब स्कूलों के लिए संशोधित नामांकन की समय सीमा को 30 सितंबर कर दिया गया है। यह विस्तार शैक्षणिक संस्थानों में अवार्ड शो को लेकर अधिक से अधिक सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस अवार्ड शौ के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 1 मई को शुरू हुई थी। प्रत्येक स्कूल को कक्षा छह से कक्षा 10 तक, पांच छात्रों को पंजीकृत करना आवश्यक था। इंस्पायर अवार्ड मानक योजना का उद्देश्य 10 से 15 वर्ष की आयु के छात्रों के बीच नवाचार को बढ़ावा देना के साथ छात्रों में वैज्ञानिक सोच और मॉडल प्रस्तुति की संस्कृति को बढ़ावा देना है। जिला शिक्षा विभाग के एक पत्र के अनुसार, पलामू जिला पंजीकरण में अग्रणी के रूप में उभरा है, जिसमें 2,747 छात्रों ने नामांकन किया है। बोकारो और चतरा जिले 2,726 और 2,572 पंजीकरण के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इसके विपरीत, लातेहार जिले में सबसे कम भागीदारी दर्ज की गई।

BRIEF NEWS

1.730 किलो अवैध अफीम और 39 हजार नकद के साथ दो अपराधी गिरफ्तार

KHUNTI: अड़की थाना की पुलिस और एसएसबी 26 बटालियन के संयुक्त अभियान दल ने शनिवार को अड़की थाना क्षेत्र के कॉन्ट्रा पीड़ी अड़की मोड़ के पास नाका लगाकर दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक किलो 730 ग्राम अवैध अफीम, 39610 रुपये और एक मोटरसाइकिल बरामद हुए हैं। यह जानकारी एसडीपीओ अमित कुमार ने दी। गिरफ्तार अभियुक्त में जिलिंगकेला निवासी शांतिमय मुंडू (49) और जिलिंगकेला टेंगाडीह निवासी नथनियल मुंडू (50) शामिल हैं।

नशीली दवाओं के साथ आरोपी गिरफ्तार

GIRIDIH: गिरिडीह पुलिस ने शिव चरण कुमार को नशीली दवाओं के साथ गिरफ्तार किया है। बताया जाता है कि मुफस्सील थाना पुलिस ने शनिवार को कमलजोर में छापेमारी कर दवा आपूर्ति कर्ता शिव चरण को दबोचा । पुलिस ने उसकी स्कूटी की डिक्की से भारी मात्रा में दवाइयां भी बरामद की है। नगर थाना क्षेत्र के चंदोरी पट्टी में रहने वाला शिवचरण कुमार घूमघूम कर नशीली दवा की आपूर्ति करता था । पुलिस गिरफ्तार युवक से पूछताछ कर रही है । इस बाबत थाना प्रभारी कमलेश पासवान ने कहा कि जब्त दवा जांच के लिए औषधि निरीक्षक को भेजी जा रही है।

नगर निगम के चार नए सहायक नगर आयुक्त को मिला प्रभार

DHANBAD : नगर निगम में नवनियुक्त चार सहायक नगर आयुक्त को शनिवार को नगर आयुक्त सत्येंद्र कुमार ने विभिन्न वार्डो में प्रतिनियुक्त किया। बता दें कि नगर विकास व आवास विभाग रांची द्वारा 30 अगस्त को धनबाद नगर निगम में चार सहायक नगर आयुक्त को पदस्थापित किया गया था। सहायक नगर आयुक्त अंकित गुप्ता को कतरास व छातांटांड़ के वार्ड एक से 18 का कार्यभार आवंटित हुआ है। उन्हें राजस्व वसूली, सभी प्रकार की योजनाओं का निरीक्षण, जन्म-मृत्यु, अतिक्रमण, एनयूएलएम, सफाई सहित अन्य कार्यों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वार्ड 20 से 33 तक ऐसे कार्यो का जिम्मा सहायक नगर आयुक्त संतोषिनी मुर्मू को दिया गया है। वार्ड 34 से 45 तक के लिए सहायक नगर आयुक्त प्रसून कौशिक होंगे, जबकि वार्ड 40 व 46 से 55 तक के लिए सारजेन मरांडी को प्रतिनियुक्त किया गया है। शनिवार 9 सितंबर को जारी आदेश के बाद सभी सहायक नगर आयुक्त संबंधित वार्डो का कार्यभार संभाल लेंगे।

सामाजिक अंकेक्षण के सदस्यों ने दिवंगत टेकलाल महतो को दी श्रद्धांजलि

TOPCHANCHI : धनबाद जिला के सामाजिक अंकेक्षण कार्यालय तोपचांची में शनिवार 9 सितंबर को सामाजिक अंकेक्षण के सदस्यों ने दिवंगत टेकलाल महतो को श्रद्धांजलि दी। सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। बताया कि बीते 5 सितंबर को धनबाद जिला के निरसा थाना क्षेत्र के नया प्राथमिक विद्यालय केन्दुठा का सामाजिक अंकेक्षण करने के जाने के क्रम में टेकलाल महतो पाण्ड्रा के रानी तालाब समीप सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। धनबाद स्थित अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। मौके पर मजरुल हक, आंनद सिंह चौधरी, जितेन्द्र कुमार दास, रवि शंकर सिंह, सुनिता देवी, शकीला खातून, ज्योती देवी सहित अन्य उपस्थित थे।

रेल डीजी ने किया था सस्पेंड एसआरपी ने कर दी पोस्टिंग

स्टेज पर बार बालाओं के साथ ठुमके लगाने पर दंडित हुए थे थानेदार

PHOTON NEWS DHANBAD: जिस थानेदार को रेल डीजी ने सस्पेंड किया, उसी को चार माह बाद एसआरपी ने निलंबन मुक्त कर पड़ोसी थाना में पोस्टिंग कर दी। सूत्रों के अनुसार धनबाद रेल जिला बल के चित्तरंजन रेल थाना प्रभारी सुरेश पासवान तीन-चार पुलिसकर्मियों को लेकर बार बालाओं के साथ 18 फरवरी को महाशिवरात्रि के दिन स्टेज पर ठुमके लगा रहे थे। दूसरे दिन

एसआरपी प्रियदर्शी आलोक।

ठुमके लगाने वाली तस्वीर के साथ अखबार में खबर छपते ही तत्कालीन रेल डीजी अनिल पालटा ने उन्हें 22 फरवरी को सस्पेंड कर दिया. चार माह तक रेल पुलिस केंद्र में सुरेश पासवान पड़े रहे। इसी बीच रेल डीजी अनिल पालटा का तबादला हो गया। वह गृह रक्षावाहिनी व अग्निशमन विभाग के डीजी बना दिये गए. उनके हटते ही एसआरपी प्रियदर्शी आलोक ने सुरेश पासवान की पोस्टिंग जसीडीह रेल थाना में कर दी। दो साल में उनकी जसीडीह रेल थाना में दो बार पोस्टिंग की गई है। पुलिस मैनुअल के हिसाब से किसी भी पुलिस पदाधिकारी की पोस्टिंग एक बार हटने के बाद दुबारा उसी थाना में नहीं हो सकती है। परंतु एसआरपी ने मैनुअल को ताक कर रख दी। कई पुलिसकर्मी बताते हैं कि डेढ़ साल में एसआरपी ने एक ही पुलिस पदाधिकारी का दो से तीन बार तबादला किया है, जबकि नियमतः दो साल बाद ही एक स्थान से दूसरे स्थान पर तबादला करना है।

पलामू में हत्या के आरोप में मां-बेटी गिरफ्तार

PHOTON NEWS PALAMU: जिले के तरहसी थाना क्षेत्र अंतर्गत भालोगाड़ी में गत 7 सितंबर को एक कुएं से मिले सुरेन्द्र साव उर्फ विदेश साव के शव के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने सुरेन्द्र साव की हत्या के आरोप में पत्नी चिंता देवी (42) और उसकी बेटी पूजा कुमारी (19) को गिरफ्तार किया है। लेस्लीगंज के एसडीपीओ आलोक टूटी ने शनिवार को यह जानकारी दी। एसडीपीओ आलोक ने बताया कि इस मामले में मृतक की पत्नी चिंता देवी ने शव मिलने के बाद बिना किसी पर शक संदेह जाहिर किए आवेदन देकर यूडी कांड संख्या 03/2023 दर्ज कराई थी। जांच में पता चला कि सुरेन्द्र साव ने पत्नी एवं बेटी के साथ शराब के

प्रंस कांफ्रेंस में जानकारी देते एसडीपीओ आलोक टूटी।

नशे में मारपीट की थी। इसके बाद पांच सितंबर की सुबह सुरेन्द्र की पत्नी चिंता एवं बेटी पूजा ने घर में रखी महुआ शराब की बोतल में जहरीला पदार्थ मिलाकर उसे पिला दिया। साथ ही शव को घर में जलावन की लकड़ी में छुपाकर रख दिया। बाद में मौका देखकर अगले दिन 6 सितंबर की रात 11 बजे शव को कुएं में डाल दिया। दोनों आरोपितों ने गुनाह कबूल लिया है।

मुआवजा व हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए शव के साथ सड़क जाम कर प्रदर्शन

शव के साथ डालटनगंज-पांकी मुख्य सड़क को जाम करते परिजन व स्थानीय लोग।

PHOTON NEWS PALAMU: सतबरवा थाना क्षेत्र के तुंबागड़ा स्थित औरंगा जलाशय योजना के खंढहर से मिले महिला के शव का पोस्टमार्टम रांची रिम्स में किया गया। शनिवार को शव लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के कुंदरी में लाया गया। शव आने के बाद परिजन और स्थानीय लोगों ने महिला की हत्या का आरोप लगाकर और हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर डालटनगंज-पांकी मुख्य पथ पर कुंदरी में सड़क जाम कर दिया। सूचना मिलने पर क्षेत्रीय विधायक डा. शशिभूषण मेहता मौके पर पहुंचे और परिजन और ग्रामीणों का समर्थन करते हुए सड़क जाम में शामिल हुए। बाद में लेस्लीगंज थाना प्रभारी गौतम कुमार राय के हस्तक्षेप से जाम हटाया गया। महिला की पहचान कुंदरी निवासी मीना कुंवर के रूप में हुई थी। गत बुधवार को सड़े गले हालत में शव मिलने के बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए रांची रिम्स भेज दिया गया था। मौके पर विधायक डा. मेहता ने पीड़ित परिवार को अंतिम संस्कार करने के लिए 20 हजार रुपए की आर्थिक मदद दी। साथ ही प्रखंड विकास पदाधिकारी से बात कर उचित सरकारी मुआवजा दिलाने का निर्देश दिया। मौके पर उन्होंने कहा कि महिला के पति की मौत एक्सीडेंट में कुछ समय पहले हो गयी थी। महिला एक युवक के साथ बैंक में पैसे निकालने के लिए गयी थी। उसके बाद से लापता हो गयी। महिला का शव दो दिन बाद सड़े गले स्थिति में मिला। उन्होंने कहा कि शव मिलने की घटना के तीन दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस महिला के हत्यारे तक नहीं पहुंच पाई है। यह बड़ा ही चिंताजनक है। जिस लड़के के साथ महिला बैंक गयी थी वह भी फरार है। कहीं न कहीं महिला की हत्या में संबंधित युवक की संलिप्तता है।

लातेहार में संपत्ति के लालच में पुत्र ने करवाई थी पिता की हत्या, आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

PHOTON NEWS LATEHAR: जिले के महुआडांड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत धवईटोला निवासी सेवानिवृत शिक्षक क्लेमेंट लकड़ा की हत्याकांड का खुलासा शनिवार को पुलिस ने कर दिया। घटना का खुलासा करते हुए डीसीपी राजेश कुजूर ने बताया कि शिक्षक क्लेमेंट लकड़ा का बेटा मनोज लकड़ा ने ही संपत्ति के लालच में अपने पिता की हत्या करवाई थी। शनिवार को आयोजित प्रेस वार्ता में डीएसपी ने बताया कि गलत 22 जुलाई को सेवानिवृत शिक्षक क्लेमेंट लकड़ा की हत्या उनके घर के पास ही धारदार हथियार से मारकर कर दी गई थी। इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिक की दर्ज कर मामले की अनुसंधान की जा रही थी। अनुसंधान के क्रम में पुलिस ने पाया कि क्लेमेंट लकड़ा और उनके बड़े बेटे मनोज लकड़ा के बीच संपत्ति को लेकर हमेशा झगड़ा होता था। पुलिस ने जब

मीडिया से बात करते डीसीपी राजेश कुजूर।

इसकी गहनता से छानबीन की तो कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। इसके बाद पुलिस ने मनोज लकड़ा को हिरासत में लेकर पूछताछ आरंभ किया। पूछताछ के क्रम में मनोज ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए पुलिस को बताया कि उसने अपने पिता की हत्या के लिए महुआडांड़ के रहने वाले अपराधी अशोक राम को एक लाख 20 हजार रुपए देने की बात कही थी। इसके लिए उसे 20 हजार रुपए दे भी दिए थे। पैसे लेने के बाद अशोक राम एक अन्य अपराधी जितेंद्र राम के साथ मिलकर उसके पिता की धारदार हथियार से मार कर हत्या कर दी थी। मनोज ने पुलिस को बताया कि उसके पिता अपने पेंशन के सारे पैसे छोटे भाई को ही देते थे इसीलिए उसने अपने पिता की हत्या की योजना बनाई थी। पिता की हत्या के बाद छोटे भाई की भी हत्या करने की योजना थी। डीएसपी ने बताया कि पुलिस ने घटना में शामिल मनोज लकड़ा के अलावे हत्याकांड को अंजाम देने वाले अपराधी अशोक राम और जितेंद्र राम को भी गिरफ्तार कर लिया है।

भारी सुरक्षा बल के साथ कुमारधुबी स्टेशन के समीप रेलवे ने हटाया अतिक्रमण, 65 घर धराशायी

बरसात के बीच बेघर हुए दो सौ लोग, पांच दशक से झोपड़पट्टी में रह रहे थे दर्जनों परिवार

PHOTON NEWS DHANBAD: अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कुमारधुबी स्टेशन का सौंदर्यीकरण व विकास कार्य शुरू करने के तहत शनिवार 9 सितंबर को आसनसोल रेल मंडल ने भारी सुरक्षा बल के साथ कुमारधुबी स्टेशन के स्लम क्षेत्र में अतिक्रमण हटाया। स्टेशन के समीप अवैध रूप से घर बनाकर रहने वाले 65 घरों को तीन जेसीबी मशीन की मदद से ध्वस्त कर दिया गया। इससे एक दिन पहले ही इन घरों का रेलवे के निर्देश पर चिरकुण्डा विद्युत विभाग ने बिजली कनेक्शन काट दिया था। रेलवे के अधिकारी ने बताया कि नोटिस जारी करने के बाद ही अधिकांश लोग अपने घरों को खाली कर चुके थे। जो रहे थे, उन्होंने भी बिजली

कनेक्शन काटने के बाद घर खाली कर दिया था।

आसनसोल रेलमंडल के अधिकारी मुनेश पाण्डेय ने बताया कि अमृत स्टेशन योजना के तहत कुमारधुबी स्टेशन के सौंदर्यीकरण को लेकर 65 घरों को हटाया गया। मौके पर रेलवे के आईओडब्ल्यू शिव कुमार, आरपीएफ बराकर पोस्ट के इंस्पेक्टर पीके साहा के साथ भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद था।

बेघर हो गये दो सौ लोग

आशियाने पर रेलवे का बुलडोजर चलने से लगभग दो सौ लोग बरसात के इस मौसम में खुले आसमान के नीचे आ गये। उनके पास सिर छुपाने का कोई दूसरा ठिकाना नहीं है। पांच दशक से भी ज्यादा समय से ये परिवार यहां झोपड़पट्टी में गुजर बसर कर रहा था।

विधायक व सांसद को लेकर दिखी लोगों की नाराजगी

सिर से छत छीन जाने के बाद विस्थापित लोगों का गुस्सा देखने को मिला। घर के मलबे को विहारते हुए लोगों ने कहा कि आज जब उनका आशियाना उजाड़ने का काम रेलवे द्वारा किया जा रहा है, तब ना ही सांसद, ना ही विधायक और ना ही नगर परिषद के चेयरमैन उनका हाल जानने पहुंचें। महिलाओं ने कहा कि इस भीषण बरसात में उनका घर उजाड़ दिया गया। वो आखिर जायें तो कहां जायें।

घर-घर टीकाकरण अभियान 16 सितंबर से पांच अक्टूबर तक

PHOTON NEWS KHUNTI: उपायुक्त लोकेश मिश्र के निदेर्शानुसार जिले के सभी छह प्रखंडो में प्रखण्ड स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक का आयोजन किया जा रहा है। विभिन्न प्रखंडों में शनिवार को हुई बैठक में मिशन इंद्रधनुष, एनीमिया मुक्त भारत और राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस को सफल बनाने को लेकर कार्य योजना तैयार की गई। साथ ही संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को उनके दायित्वों से अवगत कराया गया। जन संपर्क विभाग की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि 16 सितंबर से पांच अक्टूबर तक घर-घर टीकाकरण अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने

के लिए प्रशिक्षण काा आयोजन किया जा रहा है। प्रशिक्षण में सभी सहिया, सेविका, एएनएम और नोडल शिक्षक उपस्थित रहेंगे। बैठक के दौरान मिशन इन्द्रधनुष कार्यक्रम की सफलता के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिये गये। इस अभियान में एक भी बच्चा टीकाकरण से वंचित नहीं हो, इसका ध्यान रखा जा रहा। यह टीकाकरण शुन्य से दो वर्ष तक के बच्चों को और पांच वर्ष तक छूटे हुए बच्चों को देना है। दूसरा चरण 11 सितंबर से 16 सितंबर तय होगा। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम का आयोजन 20 सितम्बर, 2023 को सभी स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में तथा छूट गए बच्चों के लिए मॉप-अप दिवस 29 सितम्बर, को आयोजित किया जाएगा।

व्यवहार न्यायालय में लगी इस वर्ष की तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत

सुलभ-सरल तरीके से लाभ दिलाना राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्देश्य : पीडीजे

PHOTON NEWS PALAMU: झालसा के दिशा निर्देश व जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में शनिवार को व्यवहार न्यायालय परिसर में इस वर्ष की तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत लगी। इसका उद्घाटन पलामू के प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश नीरज कुमार श्रीवास्तव ने लाभुकों से दीप प्रज्जवलित कर कराया। मौके पर उन्होंने कहा कि लोक अदालत का आयोजन लाभुकों के लिए ही किया जाता हैं व हमसभी का प्रयास अधिक से अधिक लोगों को लोक अदालत के माध्यम से मामले का निस्तारण व लाभ सुलभ सरल तरीके से दिलाना है। अपर समाहर्ता सुरजीत कुमार सिंह ने कहा कि लोक अदालत में मामले निस्तारण करने से दोनों पक्ष में बैमनस्ता सदा के लिए मिट जाता है। सुलभ न्याय पाने का लोक अदालत से बेहतर कोई मंच नही है। विश्रामपुर

व्यवहारन्यालय परिसर में लोक अदालत का उद्घाटन करते नीरज कुमार ।

के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुरजीत कुमार ने कहा कि लोक अदालत समय की मांग है। लोक अदालत से लोगों में त्वरित न्याय की आशा जगी हैं व लोग इसका लाभ भी ले रहे हैं। उन्होंने नक्सली के आत्म समर्पण नीति और पुनर्वास नीति के बारे में चर्चा की। अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष रामदेव प्रसाद यादव ने कहा कि जो व्यक्ति को त्वरित न्याय नहीं मिल पाता था, उनके लिए लोक अदालत सबसे ज्यादा फायदेमंद है। उन्होंने कहा कि जमीन विवाद के कारण ही आपराधिक केस बढ़ रहा है, जब तक जमीन विवाद सम्बंधित मामले का समाधान तीव्र गति से नहीं होगा, तब तक आपराधिक मुकदमे कम नहीं हो सकते। कार्यक्रम का संचालन करते हुए न्यायिक दंडाधिकारी चंदन कुमार गोस्वामी ने कहा कि पिछली बार 12 हजार मामले का निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से किया गया था। इस बार का आंकड़ा और अधिक होगा। मौके पर प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश नीरज कुमार श्रीवास्तव ने एमएसीटी के केस में पीड़ित परिवार के बीच चेक का वितरण किया। वही बाबा साहेब अम्बेडकर आवास योजना के लाभुकों को स्वीकृति पत्र, प्रधानमंत्री आवास के लाभुकों को चाभी प्रदान की। साथ ही कुकुट पालन व अन्य योजनाओं के लाभार्थियों के बीच चेक का वितरण किया। राष्ट्रीय लोक अदालत में 14 हजार 231 मामले का निस्तारण किया गया। वही तीन करोड़ 43 लाख 52 हजार 918 रुपये का मामला सेटल हुआ। कोर्ट में लंबित वाद 2026 निपटाए गए। वही प्री लिटिगेशन के 12 हजार 28 मामले का निस्तारण किया गया। पीठ संख्या चार में एमएसीटी के 27 मामले का निस्तारण किया गया। पीठ पांच में वन विभाग और उत्पाद विभाग के 28 मामले का निस्तारण किया गय। पीठ छह में सिविल जज सीनियर डिवीजन के न्यायालय के दो मामले का निस्तारण किया गया।

खेमका कैरियर्स के खिलाफ डीसी ने दिए जांच के आदेश

मंत्री चम्पई सोरेन की पहल पर हुई कार्रवाई

PHOTON NEWS DHANBAD: बीसीसीएल ब्लॉक 2 क्षेत्र में कार्यरत आउटसोर्सिंग कंपनी खेमका कैरियर्स में नियोजन की मांग को लेकर पिछले 28 अगस्त से ग्रामीण एकता मंच द्वारा किये गए अनिश्चितकालीन धरना के मामले में एक नया मोड़ आ गया है। आंदोलन के नेतृत्वकर्ता झामुमो नेता हरेंद्र चौहान की लिखित शिकायत पर धनबाद डीसी वरुण रंजन ने कंपनी पर नियम संगत कार्य नहीं करने के आरोप में जांच के आदेश दे दिए हैं। गौरतलब है कि झामुमो के बाघमारा प्रखंड उपाध्यक्ष हरेंद्र चौहान ने झारखंड के मंत्री चम्पई सोरेन से खेमका कैरियर्स कंपनी द्वारा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के स्थानीय नियोजन नीति का पालन नहीं और डीजीएमएस के निर्धारित नियमों का अनुपालन नहीं करने की शिकायत की थी। पत्र में स्थानीय बेरोजगारों को 75 प्रतिशत नियोजन नहीं देने एवं वहां और मजदूरों से 8 घंटे की जगह 12

डीसी को पत्र सौंपते झामुमो नेता हरेन्द्र चौहान।

घंटे काम लिये जाने व न्यूनतम मजदूरी से वंचित रखने का आरोप लगाया था। हरेंद्र चौहान व ग्रामीण एकता मंच के कन्हाई चौहान की शिकायत पर मंत्री के आप्त सचिव गुरु चरण महतो ने धनबाद उपा डीसी को पत्र लिख कर कार्रवाई करने की अनुशंसा की है। इस बाबत शनिवार 9 सितंबर को हरेंद्र चौहान व कन्हाई चौहान ने डीसी से मिलकर कार्रवाई करने का अनुरोध किया। जिसपर संज्ञान लेते हुए डीसी ने उच्च अधिकारियों को जांच कर रिपोर्ट देने का आदेश दिया है।

BRIEF NEWS

सुबह से शाम तक गुल रही बिजली

ROURKELA: शहर में पावर हाउस रोड पर 33/11 केवी ग्रिड पर ग्रिड स्टेशन और अपग्रेडेशन पीटीआर के आपातकालीन रखरखाव कार्य के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हुई। शहरी क्षेत्र में शनिवार सुबह 9 बजे से 4 बजे तक बिजली गुल रही। इसके लिए नालारोड, मेन रोड, प्लांटसाइट रोड, दीनानाथ लेन , ओल्ड स्टेशन रोड, महताब रोड, डीएवी लेन, महुलपाली, जीटी लेन इलाके में बिजली आपूर्ति बाधित रही। बिजली शाम 5 बजे से आपूर्ति हुई।

बीजू छात्र जनता दल ने विद्यार्थियों का बढ़ाया हौसला

ROURKELA: स्टील ऑटोनॉमस कॉलेज, राउरकेला में शनिवार को भंजभवन में बीजू छात्र जनता दल का कार्यक्रम आयोजित हुआ। बीजू छात्र जनता दल के अध्यक्ष राकेश कुमार स्वामी के नेतृत्व में कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रघुनाथपाली विधायक सुब्रत तराई, विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्य परिषद सुधीर सुंदर राय, महिला अध्यक्ष इंदिरा नायक, युवा अध्यक्ष प्रभाकर चेदुरी शामिल हुए। अतिथियों ने सभी नये छात्रों का उत्साहवर्धन किया। सभी से पढ़ाई पर ध्यान देने के साथ ही सामाजिक कार्यों में भाग लेने की अपील की।

शहीद प्रदीप कुमार पांडा स्मारक से एकत्रित हुई मिट्टी

ROURKELA: 'मो माटी मो देश' और अमृत कलश यात्रा कार्यक्रम के तहत शनिवार को राजगांगपुर के शहीद प्रदीप कुमार पांडा स्मारक स्थल से मिट्टी एकत्र की गई। इस कार्यक्रम में सुंदरगढ़ के सांसद जुएल ओराम शामिल हुए। जुएल 6 दिनों से विधानसभा क्षेत्र के अलग-अलग जगहों से मिट्टी इकट्ठा कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

लहुणीपाड़ा में करोड़ों रुपये के भवन हुए खंडहर

ROURKELA: लहुणीपाड़ा ब्लॉक अंतर्गत बिछनापाटी में आदिवासी विकास संगठन द्वारा 4 करोड़ रुपये की लागत से निमार्णाधीन 4 भवन खडंहर हो रहे है। दो मंजिला इमारतें मॉडल स्कूलों के उद्देश्य से बनाई गई थीं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन इमारतों का निर्माण 2013 में शुरू हुआ और 4 संवेदकों ने उन्हें बनाया है। यहां 4 इमारतें बनाई गई हैं, लेकिन एक इमारत अधूरा है। जो भवन बनकर तैयार हो गये हैं, उनकी ऊपरी दीवारें दरकने लगी हैं। काम की खराब गुणवत्ता के कारण यह स्थिति बनी है। ग्रामीणों ने उच्च अधिकारियों से मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

जिले में डेंगू मरीजों की संख्या बढ़कर हुई 612

JAMSHEDPUR: पूर्वी सिंहभूम जिले में डेंगू मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही हैं। शनिवार को डेंगू के 10 नए मरीज मिले। उनका इलाज टीएमएच, एमजीएम, मर्सी, टाटा मोटर्स सहित अन्य अस्पतालों में चल रहा है। अबतक कुल 4204 सैंपल की जांच हुई है। इसमें 612 की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। वर्तमान में 289 मरीजों का इलाज अस्पतालों में चल रहा हैं। इसमें 11 की स्थिति गंभीर बनी हुई हैं। उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया है। वहीं, 278 मरीजों का इलाज सामान्य वार्डों में चल रहा है। शनिवार को 62 मरीज स्वस्थ हुए।

LBSM में आत्महत्या रोकने के लिए कार्यशाला का आयोजन, हुई विविध प्रतियोगिताएं

अलग-अलग प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: एलबीएसएम कॉलेज जमशेदपुर में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर शनिवार को कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन टीम द्वारा कॉलेज के आईक्यूएसी एनएसएस एनसीसी के सहयोग से किया गया था। कार्यक्रम के अतिथि के रूप में डॉक्टर मृत्युंजय धवन जिला कुष्ठ रोग अधिकारी, डॉ. दीपक कुमार गिरि कार्यक्रम अधिकारी और मनोचिकित्सक, डॉ. स्मिता हेम्ब्रोम, नैदानिक मनोवैज्ञानिक, जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम पूर्वी सिंगभूम थे। इस अवसर पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता और निबंध लेखन प्रतियोगिताएं 'कार्रवाई के माध्यम से आशा पैदा करना' कॉलेज के छात्रों द्वारा तैयार की गईं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. अजय वर्मा, प्रोफेसर प्रभारी, डॉ. मौसमी पॉल, आईक्यूएसी समन्वयक, डॉ. संचिता भुई सेन, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी, सुश्री रितु, एनसीसी अधिकारी

आत्महत्या का सबसे बड़ा कारण तनाव : डॉ दीपक

JAMSHEDPUR: जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत शनिवार को करनडीह स्थित एलबीएसएम कॉलेज में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया गया। इस मौके पर सदर अस्पताल के मनोचिकित्सक डॉ. दीपक गिरी मौजूद रहीं। कार्यशाला में डॉ डी के मित्रा, पुरूषोत्तम प्रसाद, ने बताया कि आत्महत्या का सबसे बड़ा कारण तनाव होता है। ऐसे में तनाव से बचने के लिए हमलोगों को हर संभव प्रयास करना चाहिए। तनाव कई कारणों से होता है जिसे कम किया जा सकता है। इस दौरान आपके दोस्त, परिवार प्रोफेसर बिनोद कुमार, प्रोफेसर अरबिंद पंडित, प्रोफेसर संतोष के सदस्य सहित अन्य लोग महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डा. दीपक गिरी ने कहा कि आत्महत्या करने से पूर्व 10 में आठ लोग कोई न कोई संकेत देते हैं। जिसे अगर सही समय पर पकड़ लिया जाए तो उस व्यक्ति की जान बचाई जा राम, डॉ जयस कच्छप, डॉ सुष्मिता धारा, डॉ विजय प्रकाश, सकती हैं। ऐसे में आत्महत्या के लक्षण को भी पहचानने की जरूरत है। वहीं, डा. मृत्युंजय धावड़िया ने तनाव और नशे का संबंध पर अपनी राय रखीं। उन्होंने कहा कि जब इंसान अधिक तनाव में होता है तो वह नशे का सेवन करना शुरू कर देता हैं। वहीं, जो पूर्व से नशे का सेवन करते हैं वे और भी अधिक करने लगते हैं। ऐसे में ये सभी संकेत को समझने की जरूरत होती है। स्वागत भाषण डा. मौसमी ने दी। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के लिए चित्रांकन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया था। प्रतियोगिता में बेहतर करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में डा. अजय वर्मा सहित अन्य उपस्थित थे। डॉ पीके गुप्ता और छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

शोध के बगैर नहीं हो सकता देश का विकासः ब्रजेश कुमार

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: जमशेदपुर को ऑपरेटिव कॉलेज के स्वामी विवेकानंद सभागार में कॉलेज के आईक्युएसी और वोकेशनल विभाग द्वारा संयुक्त तत्तवाधान में नेशनल लेक्चर सीरीज का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बीबीए, बीसीए, आईटी और विज्ञान विभाग के पीजी के विद्यार्थियों ने भाग लिया। यह सीरीज आगे बढ़ते हुए मुख्यतः रिसर्च मेथोडोलॉजी, उद्यमिता और आईपीआर बिंदुओं पर केंद्रित होगा। इस प्रथम सत्र का मुख्य विषय एडवांसेस इन नेनोसाइंस था। लेक्चर में मुख्य वक्ता डॉ ब्रजेश कुमार, हेड रसायन विभाग, टाटा कॉलेज चाईबासा थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य वक्ता के साथ कॉलेज के प्राचार्य डॉ अमर सिंह एवं आईक्यूएसी समन्वयक डॉ नीता सिन्हा ने दीप प्रज्जवलन किया। तत्पश्चात प्राचार्य ने मुख्य वक्ता मुख्य वक्ता डॉ ब्रजेश कुमार ने कहा कि रिर्सच के बिना किसी भी देश का विकास की कल्पना नही किया जा सकता है। हाल के दिनों सरकार के द्वारा इसपर काफी जोर दिया गया। जिसका परिणाम चंद्रयान 3 है। उनके द्वारा नैनो टेक्नॉलजी के महत्व को भी विस्तार पूर्वक बताया गया। प्राचार्य डा अमर सिंह ने कहा कि रिर्सच के क्षेत्र के बच्चों को आगे आने आहवान किया। इसके साथ ही विभाग प्राध्याकों और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विषय की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर श्रीमती पूनम प्रसाद, विषय प्रवेश बीबिए के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री के ईश्वर राव वा धन्यवाद ज्ञापन बीसीए के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री सुबोध कुमार ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। डा राजीव कुमार, डा अनुपम, डा अनिता,डा नीली बहादूर, आदि उपस्थित।

रेलवे जीएम ने किया स्टेशन का निरीक्षण, कहा राउरकेला स्टेशन का रीमॉडलिंग कार्य जल्द होगा शुरू

PHOTON NEWS ROURKELA: दक्षिण पूर्व रेलवे जोन के महाप्रबंधक(जीएम) अनिल कुमार मिश्रा शनिवार को राउरकेला रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। सुबह करीब 8.30 बजे से 10.30 बजे तक दो घंटा राउरकेला रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। चक्रधरपुर मंडल के अधिकारियों के साथ स्टेशन के विकास कार्यों पर चर्चा की और समीक्षा की। पत्रकारों से बात करते हुए जीएम अनिल कुमार मिश्रा ने कहा कि राउरकेला रेलवे स्टेशन का रिमॉडलिंग किया जाएगा, जिसके लिए रेल मंत्रालय की ओर से 400 करोड़ की राशि आवंटित की गई है। जल्द ही

निरीक्षण के दौरान जीएम अनिल कुमार मिश्रा व अन्य।

स्टेशन का दूसरा प्रवेश मार्ग तथा प्लेट फार्म 6 व 7 शुरू होगी। उन्होंने नये रेलवे स्टेशन के नए ओवर ब्रिज का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रेलवे स्टेशन के विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए रेलवे के अधिकारियों को निर्देश दिया। बाद में वे अपने विशेष सैलून से हटिया थर्ड लाइन का निरीक्षण करते चले गए। मौके पर चक्रधरपुर के डीआरएम एजे राठौर, आरपीएफ डीआईजी आशीष कुमार समेत रेलवे के विभिन्न विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

माफीनामा लिखवाने के बावजूद स्कूल आने की नही मिली अनुमति

15 अगस्त के कार्यक्रम का फोटो लेने मोबाइल लेकर स्कूल पहुंचा था छात्र

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: तारापोर, एग्रिको स्कूल ने एक छात्रा को सिर्फ इसलिए स्कूल आने से रोक दिया क्योंकि वह 15 अगस्त को झंडोतोलन की तस्वीर लेने के लिए स्कूल में मोबाइल लेकर पहुंच गया था। रोहन कुमार जो स्कूल में 9वीं कक्षा का छात्र है ने 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस) के दिन स्कूल में होने वाले कार्यक्रम का फोटो लेने हेतु वह अपने 'मात' पिता से छिपाकर पिता का मोबाइल फोन स्कूल ले गया था। स्कूल कैंपस में रोहन के हाथ में मोबाइल फोन देख स्कूल के एक टीचर द्वारा रोहन से वह मोबाइल फोन छिनते हुए उसे स्कूल से बाहर कर दिया गया। इसके अलावा स्कूल में मोबाइल फोन स्कूल लाने के दंड स्वरूप स्कूल के प्रिंसीपल द्वारा उसके स्कूल आने पर रोक लगा दिया गया जो अब भी जारी है और रोहन स्कूल नहीं जा पा रहा है।

माफीनामा लिखवाने के बाद भी छात्र को नहीं मिली स्कूल आने की अनुमतिः

छात्र के अभिभावकों का आरोप है कि इस संबंध में स्कूल के प्रिंसीपल द्वारा उनसे माफीनामा भी लिखवाया गया। लेकिन माफीनामा लेने के बाद भी स्कूल के प्रिंसीपल इसिता डे द्वारा रोहन के स्कूल आने पर लगाए गए रोक को सही कहते हुए धमकी दी कि मैं देखती हूँ आपका बेटा कैसे 9 क्लास पास करता है। जबकि रोहन का 10 वीं बोर्ड का स्कूल में रेजिस्ट्रेशन भी हो चुका है।

अभिभावक संघ ने शिक्षा विभाग से की शिकायतः

इस मामले की शिकायत अभिभावक संघ के नेतृत्व में अभिभावकों ने जिला शिक्षा पदाधिकारी से करते हुए बच्चों को स्कूल जाने की अनुमति दिलाने की मांग की है। उनका कहना है कि शिक्षा से वंचित करना उचित नहीं है इससे राहुल का पूरा करियर बर्बाद हो सकता है। वही जमशेदपुर अभिभावक संघ के अध्यक्ष डॉ उमेश कुमार ने कहा कि यह बाल अधिकारों का हनन है हर छात्र का अधिकार है कि वह शिक्षा प्राप्त करें लेकिन स्कूल प्रबंधन उसे शिक्षा से वंचित कर रहा है जो की एक अपराध है।

वर्जनः

किसी छात्र को उसकी एक गलती के लिए शिक्षा से वंचित नहीं किया जा सकता है। हम स्कूल से कहेंगे कि वह अपने फैसले को वापस लेते हुए छात्र को स्कूल आने दे। ऐसा नहीं करने पर स्कूल को शो काज नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण लिया जाएगा। कोई भी स्कूल किसी छात्र को शिक्षा से वंचित नहीं कर सकता है। निर्मला कुमारी बरेलिया डीईओ

आरएसपी में सेवानिवृत्त कर्मचारी सशक्तिकरण कार्यशाला आयोजित

आरएसपी में आयोजित कार्यशाला में उपस्थित लोग।

PHOTON NEWS ROURKELA: राउरकेला इस्पात संयंत्र में सेवानिवृत्त कर्मचारी सशक्तिकरण कार्यशाला शनिवार को आयोजित हुई। इस दौरान सितंबर में सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारीयों सहित 21 कर्मचारियों को समग्र स्वास्थ्य और वित्तीय सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी दी गई। मुख्य महाप्रबंधक (कार्मिक एवं प्रशासन) बीरेंद्र कुल्लू ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की। इस अवसर पर महाप्रबंधक जीआर दास उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए बीरेन्द्र कुल्लू ने कर्मचारियों को कंपनी में उनके लंबे समय से योगदान के लिए धन्यवाद दिया और उनसे सेवानिवृत्ति के बाद स्वस्थ जीवन जीने के लिए सत्र का सर्वोत्तम लाभ उठाने का आग्रह किया। सत्र में अंतिम निपटान देय और वित्तीय सुरक्षा योजना, सुचारू अंतिम निपटान की प्रक्रिया, क्वाटर छोड़ने और रखने, सेवानिवृत्ति के बाद सेहत जैसे विषयों पर चर्चा हुई। श्रम निरीक्षक, खगेश्वर पंडा ने औपचारिक धन्यवाद दिया।

जकईकला प्राइमरी स्कूल में अधूरा पड़ा है भवन निर्माण कार्य, शिक्षा विभाग बेपरवाह

PHOTON NEWS ROURKELA: बणई ब्लॉक के जकईकला गांव का प्राइमरी स्कूल में शिक्षा की बुनियादी सुविधाएं नहीं है। 1904 में स्थापित इस स्कूल में तीन शिक्षक हैं। पहली से पांचवीं कक्षा तक 90 से अधिक छात्र पढ़ते हैं। स्कूल का मरम्मत कार्य अधूरा पड़े होने के कारण छात्र बहुत दयनीय स्थिति में पढ़ने को बाध्य है। पुराने स्कूल के रूपांतरण का काम जन शिक्षा अभियान के माध्यम से किया गया है, लेकिन स्कूल भवन का काम आठ महीने से अधिक समय से निमार्णाधीन है। बरामदा खोद दिया गया है तथा उसी रास्ते से छात्र आना जाना कर रहे है। कभी-कभी छोटे बच्चे इसके टकराकर गिर पड़ते है। मुख्य द्वार आधा खुला होने के कारण आवारा जानवर परिसर में प्रवेश

कर रहे हैं। भले ही छात्रों को स्वस्थ वातावरण में खाना पकाने का निर्देश दिया जाता है, लेकिन रसोई पूरी तरह से काम नहीं कर रही है और खाना धूल भरे बरामदे में पकाया जा रहा है। ग्रामीणों की शिकायत है कि न तो शिक्षा विभाग और न ही स्थानीय प्रशासन कोई कदम उठा रहा है। ग्रामीणों ने विद्यालय की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की है।

लॉ कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय प्राथमिक चिकित्सा दिवस मना

PHOTON NEWS ROURKELA: लॉ कॉलेज, राउरकेला की यूथ रेड क्रॉस इकाई एवं श्री माताजी का सहज योग-अजा का महायोगह्व संस्थान के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय प्राथमिक देखभाल दिवस मनाया गया। स्वागत भाषण अध्यक्ष डॉ. संपादिका मोहंती ने कॉलेज के विद्यार्थियों को प्राथमिक देखभाल के बारे में बताया। योग को प्राथमिक देखभाल के साधन के रूप में लिया जा सकता है। लॉ कॉलेज प्रबंधन समिति की सदस्य ज्योति टेटे ने अपने भाषण में सरल योग ध्यान के माध्यम से एक स्वस्थ समाज का निर्माण किया जा सकता है। कार्यक्रम में नवघन साहू एवं अभय चरण प्रधान ने सीधे विद्यार्थियों को योग सिखाया। इस ददौरान डॉ. प्रज्ञा पारमिता पांडा, तन्मय राज पाढ़ी, डॉ. दिबेंदु कुमार पांडा और रेड क्रॉस यूनिट के सदस्यों मौजूद रहे।

कला एवं संस्कृति किसी भी सभ्य समाज की धरोहर होती हैं : डॉ प्रभात कुमार पानी

करीम सिटी कॉलेज में 'सतरंग' का शुभारंभ

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: करीम सिटी कॉलेज के सोसाइटी फॉर प्रमोशन आर्ट्स एंड कल्चर (स्पार्क) द्वारा आयोजित सांस्कृतिक एवं साहित्यिक उत्सव - सतरंग के शुभारंभ शनिवार को हुआ। 'सतरंग' साहित्य एवं कला प्रेमियों को वह मंच प्रदान करता है जहाँ वे विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपनी प्रतिभा को पहचान कर उसे निखार सकते हैं। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कोल्हान विश्वविद्यालय के पूर्व वित्त अफसर डॉ प्रभात कुमार पाणी ,स्पार्क के संयोजक डॉ एस.एम याहिया इब्राहिम तथा करीम सिटी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मोहम्मद रेयाज उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत ईश्वर के आशीर्वाद के साथ दीप प्रज्वल्लन द्वारा की गयी। मुख्य अतिथि प्रभात कुमार पाणी के साथ , डॉ याहिया इब्राहिम , डॉ अनवर शाहब , डॉ बसूधरा रॉय , डॉ मोज्जाम नजरी की उपस्थिति में सतरंग के मैस्कॉट का उद्घाटन किया गया एवं कॉलेज के सफाई कर्मचारियों द्वारा सतरंग की औपचारिक शुरूवात की गयी। इसके बाद सभी अतिथियों एवं विद्याथियो के लिए श्रेया घोष द्वारा स्वागत नृत्य किया गया।

प्राचार्य डॉ मोहम्मद रेयाज ने सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओ में सभी विद्याथियों को अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके बाद कविषेक कालिंदी द्वारा गीत प्रस्तुत किया। स्पार्क की मुख्य आयोजन सचिव

करीम सिटी कॉलेज में 'सतरंग'का उद्घाटन करते अतिथि।

अदिति सिंह ने सतरंग में होने वाले प्रतियोगिताओं की सभी को जानकारी दी। इसके साथ ही सभी प्रतिभागियों द्वारा गुजराती समूह नृत्य प्रस्तुत किया गया। मुख्य अथिति डॉ प्रभात कुमार पानी ने संस्कृति और कला के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कला एवं संस्कृति किसी भी सभ्य समाज की धरोहर होती है। स्पार्क द्वारा आयोजित सतरंग में आयोजित प्रतियोगिताएं विद्याथियो के साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कलाओँ के विकास में सहायक होती है। प्राचार्य डॉ मोहम्मद रियाज ने मुख्य अथिति प्रभात कुमार पानी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

सतरंग के शुभारंभ समारोह का संचालन स्वाति शर्मा ने किया। सतरंग के शुभारंभ समारोह के समापन के बाद अदाकारी - नाट्य कला प्रतियोगिता की शुरूआत की गयी जिसमें निर्णायक के तौर पर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय से प्रशिक्षित जीतराय हांसदा एवं सुमन पूर्ति उपस्थित रही।

इस नाट्य प्रतियोगिता को दो भागो में विभाजित किया गया - समूह नाट्य एवं एकल नाट्य। एकल नाट्य में झाँसी की रानी का किरदार निभाकर तानिया पारकर ने प्रथम स्थान एवं चंद्रशेखर आजाद का किरदार निभाते हुए प्रियांशु दास को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। समूह नाट्य में आरजू एवं दल को प्रथम और हर्ष एवं दल को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

एकल नाट्य में झाँसी की रानी का किरदार निभाकर तानिया पारकर ने प्रथम स्थान एवं चंद्रशेखर आजाद का किरदार निभाते हुए प्रियांशु दास को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। समूह नाट्य में आरजू एवं दल को प्रथम और हर्ष एवं दल को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

सभी विजेताओं को पुरस्कार एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अदाकरी का सफल संचालन सना वकील ने किया अंत में सभी का धन्यवादज्ञापन स्पार्क की सांस्कृतिक सचिव स्नेहा शर्मा ने किया ।

सनातन धर्म पर टिप्पणी के विरोध में बजरंग दल का प्रदर्शन

ROURKELA: तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे और तमिलनाडु कैबिनेट के सदस्यों में से एक उदय निधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म को लेकर की गई टिप्पणी का विभिन्न स्तरों पर विरोध हो रहा है। इसे लेकर देशभर में चर्चा और बहस चल रही है। राउरकेला में बजरंग दल ने शनिवार को इस मामले में विरोध प्रदर्शन किया है। बजरंग दल कार्यकताओं ने शाम उदितनगर के अंबेडकर चौक में विरोध प्रदर्शन किया। तमिलनाडु के मंत्री उदय निधि का पुतला फूंका। इस दौरान कहा गया कि सनातन धर्म विरोधी रवैया बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भारत में दुनिया

देश की राजधानी नई दिल्ली में जी-20 का शिखर सम्मेलन बदलते भारत के लिए एक खुशनुमा और प्रभावी समय है। पूरी दुनिया की निगाह भारत पर टिकी हुई है और भारत कूटनीति के मंच पर अपनी चमक की नई स्याही से इतिहास लिख रहा है। दुनिया के 19 देशों और एक यूरोपीय संघ के लगभग एक हजार मेहमान भारत पधारे हुए हैं। हाल के दशकों में इतना बड़ा कूटनीतिक आयोजन भारत में नहीं हुआ था। दरअसल, साल 1999 में गठित जी-20 ने भारत की भी भूमिका को बदलकर रख दिया है और भारत दुनिया पर असर डालने की स्थिति में है। अब दुनिया सबसे विशाल लोकतंत्र और सबसे विशाल आबादी से मुंह नहीं मोड़ सकती। ध्यान दीजिए, भारत आए ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा है कि भारत की विविधता और असाधारण सफलताओं का अर्थ है। भारत सही समय पर जी-20 की अध्यक्षता के लिए सही देश है। शिखर सम्मेलन तब हो रहा है, जब दुनिया असंख्य चुनौतियों से घिरी हुई है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने यह भी कहा है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को स्थिर करने से लेकर जलवायु परिवर्तन से निपटने तक, दुनिया के सामने खड़ी सबसे बड़ी चुनौतियों का समाधान करने के लिए हम भारत के साथ मिलकर काम करेंगे। वास्तव में भारत के साथ मिलकर काम करने की कोशिश ही दुनिया के आला नेताओं को नई दिल्ली खींच लाई है। जब नई दिल्ली में18वें जी-20 शिखर सम्मेलन शुरू हो रहा है, तब दुनिया बड़े फैसलों का इंतजार करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से विश्व के दिग्गज नेताओं की मुलाकात का सिलसिला शुरू हो चुका है। भारत मंडपम, प्रगति मैदान में शनिवार और रविवार को जी-20 की अनेक बैठक होंगी। ध्यान रहे, जी-20 का आयोजन अर्थशास्त्र तक ही सीमित नहीं है, बल्कि जलवायु परिवर्तन, टिकाऊ ऊर्जा, अंतरराष्ट्रीय ऋण माफी व बहुराष्ट्रीय कंपनियों पर कर लगाने जैसे विषय भी एजेंडे में शामिल हैं। अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, तुर्किये, ब्रिटेन और अमेरिका के आला नेताओं को पृथ्वी को विभिन्न चुनौतियों से उबारने के लिए फैसले लेने हैं। एक आशंका यह है कि चीन व रूस के आला नेताओं के न आने की वजह से कहीं संयुक्त घोषणा अटक न जाए। यह दुखद आशंका है कि चीन इस आयोजन को ऐतिहासिक होने से रोकना चाहता है। जी-20 के नेताओं के लिए यह एक चुनौती है कि वे छोटी बाधाओं से आगे जाकर बड़े व जरूरी फैसले बेहिचक कर पाएं। नई दिल्ली में जी-20 के इस आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए भारत जमीनी स्तर पर कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहा है। दुनिया भर से पधारे प्रतिनिधियों को बदले हुए भारत का आस्वाद कराना बहुत जरूरी है। विगत वर्षों में भारत को लेकर अनेक धारणाएं बदली हैं और जी-20 के इस आयोजन से भी भारत के प्रति दुनिया के विचार में बदलाव को बल मिलेगा। कई लोगों को ऐसे बड़े आयोजन धन की बबार्दी लगते हैं, लेकिन ऐसे ही आयोजनों से दुनिया में परस्पर सहयोग व सद्भाव की स्थितियां बनती हैं।

विश्व के केंद्र में भारत

भारत में पहले भी बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन हुए हैं, लेकिन जी-20 शिखर सम्मेलन के रूप में यह पहली बार है, जब समस्त विश्व की निगाहें भारत की ओर होंगी। इस सम्मेलन में बड़ी आर्थिकी वाले देश भारत की अध्यक्षता में क्या फैसला लेते हैं, इसकी दिलचस्पी विश्व को इसलिए अधिक होगी, क्योंकि इस समय दुनिया तमाम आर्थिक समस्याओं से घिरी है। विभिन्न देशों की खेमेबाजी ने इन समस्याओं को और बढ़ा दिया है। इन स्थितियों में भारत के लिए जी-20 देशों के बीच विश्व की दिशा-दशा बदलने वाले किसी साझा एजेंडे पर सहमति बनाना एक चुनौती होगी। इसके बाद भी भारत की अध्यक्षता में जी-20 शिखर सम्मेलन से कुछ हासिल होने की आशा इसलिए है, क्योंकि भारत विश्व कल्याण की बात कर रहा और इस पर विशेष बल दे रहा कि विकासशील एवं निर्धन देशों के हितों का भी ध्यान रखा जाए। भारत सहमति की कोई राह निकाल सकता है, इसकी आशा इसलिए भी है, क्योंकि वह अपनी स्वतंत्र विदेश नीति पर दृढ़ है और किसी गुट का हिस्सा बनने को तैयार नहीं। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद भारत अपनी स्वतंत्र विदेश नीति पर जिस तरह अडिग रहा, उसके कायल वे देश भी हैं, जो यह चाहते थे कि भारतीय नेतृत्व उनके पाले में खड़ा हो और उनके सुर में सुर मिलाए। भारत ने जी-20 शिखर सम्मेलन को सफल बनाने के लिए अपने कूटनीतिक कौशल का जैसा परिचय दिया है, वैसा इसके पहले शायद ही इस समूह की अध्यक्षता करने वाले किसी देश ने दिया हो। भारत की अध्यक्षता में जी-20 समूह के प्रतिनिधियों की अभी तक जो तमाम बैठकें हुईं, उनमें कहीं अधिक विविधता देखने को मिली। इन बैठकों में हर उस विषय पर गहन चर्चा हुई, जो विश्व समुदाय को प्रभावित करते हैं। भारत ने न केवल सतत एवं समावेशी विकास को प्राथमिकता दी, बल्कि लैंगिक समानता जैसे विषयों को भी महत्व दिया। इसके साथ ही उसने इस पर भी बल दिया कि डिजिटल क्रांति का लाभ विश्व के निर्धन-वंचित लोगों को भी मिलना चाहिए। मोदी सरकार ने देश के अनेक हिस्सों में जी-20 के विभिन्न समूहों की बैठकें आयोजित कर विश्व को देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विविधता से भी परिचित कराया।

एक राष्ट्र-एक चुनाव पर बहस का कोई मतलब नहीं

ANALYSIS

राजीव खंडेलवाल

'हर शख्स बुद्धिमान है, जब तक वह बोलता नहीं', इस सिद्धांत के धुर विरोधी राहुल गांधी के इस संबंध में दिए गए बयान की बात कर लेते हैं। देश की विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस जो 'इंडिया' को लीड करती हुई दिख रही है, के सर्वोच्च प्रभावशाली नेता राहुल गांधी का यह कथन की 'वन नेशन वन इलेक्शन' 'संघवाद पर चोट है' न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है बल्कि यह उनकी समझ पर भी 'प्रश्न वाचक चिह्न' लगाता है, जैसा की उनकी भारत यात्रा के पूर्व कई अवसरों पर लगाया जाता रहा है। प्रश्न यह है कि क्या केंद्रीय सरकार 'वन नेशन वन इलेक्शन' के द्वारा कोई नई चीज ला रही है, नई बात कह रही है? बिल्कुल भी नहीं। राहुल गांधी आलोचना में कभी इतने अंधे हो जाते हैं कि जब वे इस मुद्दे पर आलोचना करते हुए यह कह जाते हैं की यह 'संघवाद पर आघात' है, तो वे यह भूल जाते हैं कि वर्ष 1952 से लेकर 1967 तक हुए चुनाव 'वन नेशन वन इलेक्शन' के तहत ही हुए थे। तब समस्त समय कांग्रेस की सरकार ही थी।

एक राष्ट्र-एक चुनाव फिलहाल 'शिगूफा' से कम नहीं। प्रश्न क्या 'एक राष्ट्र एक चुनाव नीति' को लागू करना जरूरी है, उससे पहले यह यक्ष प्रश्न उत्पन्न होता है कि क्या सरकार वास्तव में इस संबंध में गंभीर है? यदि वास्तव में कोई संशोधन बिल लाना ही चाहती होती तो, सरकार उक्त उद्देश्य को इस विशेष सत्र बुलाने की घोषणा में समावेश कर लेती। जैसा कि पूर्व में जब-जब विशेष सत्र बुलाए गए हैं, तो उनके उद्देश्य घोषित किए गए थे। तदनुसार संसद में उन विषयों पर कार्यवाही भी हुई। चूंकि वर्तमान में कोई उद्देश्य (एजेंडा) घोषित किए बिना बुलाए इस विशेष सत्र में सरकार इस संबंध में कोई विधेयक लाएगी, इसकी संभावना इसलिए भी नगण्य सी लगती है, जब सरकार ने इस संबंध में एक कमेटी बना ही दी है, तब उसकी रिपोर्ट/सिफारिश आने तक तो इंतजार करना ही होगा। यह रिपोर्ट 15 दिन के अंदर आ जाए, ऐसा संभव लगता नहीं है। क्योंकि इस कमेटी का कार्यकाल का समय निश्चित नहीं किया गया है। दूसरा संसदीय मंत्री का यह कथन कि कमेटी की रिपोर्ट आएगी। फिर चर्चा होगी। परन्तु उन्होंने भी यह नहीं कहा कि इसी 'विशेष सत्र' में ही चर्चा होगी। इसलिए मीडिया या विपक्ष का इस संबंध में हंगामा खड़ा करना उचित नहीं है। वैसे भी यूनिफार्म सिविल कोड को लेकर सरकार ने विस्तृत जनचर्चा कराई व मीडिया ने खूब सुर्खियां भी बटोरी। परन्तु आज वह 'कोड' संसद में किस कोने पर है? कहने की आवश्यकता नहीं है। 'हर शख्स बुद्धिमान है, जब तक वह बोलता नहीं', इस सिद्धांत के धुर विरोधी राहुल गांधी के इस संबंध में दिए गए बयान की बात कर लेते हैं। देश की विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस जो 'इंडिया' को लीड करती हुई दिख रही है, के सर्वोच्च प्रभावशाली नेता राहुल गांधी का यह कथन की 'वन नेशन वन इलेक्शन' 'संघवाद पर चोट है' न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है बल्कि यह उनकी समझ पर भी 'प्रश्न वाचक चिह्न' लगाता है, जैसा की उनकी भारत यात्रा के पूर्व कई अवसरों पर लगाया जाता रहा है। प्रश्न यह है कि क्या केंद्रीय सरकार 'वन नेशन वन इलेक्शन' के द्वारा कोई नई चीज ला रही है, नई बात कह रही है? बिल्कुल भी नहीं। राहुल गांधी आलोचना में कभी इतने अंधे हो जाते हैं कि जब वे इस मुद्दे पर आलोचना करते हुए यह कह जाते हैं की यह 'संघवाद पर आघात' है, तो वे यह भूल जाते हैं कि वर्ष 1952 से लेकर 1967 तक हुए चुनाव 'वन नेशन वन इलेक्शन' के तहत ही हुए थे। तब समस्त समय कांग्रेस की सरकार ही थी। क्या तब भी वह संघवाद पर आघात था? 'हंसुआ के ब्याह में खुरपी के गीत गाने वाले' कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने विरोध करते हुए कहा कि मोदी सरकार चाहती है कि लोकतांत्रिक भारत धीरे-धीरे तानाशाही में तब्दील हो जाए। एक राष्ट्र, एक चुनाव पर समिति बनाने की ये नौटंकी भारत के संघीय ढांचे को खत्म करने का एक हथकंडा है। 'हमारे घर आओगे क्या लाओगे, तुम्हारे घर आएंगे क्या खिलाओगे' के आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि देश के लिए क्या जरूरी है, वन नेशन वन इलेक्शन या वन नेशन वन एजुकेशन (अमीर हो या गरीब, सबको एक जैसी अच्छी शिक्षा), वन नेशन वन इलाज (अमीर हो या गरीब, सबको एक जैसा अच्छा इलाज), आम आदमी को वन नेशन वन इलेक्शन से क्या मिलेगा। यह कोई नई नीति नहीं, पूर्व प्रचलित प्रणाली ही है। मैं पहले ही कह चुका हूं कि 'वन नेशन वन इलेक्शन' कोई 'नया सिद्धांत' 'नीति' या 'प्रणाली' नहीं है। बल्कि वर्ष 1952 से लेकर वर्ष 1967 तक वर्तमान (समय-समय पर संशोधन) जनप्रतिनिधित्व कानून के अंतर्गत ही इस देश में इसी नीति के तहत सफलतापूर्वक चुनाव होते रहे हैं। इसलिए इस नीति के ह्यगुणह्ल (मेरिट) पर न तो कोई आपत्ति की जा सकती है और नहीं कोई विवाद हो सकता है। इस नीति को पुनः धरातल पर उतारने से न केवल समय की बचत होगी, बल्कि भारी धन अपव्यय होने से भी बचेगा। क्योंकि जब स्थानीय निकायों से लेकर विधानसभा, लोकसभा के चुनाव होते हैं, तब दो-ढाई महीने पूर्व से चुनाव की तारीख की घोषणा के साथ ही आचार संहिता लागू कर दी जाती है और सरकार को नीतिगत निर्णय लेने से चुनाव आयोग द्वारा रोक दिया जाता है। वैसे समय-समय पर विभिन्न राजनेता गण इसकी वकालत करते रहे हैं। चुनाव आयोग ने वर्ष 82-83 में एक साथ चुनाव कराने के संबंध में सुझाव दिए थे। दिसम्बर 2015 में संसद की स्थायी समिति ने अपनी 79वीं रिपोर्ट में 1999 की बीपी जीवन रेड्डी की अध्यक्षता वाले ला कमीशन की 170 वीं रिपोर्ट के आधार पर दो चरणों में चुनाव करवाने की सिफारिश की थी? वर्ष 2017 में नीति आयोग ने भी एक साथ चुनाव का विश्लेषण क्या, क्यों और कैसे नाम से वर्किंग पेपर में किया था। वर्ष 2018 में जस्टिस बीएस चौहान की अध्यक्षता में गठित विधि आयोग ने भी संबंध में एक रिपोर्ट दी थी, जिसमें राजनीतिक दलों से विचार-विमर्श के साथ पांच संवैधानिक संशोधन करने की जरूरत बतलाई थी। सरकार ने कमेटी की घोषणा जिस समय की है, उसकी 'टाइमिंग' को लेकर जरूर विपक्ष को बोलने का मौका दे दिया है। प्रश्न फिर वही कि वास्तव में क्या सरकार इस मुद्दे पर संजीदा है? क्योंकि यदि वास्तव में इसको धरातल पर उतारना है, तो कानून में संशोधन करने के पहले केंद्रीय सरकार का यह महत्वपूर्ण दायित्व बनता है कि वह 'हंडिया चढ़ा कर नोन ढूंढने न निकले' बल्कि पहले समस्त राज्य सरकारों से इस संबंध में बात कर 'सहमति बनाने का प्रयास अवश्य करे' और यदि सहमति बन जाती है, तब फिर कानून में कोई संशोधन करने की आवश्यकता ही उत्पन्न नहीं होगी। जैसा कि कहा जाता है कि 'वक्र चंद्रमहि ग्रसहुं न राहु'। इसी वर्ष जुलाई 2023 में संसद में किरोड़ी लाल मीणा द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर में कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल का एक साथ चुनाव कराने के संबंध में यह जवाब था कि राजनीतिक दलों की आम सहमति के साथ देश का 'संघीय ढांचा' होने के कारण राज्यों के साथ सहमति बनाए जाने की आवश्यकता है। साथ ही ऐसा किए जाने पर कई हजार करोड़ का खर्चा 'ईवीएम' बढ़ जाएगा। जबकि 'एक साथ चुनाव' के पीछे का मुख्य उद्देश्य समय-धन कम करना ही बताया जा रहा है। वर्ष 1967 के बाद जब यह स्थिति उत्पन्न हुई है, जहां अधिकतर जगह केंद्र राज्यों के चुनाव अलग-अलग समय में होने लगे हैं, तो वह कानून में कोई परिवर्तन होने के कारण नहीं हुए हैं, बल्कि राजनीतिक परिस्थितियों के घटने के कारण वैधानिक रूप से उत्पन्न हुए हैं। आम सहमति न होने के की स्थिति में संवैधानिक संशोधन कर एक साथ लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक या दो चरण में कराने के बावजूद क्या भविष्य में भी यही स्थिति हमेशा रह पाएगी? देश की राजनीतिक स्थिति को देखते हुए यह बिल्कुल भी संभव नहीं है। भविष्य में केंद्र या राज्यों की सरकारें किसी भी कारण से गिरने से या भंग किए जाने की स्थिति में यह चक्र टूटना लाजमी है। क्योंकि यह कानून नहीं बनाया जा सकता कि एक बार चुनी गई सरकार पांच साल की पूर्ण अवधि पूरा करेगी। चाहे संसद या विधानसभा में बहुमत हो अथवा नहीं। अथवा उनकी संसद या विधानसभा भंग करने की सिफारिश नहीं मानी जाएगी? हमारे देश में संसदीय लोकतांत्रिक प्रणाली है। अमेरिका के समान राष्ट्रपति प्रणाली नहीं है, जहां राष्ट्रपति प्रतिनिधि सभा या सीनेट के प्रति जिम्मेदार नहीं होता है। वैसे यह राज्य सरकार की नहीं बल्कि केन्द्र सरकार की समस्या ज्यादा है। तब फिर इस तरह की कवायद करने का अर्थ क्या है? वैसे भारत निर्वाचन आयोग को यह अधिकार है कि वह चुनाव को निर्धारित समय के साथ छह महीने पहले या छह महीने बाद तक करा सकता है। यदि चुनाव आयोग के इस अधिकार क्षेत्र को छह महीने की जगह एक साल का अधिकार दे दिया जाए तो वह समस्त समस्या का व्यावहारिक हल यथासंभव उक्त 'गोल' के निकट तक निकाल सकता है।

लेखक, वरिष्ठ कर सलाहकार एवं पूर्व सुधार न्यास अध्यक्ष हैं।

'भारत' माता की जय, तब बहस क्यों

देश के नाम को लेकर अच्छी खासी बहस चल पड़ी है। भारत अति प्राचीन नाम है। इस नामकरण के पीछे अनेक कथाएं भी चलती हैं। संविधान सभा में 18 सितंबर, 1949 के दिन बहस हुई थी। हरिविष्णु कामथ ने भारत, हिन्दुस्तान, हिन्द भरत भूमि और भारतवर्ष आदि नाम का सुझाव देते हुए दुष्यंत पुत्र भरत की कथा से भारत का उल्लेख किया। मद्रास के केएस सुब्बाराव ने भारत को प्राचीन नाम बताया और कहा कि, ' भारत नाम ऋग्वेद में भी है।' कमलापति त्रिपाठी ने भी भारत के पक्ष में वैदिक और पौराणिक तर्क दिए। स्वाधीनता संग्राम के समय 'भारत माता की जय' पूरे देश का बीज मंत्र बना था। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया' में चीनी यात्री ईतिसिंग द्वारा देश को भारत कहे जाने का उल्लेख किया है। भारत दुनिया का प्राचीनतम राष्ट्र है। राजनैतिक दृष्टि से भारत एक राष्ट्र राज्य है। लेकिन सांस्कृतिक अनुभूति में यह भारत माता है। भारत एक सांस्कृतिक प्रवाह है। एक सतत प्रवाहमान कविता। विश्व कल्याण में तत्पर एक संपूर्ण जीवन दृष्टि। भारत एक विशेष प्रकार की एकात्म प्रकृति है। हजारों वर्ष पुराने इतिहास में भारत ने कभी भी दूसरे देश पर आक्रमण नहीं किया। भारत का अर्थ ही प्रकाश सलंग्नता है। भा का अर्थ प्रकाश और रत का अर्थ सलंग्नता। भारत परम व्योम से धरती में प्रवाहित एक गुनगुनाने योग्य कविता- ऋचा है। ऋग्वेद के प्रतिष्ठित ऋषि विश्वामित्र गायत्री मंत्र के नाम से चर्चित 'तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात' के दृष्टा रचयिता हैं। ऋग्वेद में उनके बारे में कहा गया है, 'विश्वामित्र के देखे रचे मंत्र सूक्त भारत के जनों की रक्षा करते हैं- विश्वामित्रस्य रक्षति ब्रह्मदं भारतं जनं।' ऋग्वेद वाले विश्वामित्र मंत्र दृष्टा हैं। राम कथा वाले विश्वामित्र राक्षसों का वध कराने वाले हैं। शकुंतला विश्वामित्र की पुत्री थीं। शकुंतला और दुष्यंत के प्रेम से इतिहास प्रसिद्ध भरत का जन्म हुआ। महाभारत (शान्ति पर्व 2.96) के अनुसार इन्हीं भरत के नाम पर इस देश का नाम भारतवर्ष पड़ा। संजय ने धृतराष्ट्र को बताया, 'अत्र ते वर्णयिष्यामि वर्षं भारत भारतम् - आपको भारतवर्ष का वर्णन सुनाता हूं। आगे बताया गया कि यह देश इन्द्र, वैवस्वतमनु, ययाति, अम्ब्रीश, मुचकुन्द, शिवि आदि सबको प्रिय रहा है। (भीष्म पर्व नवां अध्याय) ऋग्वेद के रचनाकाल में आर्य जनों और गणों में विभाजित थे। ऋग्वेद में भरत जन हैं। भरतों की विशिष्ट इतिहास परम्परा है। यज्ञ की अग्नि से उनका संपर्क था। भारत कहने से अग्नि का ध्यान होता था। भारत अग्नि का विशेषण बन गया था - त्वं नो असि भारता अग्ने। (2.7.5) भरत और भारत ऋग्वेद में हैं। वैदिक मंत्रों की रचना और गायन के कारण ऋषियों की वाणी को भारती कहा गया। मंत्रों का गायन सरस्वती के तट पर होता था। अग्नि की स्थापना इन्हीं ऋषियों ने की थी। एक मंत्र (3.28) के रचनाकार देवश्रवा और देववात भारत हैं। कहते हैं कि, 'भरत के पुत्र देवश्रवा और देववात भारत ने अग्नि को मंथन द्वारा उत्पन्न किया है। इस मंत्र में ऋषि नाम के साथ भारत जुड़ा हुआ है।' वैदिक इंडेक्स में मैकडनल और कीथ ने ऋग्वेद के उद्धरण देकर भरतों का उल्लेख किया है। संभवतः दुष्यंत पुत्र भरत के कारण ही देश का नाम भारत हुआ। भरतजनों का सजग इतिहासबोध भी भारत नाम पड़ने का कारक हो सकता है। ऋषभ देव की परम्परा में भी भरत हैं। कुछ विद्वान उन्हें भी भारत के नामकरण से जोड़ते हैं। जो भी हो भारत अतिप्राचीन संज्ञा है, इस देश का नाम है। पुराणों में भी भारत नाम की प्रतिष्ठा है। विष्णु पुराण के ऋषि कहते हैं कि, 'समुद्र के उत्तर में और हिमालय के दक्षिण में जो देश है उसे भारत कहते हैं तथा उसकी संतानों (नागरिकों) को भारती कहते हैं - 'उत्तरं यत समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम्। वर्षं तद् भारतं नाम भारती यत्र सन्ततिः।' गीता में अनेक प्रसंगों में श्रीकृष्ण अर्जुन को भारत कहते हैं। भारतवासी होना सौभाग्य का विषय है। दुनिया की सभी प्राचीन सभ्यताओं में देवता हैं। उन्हें दिव्य जाना गया है। उनकी उपासना होती है। वे भारत भूमि में जन्म लेने की इच्छा व्यक्त करते हैं। एक सुन्दर श्लोक में कहा गया है, 'देवतागण भारत देश के उत्कर्ष का गान करते हुए यहां पर स्वयं जन्म लेने की इच्छा प्रकट करते हैं - गायन्ति देवाः किल गीतिकानि धन्यास्तु ते भारतभूमिभागे। स्वर्गापवर्गास्पदहेतुभूत भवन्ति भूयः पुरुषाः सुरत्वात।' भारत निवासी घर परिवार के सभी अनुष्ठानों में संकल्प मंत्र का पाठ करते हैं। संकल्प मंत्र में 'जम्बूद्वीपे भारतखण्डे' शब्द का प्रयोग हुआ है। राष्ट्रगीत वन्दे मातरम भारत भक्ति का ही गीत है। इसी तरह राष्ट्रगान भी। कुछ विद्वान नाम को महत्वपूर्ण नहीं मानते। अपनी बात के समर्थन में शेक्सपियर का उल्लेख करते हैं कि 'नाम में क्या रखा है?' नाटक की नायिका जूलिएट ने प्रेमी रोमियो से कहा था कि, 'तुम अपना कुल नाम लिखते हो। यह निरर्थक है। तुम रोमियो हो। मैं तुमसे प्रेम करती हूं। गुलाब को गुलाब कहा जाए या किसी और नाम से पुकारा जाए। नाम से कोई फर्क नहीं पड़ता।' लेकिन यह बात सही नहीं है। तुलसीदास ने नाम की महिमा बताई है। रामचरितमानस बालकाण्ड में तुलसीदास ने श्रीराम सहित सभी देवताओं को नमस्कार किया है। आखिर में कहा है कि मैं श्रीराम के नाम को नमस्कार करता हूं। यह नाम महामंत्र है। कहते हैं, 'कोई विशेष रूप भी बिना नाम के नहीं पहचाना जा सकता। रूप के बिना नाम का स्मरण करने से विशेष प्रेम के साथ वह हृदय में बैठ जाता है।' एक सुन्दर चैपाई में कहते हैं, 'नाम रूप गति अकथ कहानी/समझत सुखद न परहि बखानी।' भारत नाम वैसा ही है। भारत का एक भूगोल है, रूप है। इस रूप में पवित्र नदियों का प्रवाह है।

Social Media Corner

सच के हक में...

कैप्टन विक्रम बत्रा की जयंती पर उन्हें नमन कर श्रद्धांजलि देता हूं। कारगिल के युद्ध में दुश्मन के हमलों के बीच उनकी वीरता और उत्कृष्ट नेतृत्व ने उन्हें शेरशाह बना दिया। कैप्टन बत्रा का शौर्य और पराक्रम आज भी देशवासियों को गर्व की अनुभूति कराता है। मातृभूमि के लिए उनकी प्रतिबद्धता युवाओं को सदैव राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करती रहेगी।

(गृह मंत्री अमित शाह के ट्विटर अकाउंट से)

बड़कागांव विधानसभा में संकल्प यात्रा के निमित्त आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया। देश-प्रदेश में जब भी गैर भाजपाई सरकार आती है तो लूट, अपराध, भ्रष्टाचार खुलेआम होने लगते हैं। सोशल मीडिया में हेमंत सोरेन ट्रेंड चलाते हैं कि 'हेमंत है तो हिम्मत है। लेकिन यही हेमंत सोरेन जांच एजेंसी के समक्ष उपस्थित होने के डर से इधर-उधर भागते फिर रहे हैं। अपने कुकर्मों पर पर्दा डालने के लिए महंगे वकीलों पर जनता के करोड़ो रुपए व्यर्थ कर रहे हैं। झारखंड को अराजकता और परिवारवाद से मुक्ति दिलाने के लिए यहां पुनः भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने की आवश्यकता है, जिसके लिए भाजपा का हरेक कर्मठ कार्यकता तन मन धन से संकल्पित है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

मदर इंडिया का महान फिल्मकार महबूब खान

भारतीय सिनेमा (बॉलीवुड) को देश और विदेश में एक सम्मानित पहचान दिलाने में कई महत्वपूर्ण फिल्मकारों ने अपना योगदान दिया है। सिनेमा के शुरूआती दिनों में जब इसे बेहद हिकारत की नजर से देखा जाता था तब कई पढ़े-लिखे और विदेश से लौटे फिल्मकारों जैसे हिमांशु रॉय आदि तथा कुछ ऐसे भारतीय लोग जो कभी किसी स्कूल में नहीं गए ने फिल्मों का ऐसा स्कूल तैयार किया जिससे कोई पढ़ा-लिखा व्यक्ति भी बहुत कुछ सीख सकता है। भारतीय जनमानस की सच्ची तस्वीर प्रस्तुत करने वाले इन फिल्मकारों ने तथाकथित फामूर्लों फिल्मों से बिल्कुल अलग भारतीय संस्कृति की विविधता में निहित एकता, किसानों और मजदूरों के श्रम और मानवता के संदेश को बहुत व्यापक और भव्य रूप में पर्दे पर अंकित किया। इस कड़ी में अनेक नाम हैं लेकिन व्ही. शांताराम, के.आसिफ और महबूब खान के नाम तुरंत ही याद आते हैं। इन्होंने अपने जुनून से भारतीय सिनेमा को देश में तो लोकप्रिय बनाया ही बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी विशेष छाप छोड़ी। महबूब खान का जन्म गुजरात के बड़ौदा जिले के बिलिमोरा स्थित गांव सरार में नौ सितंबर, 1907 को हुआ था। सामान्य मुस्लिम परिवार में जन्मे महबूब खान के कई भाई बहन थे, जिस कारण उनकी पढ़ाई-लिखाई और परवरिश ठीक प्रकार से नहीं हो पाई। पिता इकलौते कमाने वाले थे और सिपाही थे। उन्हीं के गांव के एक परिचित रेलवे में गार्ड थे । सिनेमा देखने की चाहत और उसमें काम करने की ललक के चलते 16 वर्ष की उम्र में ही महबूब खान भागकर बंबई (मुंबई) पहुंच गए। वह गार्ड सज्जन इंपीरियल स्टूडियो के मालिक आर्देशिर ईरानी को जानते थे तो उन्होंने किसी तरह उनसे उन्हें मिलवाया। लेकिन आर्देशिर ईरानी ने पहली मुलाकात में ही उन्हें कह दिया कि घर लौट जाओ और गांव में रहकर अपने मां-बाप की सेवा करो और खेती करो। मन मार कर महबूब खान वापस अपने गांव लौट आए। पिता ने उनकी शादी कर दी। मगर महबूब खान का बंबई जाने का सपना नहीं तोड़ पाए। दो साल बाद यानी 18 साल की उम्र में जेब में तीन रुपये डालकर वह दोबारा बंबई पहुंच गए और फिर से इंपीरियल फिल्म कंपनी जाकर आर्देशिर ईरानी से मिले । उनकी लगन और धार्मिक प्रवृत्ति देखकर वह प्रभावित हुए और उन्होंने 30 रुपये के मासिक वेतन पर एक एक्स्ट्रा के रूप में उन्हें अपनी कंपनी में रख लिया। उनकी पहली फिल्म थी अलीबाबा चालीस चोर। इसी दौरान उन्होंने एक फिल्म की कहानी लिखी और उसे सिनेमाटोग्राफर फरदून ईरानी की मदद से सागर मूवीटोन के मालिक डॉ. अंबालाल पटेल और चिमनलाल देसाई को सुनना चाहा। 71 बार यह कहानी सुनाने की असफल कोशिश के बाद 72 वें प्रयास में वे किसी तरह सफल हुए और उन्हें जजमेंट ऑफ अल्लाह नामक इस फिल्म का निर्देशन करने का अवसर भी मिल गया। फिल्म सफल रही और उनके जीवन की दिशा ही बदल गई। तभी द्वितीय विश्व युद्ध के कारण सागर मूवीटोन बंद हो गई तब महबूब खान ने इसकी पूरी यूनिट को साथ लेकर नेशनल स्टूडियो बनाया। इस बैनर तले उन्होंने तीन यादगार फिल्में औरत, बहन और रोटी का निर्माण-निर्देशन किया। सन- 1943 में उन्होंने स्वयं की कंपनी महबूब खान प्रोडक्शन की स्थापना की और इसके तहत उन्होंने- नजमा, तकदीर, हुमायूं ,अनमोल घड़ी, ऐलान, अनोखी अदा, अंदाज, आन और अमर जैसी बेहतरीन फिल्मों का निर्माण किया। मदर इंडिया उनकी 19वीं फिल्म थी और 1940 में बनाई उनकी ही फिल्म औरत का रिमेक थी। मदर इंडिया एक तरीके से पूरे भारत विशेषकर ग्रामीण भारत और उसमें मां की संघर्षशील भूमिका को बहुत ही सच्चाई के साथ प्रस्तुत करती है।

चीन को सही संदेश

आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में भाग लेने जकार्ता पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दक्षिण पूर्व एशियाई देशों से सहयोग बढ़ाने पर जिस तरह जोर दिया, उससे फिर यह स्पष्ट हुआ कि भारत अपनी एक्ट ईस्ट पालिसी को लेकर प्रतिबद्ध है। इसी प्रतिबद्धता के चलते भारतीय प्रधानमंत्री जी-20 सम्मेलन की तमाम व्यस्तता के बावजूद जकार्ता गए। उन्होंने आसियान-भारत शिखर सम्मेलन के साथ ही पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन को भी संबोधित किया और उसमें यह कहा कि दक्षिण चीन सागर में अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन होना चाहिए। अभी तक भारत इस मामले में संयमित बयान देता रहा है, लेकिन यह संभवतः पहली बार है, जब स्वयं भारतीय प्रधानमंत्री ने चीन को दो टूक संदेश दिया कि वह दक्षिण चीन सागर में मनमानी नहीं कर सकता। चीन को ऐसा संदेश देना इसलिए आवश्यक था, क्योंकि उसकी मनमानी बढ़ती जा रही है। अभी हाल में चीन ने अपना जो नया मानचित्र जारी किया, उसमें दक्षिण चीन सागर के साथ ताइवान, अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताया। इसके अलावा उसने जापान और आसियान के कई देशों के इलाकों पर अपना दावा जताया। एक के बाद एक देशों ने जिस तरह चीन के नए नक्शे को खारिज किया, उससे यह स्पष्ट है कि उसके अतिक्रमणकारी रवैये से परेशान देश एकजुट होना शुरू हो गए हैं। यह अच्छा हुआ कि भारत ने चीन के विस्तारवादी रवैये से त्रस्त देशों के साथ खुलकर खड़े होने का निश्चय किया। यह समय की मांग भी है, क्योंकि चीन अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा। इसी कारण केवल उसके पड़ोसी देश ही उसके खिलाफ आवाज नहीं उठा रहे, बल्कि अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और आस्ट्रेलिया भी अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि भारत में आयोजित जी-20 सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति इसीलिए नहीं आ रहे, क्योंकि वह यह जान रहे हैं कि उनकी घेरेबंदी हो सकती है। इस सम्मेलन में रूसी राष्ट्रपति भी नहीं आ रहे हैं और उसका कारण यही है कि यूक्रेन युद्ध के चलते वह पश्चिमी देशों का सामना करने से कतरा रहे हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

अवैध कारोबार के आरोप में चार भारतीय-अमेरिकी गिरफ्तार

न्यूयॉर्क । चार भारतीय-अमेरिकियों को न्यूयॉर्क में बिना लाइसेंस के धन प्रेषण व्यवसाय के माध्यम से 600 मिलियन डॉलर से अधिक की प्रोसेसिंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि राज वैद्य, राकेश वैद्य, श्रेय वैद्य, व न्यू जर्सी के 26 वर्षीय नील पटेल पर बिना लाइसेंस के धन प्रेषण व्यवसाय के संचालन और सहायता के आरोप में गिरफ्तार किया गया। वकील ने कहा कि ग्रेट नेक, न्यूयॉर्क के 57 वर्षीय पांचवें व्यक्ति यूसुफ जानफ़र को भी गिरफ्तार किया गया। इस मामले में दायर दस्तावेजों और अदालत में दिए गए बयानों के अनुसार राज, राकेश, श्रेय और नील 2019 से न्यूयॉर्क शहर के डायमंड डिस्ट्रिक्ट में हीरा, सोना और आभूषण कंपनियों का संचालन कर रहे थे। इन्होंने इन कंपनियों और अन्य संस्थाओं का इस्तेमाल ग्राहकों के लिए अवैध वित्तीय लेनदेन में सैकड़ों मिलियन डॉलर का संचालन करने के लिए किया। इसमें पर्याप्त शुल्क के बदले में नकदी को चेक या वायर ट्रांसफर में परिवर्तित करना शामिल है। उन्होंने एक ही दिन में लाखों डॉलर की नकदी भी स्थानांतरित की। उनकी कोई भी कंपनी न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी या वित्तीय अपराध प्रवर्तन नेटवर्क के साथ धन प्रेषण व्यवसाय के रूप में पंजीकृत नहीं थी। अवैध धन प्रेषण व्यवसाय के संचालन, सहायता और बढ़ावा देने के आरोप में अधिकतम पांच साल की जेल और 250,000 डॉलर का जुर्माना है।

पुतिन से मिलने ट्रेन से जाएंगे किम

- ट्रेन पूरी तरह बुलेटप्रूफ है, एंटरटेनमेंट के लिए खूबसूरत महिला कंडक्टर जाएंगी साथ

प्योंयॉग। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन के हथियारों के प्रति प्रेम को देखकर उन्हें लिटिल रॉकेट मैन भी कहा जाने लगा है। वो जल्द ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने वाले हैं लेकिन वो यहां प्लेन से नहीं बल्कि ट्रेन से जाएंगे। किम जोंग इससे पहले चीन भी ट्रेन से ही गए थे। दोनों नेताओं की मुलाकात में रूस को हथियार मुहैया कराने पर चर्चा हो सकती है, जो इस वक्त यूक्रेन से जंग लड़ रहा है। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार 39 साल के किम को ये ट्रेन अपने पिता किम जोंग इल से विरासत में मिली है। ऐसा कहा जाता है कि किम को प्लेन में बैठने से डर लगता है। अब चूंकी ये किम जोंग की ट्रेन है, तो मामूली तो कतई नहीं होगी। इसकी एवरेज स्पीड 37 एमपीएच है। इसमें कॉन्फ्रेंस रूम, सैटेलाइट फोन, फ्लैटस्क्रीन टीवी और करीब 100 सिक्योरिटी एजेंट्स हैं। इन एजेंट्स का काम रास्ते और स्टेशंस को स्कैन करना होता है, ताकि बम या किसी भी अन्य खतरे से बचा जा सके। ट्रेन पूरी तरह बुलेटप्रूफ है। ट्रेन में शेफ भी मौजूद रहते हैं, जो रूसी, चीनी, कोरियन, जापानी और फ्रेंच खाना बनाते हैं। किम जोंग इल के साथ यात्रा करने वाले रूसी अधिकारी कॉन्स्टेंटिन पुलिकोवस्की के 2002 के एक आर्टिकल के अनुसार, ट्रेन में जीवित समुद्री पशुओं को भी ले जाया जाता है, ताकि उन्हें ताजा ही खाया जा सके। इल अपने नखरीले अंदाज के लिए जाने जाते थे। उस यात्रा में उन्हें रास्ते में रूसी डिश परोसी गई थी, तब भी उन्होंने उसमें काफी कमियां निकाल दीं। पुलिकोवस्की ने लिखा था, किम जोंग इल ने पीस को उठाया और कहा ये किस तरह का पेल्मेनी है? इसे थोड़ा बड़ा और ज्यादा उबला हुआ होना चाहिए। इस ट्रेन में एंटरटेनमेंट के लिए महिला कंडक्टरों को रखा गया है। उन्हें खूबसूरत लेडी कंडक्टर कहा जाता है। हमलों की आशंका के चलते, एक अलग ट्रेन काफिले के आगे-आगे चलती है। वहीं किम के रविवार तक रूस के व्लादिवोस्तोक पहुंचने की संभावना है। वो ट्रेन से रूस के पीयर 33 जा सकते हैं। जहां पनडुब्बी रोधी जहाज पैसिफिक बंदरगाह शहर की निगरानी करते हैं। इसके अलावा किम मॉस्को भी जा सकते हैं।

पूर्व हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी 2024 में फिर लडेंगी चुनाव

वॉशिंगटन । यूएस हाउस की पूर्व स्पीकर नैंसी पेलोसी ने कहा कि वो एक बार फिर सदन (कांग्रेस) के चुनाव में उतरेंगी। उन्होंने बताया कि वो 2024 में अपनी परंपरागत सीट सैन फ्रांसिस्को से चुनाव लड़ेंगी। क्योंकि डेमोक्रेट बहुमत हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। पेलोसी ने एक्स पर एक बयान में कहा, हमारे शहर को अब पहले से कहीं ज्यादा सैन फ्रांसिस्को के मूल्यों को आगे बढ़ाने की जरूरत है। हमारे देश को अमेरिका की जरूरत है जो दुनिया को दिखाए कि सभी के लिए स्वतंत्रता और न्याय के साथ हमारा झंडा अभी भी है। यही कारण है कि मैं फिर से चुनाव लड़ रही हूं और सम्मानपूर्वक आपका वोट मांगती हूं। गौरतलब है कि पेलोसी दो बार हाउस स्पीकर के रूप में कार्य कर चुकी हैं। वो इस पद को संभालने वाली पहली महिला हैं। 2022 के कांग्रेस चुनाव के बाद पेलोसी ने घोषणा की थी कि वो प्रतिनिधि के रूप में काम करना जारी रखेंगी। चुनावी अभियान में पेलोसी की रणनीति का डेमोक्रेट्स को भी लाभ मिलता आया है। वो वॉशिंगटन के राजनीतिक हलकों में चर्चा में रहती हैं। बता दें कि पेलोसी पहली बार 1987 में सदन के लिए चुनी गईं। उन्होंने लंबे समय से अपना रास्ता खुद तय किया है। सदन के लिए चुनी गई कुछ महिलाओं में से एक के रूप में कांग्रेस में जगह बनाई और अमेरिकी राजनीति में सबसे शक्तिशाली महिलाओं में से एक के रूप में कार्यकाल पूरा किया है। डेमोक्रेटिक नेता पेलोसी ने 2007 में पहली महिला स्पीकर बनकर इतिहास रचा था। फिर 2019 में उन्होंने स्पीकर का पद हासिल किया। स्पीकर के तौर पर उनका कार्यकाल जनवरी 2023 में पूरा हुआ था। अमेरिका में डेमोक्रेट्स का मानना ????है कि उनके पास सत्ता हासिल करने का मौका है। जब ?कि राष्ट्रपति जो बाइडन दूसरे कार्यकाल के लिए दौड़ में शामिल हैं।

वैज्ञानिकों के लिए रहस्य बना हुआ है समुद्र में मिला टूटा हुआ सुनहरा अंडा

-रहस्यमयी चीज के बाहर निकलने का लगाया जा रहा है कयास, होगी डीएनए टेस्टिंग

अलास्का । वैज्ञानिकों के लिए समुद्र से मिला टूटा हुआ अंडा रहस्य बना हुआ है। यह सुनहरा अंडा वाकई में कोई रहस्यमयी चीज है जिसे समुद्र में देखी गई है। वैज्ञानिकों को इसे देखकर हैरानी हो रही है। जानकारी के अनुसार अमेरिका में समुद्र के तल में एक रहस्यमयी टूटा हुआ अंडा मिला है जो सुनहरे रंग का है। ये वास्तव में अंडा है या कुछ और, इसे लेकर वैज्ञानिक भी स्पष्ट नहीं हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका के अलास्का में सुनहरे अंडे जैसी कोई चीज वैज्ञानिकों को मिली है। अमेरिका के समुद्र मंत्रालय के अनुसार ये सुनहरी चीज छूने में काफी कोमल है, जैसे स्किन का टिशू होता है। एक्सपर्ट्स को पूरी तरह पता ही नहीं है कि वो असल में क्या है। कुछ जानकारों का दावा है कि वो किसी चीज का अंडा है और उसके अंदर से या तो कोई चीज बाहर निकली होगी या फिर कोई चीज उसके अंदर घुसने की कोशिश कर रही होगी। ये अंडे जैसी चीज करीब सीबेड पर करीब 3 किलोमीटर अंदर की ओर मिली है। एनओएए ने इसे निकालने की पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन स्ट्रीम किया था। लैब में अब इस चीज की डीएनए टेस्टिंग हो रही है जिसके बाद इसके बारे में ज्यादा कुछ पता चलेगा। जानकारों को ये भी नहीं पता है कि उस चीज में छेद कैसे हुआ है। या तो कोई समुद्री जीव इसके अंदर घुसने की कोशिश कर रहा होगा। वैज्ञानिकों को इस बात की हैरानी हो रही है कि आखिर कौन सा ऐसा जीव है जो इस तरह के अंडे का छिलका बनाता होगा। यूनिवर्सिटी ऑफ प्लायमाउथ के डीप-सी इकोलॉजी के प्रोफेसर केरी हावेल ने माना कि ये चीज काफी अनोखी और हैरान करने वाली है। उनका ये भी कहना है कि समुद्र से जुड़ी ऐसी कई चीजें हैं जिसके बारे में वैज्ञानिकों को जानकारी ही नहीं है, ऐसे में ये सुनहरे अंडे जैसी चीज एक नई खोज साबित हो सकती है।

बिना महिला, बिना पुरुष होगा बच्चों का जन्म

लंदन । दुनिया में विज्ञान तेजी से तरक्की कर रहा है कि जो चीजे असंभव लगाती थीं, वे अब संभव होती दिख रही हैं। विज्ञान कहता है कि एक बच्चे के जन्म के लिए मानव स्पर्म और अंडे की जरूरत होती है, लेकिन वैज्ञानिकों ने मुमकिन कर दिया कि इसके बिना भी बच्चे को आसानी से पैदा किया जा सकता है।यह हैरान कर देने वाला काम इजरायल में वैज्ञानिकों की एक टीम ने किया है। रिपोर्ट के मुताबिक यह वीजमैन इंस्टीट्यूट की टीम ने किया है। टीम का कहना है कि स्टेम कोशिकाओं का उपयोग करके 'भ्रूण मॉडल' बनाया गया। इसमें इसतरह के हार्मोन भी निकाले जिससे लैब में प्रेगनेंसी टेस्ट भी पॉजिटिव हो गया। वैज्ञानिकों ने एक बेहद अहम बात कही है। उनका कहना है कि यह नया मॉडल असली भ्रूण की तरह विकसित हो सकता है। यह रोमांचक है क्योंकि इससे हमें यह जानने में मदद मिल सकती है कि बच्चे अपनी मां के अंदर कैसे विकसित होते हैं।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति और रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प ने रैपिड सिटी, साउथ डकोटा में साउथ डकोटा रिपब्लिकन पार्टी की रैली में अपने समर्थकों की तरफ इशारा किया।

नवाज शरीफ अक्टूबर में लौट सकते हैं पाकिस्तान, मीडिया रिपोर्ट्स में दावो

इस्लामाबाद । मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ब्रिटेन में अपने चार साल से अधिक के आत्म-निर्वासन को समाप्त करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के अगले महीने पाकिस्तान लौटने की संभावना है। लंदन में एक बैठक में मौजूद सूत्रों का हवाला देते हुए, जहां पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के सर्वोच्च नेता शरीफ अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से बात कर रहे थे, डॉन अखबार ने बताया कि उन्होंने अपनी वापसी के बारे में बात की, लेकिन एक स्पष्ट तारीख यात्रा के लिए खुलासा नहीं किया गया है। 73 वर्षीय शरीफ नवंबर 2019 से लंदन में स्व-निर्वासित निर्वासन में रह रहे हैं। उन्हें 2018 में अल-अजीजिया मिल्स और एवेनफील्ड भ्रष्टाचार मामलों में दोषी ठहराया गया था। वह लाहौर की कोट लखपत जेल में सात साल की कैद की सजा काट रहे थे। -अज़ीज़िया मिल्स मामले से पहले उन्हें 'चिकित्सा आधार' पर 2019 में लंदन जाने की अनुमति दी गई थी। डॉन की रिपोर्ट में कहा गया है कि बैठक में पीएमएल-एन कार्यकर्ता अपने नेता की वापसी की तैयारी के लिए उत्सुक थे और उनकी वापसी के तार्किक विवरण पर चर्चा कर रहे थे। शरीफ ने अक्टूबर में पाकिस्तान लौटने की पुष्टि की। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि नवाज़ शरीफ़ ने कहा था कि उन्हें मौजूदा आर्थिक संकट के बीच अपने वोट बैंक और समर्थकों के साथ जुड़ने के लिए वापस लौटना होगा। इससे पहले, 25 अगस्त को शरीफ के छोटे भाई शहबाज़ ने पूर्व प्रधान मंत्री की सितंबर में पाकिस्तान वापसी की घोषणा की थी।

मोरक्को में आये भीषण भूकंप में 300 लोगों की मौत, देर रात जमकर हिली धरती

-मलबे में तब्दील हो गई अनेक इमारतें, भारत ने दिलाया हरसंभव मदद का भरोसा

रबात (एजेंसी)। मोरक्को में देर रात आए भूकंप से 300 लोगों की जान चली गई, जबकि अनेक लोग घायल भी हुए हैं। मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार देर रात आए 6.8 तीव्रता के जोरदार भूकंप के बाद लोग घबराकर अपने-अपने घर छोड़कर भाग गए। भूकंप के कारण इमारतों को काफी नुकसान पहुंचा है। देश के कई हिस्सों में बिजली गुल हो गई है। रात करीब 11:11 बजे भूकंप के झटके लगे। भूकंप का केंद्र मार्राकेश से 71 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में 18.5 किलोमीटर की गहराई में था। इधर भरत ने मोरक्को में आए भीषण भूकंप में हताहतों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए मदद का भरोसा दिलाया है। हालांकि मोरक्को में आए भूकंप से अब तक 300 से अधिक लोगों की मौत होने का दावा किया है। जबकि दर्जनों लोग घायल हो गए हैं। राहत एवं बचाव कार्य जारी है, मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना है। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए कुछ वीडियो एक इमारत ढहती हुई और सड़कों पर मलबा दिखाई दे रहा है। लोगों को शॉपिंग सेंटर, रेस्तरां और अपार्टमेंट से बाहर भागते और खाली पड़े इलाकों में इकट्ठा होते हुए देखा जा सकता है। लोग डरे हुए हैं और दोबारा भूकंप आने की आशंका से बाहर रह रहे हैं।

पीएम मोदी ने दिलाया मोरक्का की मदद का भरोसा

पीएम मोदी ने इस घटना पर दुख जताया है। साथ ही उन्होंने मोरक्को को हर संभव मदद देने का भरोसा दिया है। पीएम मोदी नो एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, मोरक्को में भूकंप के कारण हुई जानमाल की हानि से अत्यंत दुख हुआ। इस दुखद घड़ी में मेरी संवेदनाएं मोरक्को के लोगों के साथ हैं। उन लोगों के प्रति संवेदना जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। घायल जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। भारत इस कठिन समय में मोरक्को को हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है।

केरमाडेक द्वीप समूह पर भी भूकंप के तेज झटके

न्यूजीलैंड के केरमाडेक द्वीप समूह के दक्षिणी क्षेत्र में भी शुक्रवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6.7 मापी गयी। जीएफजेड जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने यह जानकारी दी है। जीएफजेड के अनुसार भूकंप के झटके ग्रीनविच मिड टाइस के अनुसार आज सुबह करीब 09:09 बजे महसूस किए गए थे। भूकंप का केंद्र 33.23 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 178.17 डिग्री पश्चिमी देशांतर तथा सतह से 80.3 किमी की गहराई में स्थित था। भूकंप से किसी तरह के जानमाल के नुकसान की अभी तक कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

अबतक का सबसे तीव्रता वाला झटका

मोरक्को के राष्ट्रीय भूकंपीय निगरानी एवं चेतावनी नेटवर्क ने रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता सात मापी। वहीं अमेरिकी एजेंसी ने 19 मिनट बाद 4.9 तीव्रता का भूकंप के बाद का झटका आने की सूचना दी। कहा जा रहा है ?कि यह मोरक्को में आया अब तक का सबसे अधिक तीव्रता वाला भूकंप है। उत्तरी अफ्रीका के इस देश में भूकंप अपेक्षाकृत कम आते हैं, लेकिन 1960 में अगादिर के पास 5.8 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसके कारण हजारों लोगों की मौत हो गई थी।

जी20 में अफ्रीकी संघ को शामिल करने पर दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति ने जताई खुशी

वाशिंगटन (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने अफ्रीकी संघ को समूह के स्थायी सदस्य के रूप में स्वीकार करने के जी20 देशों के फैसले का स्वागत किया है, और सतत विकास के लिए वैश्विक साझेदारी को बढ़ाने और विस्तारित करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के मद्देनजर महामारी के कारण, नई वैश्विक व्यवस्था निम्न-कार्बन, जलवायु-लचीला और टिकाऊ समाजों में संक्रमण को तेज करने का एक अनूठा अवसर प्रस्तुत करती है। ऐसा तब हुआ जब पीएम नरेंद्र मोदी ने जी20 नेताओं को अपने उद्घाटन भाषण के दौरान अफ्रीकी संघ के अध्यक्ष अज़ाली असौमानी को उच्च मेज पर अपनी सीट लेने के लिए आमंत्रित किया।

अपने ट्वीट में दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति ने लिखा कि हमें खुशी है कि जी20 ने अफ्रीकी संघ को जी20 के सदस्य के रूप में स्वीकार कर लिया है। कोविड़19 महामारी के मद्देनजर वैश्विक पुनर्निर्माण निम्न-कार्बन, जलवायु लचीले, टिकाऊ समाजों में संक्रमण को तेज करने का एक अनूठा अवसर प्रस्तुत करता है। यह चिंता व्यक्त करते हुए कि विकासशील अर्थव्यवस्थाएँ जलवायु परिवर्तन का खामियाजा भुगत रही हैं, 'इस संकट के लिए कम से कम ज़िम्मेदारी लेने के बावजूद', रामफोसा ने कहा, 'अफ्रीकी और अन्य विकासशील अर्थव्यवस्था वाले देशों के रूप में, हमें गरीबी, असमानता और बेरोज़गारी जैसी महत्वपूर्ण विकासात्मक चुनौतियों के बीच अपनी जलवायु प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के कार्य का सामना करना पड़ता है।'

सिरिल रामाफोसा ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय गिरावट, अस्थिर उपभोग और उत्पादन तथा संसाधनों की कमी ऐसी चुनौतियाँ हैं जिनका समाधान सामूहिक रूप से और बड़ी एकजुटता के साथ ही किया जा सकता है। रामफोसा ने कहा, 'दक्षिण अफ्रीका सतत विकास के लिए एक संवर्धित और विस्तारित वैश्विक साझेदारी का आह्वान करता है।' उन्होंने कहा कि इन्हें 'विकास के लिए वित्तपोषण पर अदीस अबाबा एक्शन एजेंडा' में उल्लिखित ठोस नीतियों और कार्यों द्वारा समर्थित किया जाना चाहिए।

अमेरिका ने स्पेसएक्स का अगला प्रक्षेपण रोका

- सभी जरूरी कार्रवाइयां पूरी करने के बाद किया जाएगा लांच

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)। अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने स्पेसएक्स के लॉन्च को तब तक के लिए रोक दिया है, जब तक एलन मस्क द्वारा संचालित अंतरिक्ष कंपनी 60 से अधिक सुधारात्मक कार्रवाइयां पूरी नहीं कर लेती। एफएए ने अप्रैल में स्पेसएक्स की पहली कक्षीय परीक्षण उड़ान में दुर्घटना की जांच बंद कर दी है। नियामक ने शुक्रवार देर रात एक बयान में कहा गया कि अंतिम रिपोर्ट 20 अप्रैल, 2023 की दुर्घटना के कई मूल कारणों और 63 सुधारात्मक कार्रवाइयों का हवाला देती है, जिन्हें स्पेसएक्स को दुर्घटना की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए करना चाहिए। सुधारात्मक कार्रवाइयों में रिसाव और आग को रोकने के लिए वाहन हार्डवेयर का नया डिज़ाइन, इसकी मजबूती बढ़ाने के लिए लॉन्च पैड का नया डिज़ाइन, डिज़ाइन प्रक्रिया में अतिरिक्त समीक्षाओं को शामिल करना, स्वायत्त उड़ान सुरक्षा प्रणाली सहित सुरक्षा महत्वपूर्ण प्रणालियों और घटकों का अतिरिक्त विश्लेषण और परीक्षण और अतिरिक्त परिवर्तन नियंत्रण प्रथाओं का प्रयोग शामिल हैं। नियामक ने कहा कि दुर्घटना की जांच बंद होने से टेक्सास के बोका चिका में स्टारशिप लॉन्च की तत्काल बहाली का संकेत नहीं मिलता है। इसमें कहा गया है कि स्पेसएक्स को सार्वजनिक सुरक्षा को प्रभावित करने वाली सभी सुधारात्मक कार्रवाइयों को लागू करना होगा और एफएए से लाइसेंस संशोधन के लिए आवेदन करना होगा और प्राप्त करना होगा, जो अगले स्टारशिप लॉन्च से पहले सभी सुरक्षा, पर्यावरण और अन्य लागू नियामक आवश्यकताओं को पूरा करता है।

भारत में जी 20 का आयोजन देख गुस्से में पाकिस्तानी जनता, अपने भष्ट्र राजनेताओं को कोसा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। 75 साल पहले भारत से अलग होकर एक इस्लामिक देश बनने वाला पाकिस्तान कंगाली की हालात में है। पाकिस्तान जहां आतंकवाद को पालत-पालते उसी का शिकार हो रहा है। वहीं भारत जी-20 शिखर सम्मेलन करा रहा है। जी-20 में शामिल होने के लिए दुनिया की 19 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के नेता भारत पहुंचे हैं। पाकिस्तानियों के अंदर लगातार इसका दर्द उठ रहा है। पाकिस्तानियों को इसका अंदाजा नहीं है कि जी-20 दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं का ग्रुप है, लेकिन आवाम इस बात पर अफसोस जता रही है कि इसमें उनका देश शामिल नहीं है।

भारत ने बांग्लादेश सहित कई देशों को इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। इस पर पाकिस्तान के यूट्यूब चैनल ने आवाम से बात की तब उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की ऐसी हालात ही नहीं हैं कि भारत उन्हें बुलाए। एक पाकिस्तानी ने कहा कि देश क्रैश कर गया है, बस किसी तरह चल रहा है। एक शख्स ने नहीं बुलाए जाने पर कहा कि भारत और पाकिस्तान एक नहीं हो सकते। इसके साथ पाकिस्तानी युवक ने दूसरा कारण बताते हुए कहा कि हमारे राजनेताओं की इज्जत नहीं है। अगर कोई पावर वाला होता तब बुलाया जाता।

बातचीत में एक पाकिस्तानी शख्स ने कहा, बांग्लादेश हमसे बाद में आजाद हुआ था, लेकिन आज वह हमसे आगे निकल गया है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि हमारे राजनेता भ्रष्ट हैं। अगर इमरान खान प्रधानमंत्री होते तब वह जरूर हमें बुलाते। पाकिस्तानी पत्रकार ने जब कुछ लोगों से इस बारे में पूछा तब उनका जवाब सुनकर आपको हंसी आएगी। उन्होंने कहा कि जी-20 से कोई फर्क नहीं पड़ता, हमने लंबी तैयारियां की हुई हैं। एक समय भारत पाकिस्तान का हिस्सा होगा। हम गजवा ए हिंद करने वाले हैं।

सना अमजद ने कुछ बुद्धिजीवी लोगों से बात की तब उन्होंने कहा कि पाकिस्तान आइसोलेट होकर रह गया है। इसके साथ उन्होंने उम्मीद जताई कि जी-20 देश जब एक साथ बैठे हैं तब वह भविष्य में दुनिया की अर्थव्यवस्था को बेहतर करने से जुड़ा कोई प्लान निकालेगा। कुछ लोगों ने कहा कि पाकिस्तान अगर अपने अंदरूनी मामले जैसे सुरक्षा और आतंकवाद को हल नहीं करेगा तब तक कोई बड़ी कंपनी पाकिस्तान नहीं आएगी और कभी भी पाकिस्तान में जी-20 का हिस्सा नहीं बन पाएगा।

उत्तर कोरिया ने मनाया स्थापना दिवस, किम जोंग-उन अर्धसैनिक परेड में हुए शामिल

सियोल (एजेंसी)। उत्तर कोरिया ने अपने शासन के स्थापना दिवस की 75वीं वर्षगांठ मनाई। इस अवसर पर शनिवार को प्योंगयांग में अर्धसैनिक परेड का आयोजन किया। जिसमें नेता किम जोंग-उन भी मौजूद रहे। सरकारी मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार उत्तर कोरिया में किम ने स्थापना की सालगिरह का जश्न मनाने के लिए किम इल सुंग स्क्वायर पर शानदार तरीके से आयोजित सैन्य परेड का अवलोकन किया। हालांकि किम ने उस कार्यक्रम में भाषण नहीं दिया, जिसमें उनकी बेटी भी शामिल हुई थी, जिसका नाम जू-ए बताया जा रहा है। बताया गया कि वाइस प्रीमियर लियू गुओझोंग के नेतृत्व में एक चीनी प्रतिनिधिमंडल और रूसी सेना के गीत और नृत्य समूह के सदस्य भी मौजूद थे। हालांकि रूस ने इस बार अलग से प्रतिनिधिमंडल नहीं भेजा! रात के समय होने वाला यह आयोजन इस साल अकेले उत्तर कोरिया द्वारा आयोजित तीसरी सैन्य परेड का प्रतीक है। यह परेड उन अटकलों के बीच हुई कि किम संभावित हथियार सौदे पर चर्चा करने के लिए अगले सप्ताह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने के लिए व्लादिवोस्तोक की यात्रा कर सकते हैं।

रूस की उनकी संभावित यात्रा की एक रिपोर्ट में अटकलें लगाई गई हैं कि उत्तर कोरिया रूस से हथियारों से संबंधित प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के बदले में यूक्रेन के साथ मास्को के युद्ध में उपयोग के लिए तोपखाने के गोले और अन्य गोला-बारूद प्रदान कर सकता है। नवीनतम अर्धसैनिक परेड में उच्च गतिशीलता वाली मोटरसाइकिलों के काफिले और ट्रैक्टरों द्वारा खींचे गए एंटी-टैंक मिसाइल लांचर शामिल थे। परेड का नेतृत्व ज्यादातर वर्कर-पीजेंट रेड गार्ड्स ने किया, जो उत्तर में एक नागरिक रक्षा संगठन है, इसमें लगभग 5.7 मिलियन श्रमिक और किसान शामिल हैं। उत्तर कोरिया के लिए पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नेताओं ने वर्षगांठ के अवसर पर किम को बधाई संदेश भेजे हैं।

पति ने जिसे 'बॉयफ्रेंड' बताया, उसे पत्नी बता रही भाई

महिला ने जारी किया वीडियो, एग्जाम वाले दिन की पूरी कहानी बताई, कहा- पति से है जान का खतरा

पूर्णिया । एग्जाम देने की बात कहकर बॉयफ्रेंड संग घूमने निकली महिला का एक नया वीडियो सामने आया है। जहां वीडियो में वह अपना पक्ष रख रही है। वीडियो में रितेश की पत्नी खुद का नाम आंचल चौहान बता रही रही है। कथित 'बॉयफ्रेंड' को लड़की ने बताया अपना 'भाई' बताया है। आंचल ने इस वायरल वीडियो में घटना वाले दिन की पूरी कहानी बताई है। आंचल ने ये वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। जो लगातार वायरल हो रहा है। करीब 2 मिनट 25 सेकेंड के इस वीडियो में पत्नी आंचल ने पति रितेश पर दहेज, जातिगत प्रताड़ना, नशे में गाली गलौज और मारपीट करना, पैसा मांगने, जबरन डायवोर्स के लिए प्रताड़ित करना जैसे कई आरोप लगाए है। इसके साथ ही पति रितेश से अपनी जान को खतरा भी बताया है। आंचल इस वीडियो में कह रही है कि जैसा कि उनके पति रितेश चौहान ने वीडियो में उनके बारे में बताया कि आरवन 5 बाइक पर बैठकर ब्बॉयफ्रेंड संग घूम रही हैं। इस बात में थोड़ी भी सच्चाई नहीं है। इस वीडियो में कुछ भी गलत नहीं था। 4 सितंबर को उनकी एमटीएस की परीक्षा थी। परीक्षा का सेंटर पूर्णिया का गुरुद्वारा रोड स्थित फर्स्ट इंस्टीट्यूट था। ये परीक्षा 4 बजे से शुरू होकर 5 बजे तक चलनी थी। इसके लिए प्रवेश का समय 3:30 यानी परीक्षा शुरू होने के ठीक आधे घंटे पहले का था। गुरुद्वारा रोड में नाला निर्माण का कार्य जारी होने के कारण उस वक्त वहां ट्रैक्टर फंसा था। जिस वजह से वह 5 से 6 मिनट लेट हो गई। जिसके चलते उन्हें परीक्षा में शामिल होने की अनुमति नहीं मिली। इससे निराश

होकर वह घर लौट रही थीं। हालांकि इससे पहले ही पूर्णिया बस स्टैंड से ठीक आगे पॉलिटेक्निक चौक जाने वाले रास्ते में फोर स्टार के पास उनके भाई की बाइक खराब हो गई थी। वे जिस बाइक पर बैठी दिख रही हैं। वे रिश्ते में जानने वाले भईया हैं न कि बॉयफ्रेंड। आंचल आगे कहती हैं वीडियो में उसके साथ छोटी बहन और उसका छोटा भाई शुभम भी साथ था। शुभम की बाइक पर उनकी बहन बैठी थी। उनके साथ उनका भाई और बहन भी उन्हें कटिहार के संजीत दास तेजा टोला से पूर्णिया एग्जाम दिलाने आया था। उनका भाई अपनी बाइक बना रहा था और वे दूसरी बाइक पर आरवन 5 बाइक पर उसी जगह बैठी थी। इसके बाद अचानक से उनके पति आते हैं। वीडियो बनाते हुए सोशल मीडिया पर अपलोड कर देते हैं। आप खुद बताएं इसमें गलत क्या था। मुझे जिस तरीके से पति ने मुझे बदनाम किया। मुझे बस न्याय चाहिए। इससे ज्यादा मुझे कुछ नहीं चाहिए। वीडियो में आगे आंचल ने अपने पति रितेश चौहान पर कई संगीन आरोप लगाए हैं। आंचल ने कहा कि मेरे पति जितेश ने मुझे शादी के बाद बहुत तारीफ किया है। रितेश उनसे दहेज की डिमांड किया करता और 30 लाख मायके से लाकर देने की बात कहता है। ऐसा न करने पर उसे प्रताड़ित किया जाता है। वह फैमिली लेवल और कास्ट के लेवल को लेकर प्रताड़ित करता है। उनके साथ मारपीट और गाली गलौज की जाती है। रितेश शराब और गांजे की लत का आदी है। इसे पूरा करने के लिए उनसे पैसे मांगता है। वे पैसे देने से मना करती हैं तो उनसे मारपीट करता है।मेरी फैमिली को फसाने की धमकी देता रहता है। घटना वाली रात देश नशे में धुत होकर घर पहुंचा और उसे यह कहता रहा कि अगर वह उसे पैसे नहीं दी। उससे डायवोर्स नहीं ली वह उसे जान से मार डालेगा। और लोगों से ये कह देगा कि वीडियो पर आ रहे भद्दे कमेंट से परेशान होकर, गलती की और गिल्टी से उसने परेशान होकर आत्महत्या कर ली और मौत को गले लगा लिया। आज रात भी रितेश ऐसा ही कह रहा थम इसके बाद उन्हें लगा कि उन्हें यह वीडियो बनाना चाहिए, इससे पहले की उनका पति रितेश उन्हें जान से मार दे। उन्होंने ये वीडियो बनाया। वह लोगों से बस इतना ही कहना चाहती हैं कि उन्हें न्याय चाहिए।

संक्षिप्त डायरी

मंदिर में शादी करके प्रेमी जोड़े ने पोस्ट की तस्वीर

बांका । प्रेमी युगल ने मंदिर में शादी कर ली। शुक्रवार को उनकी शादी की एक तस्वीर सामने आई है। इधर, फोटो देखने के बाद परिजन ने थाना पहुंचकर लड़के पर अपहरण का आरोप लगाया है।शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस छानबीन में जुट गई है। मालती गांव निवासी मनोज शर्मा की 21 वर्षीय बेटी प्रीति सागर ने घर से भागकर बाराहाट थाना क्षेत्र के चंगेरी गांव निवासी विनोद मंडल के बेटे 28 वर्षीय परीक्षित कुमार से मंदिर में विवाह किया है। रजौन प्रखंड क्षेत्र के मंदिर में घर से भागकर एक प्रेमी-प्रेमिका ने शादी रचाई है। शादी रचाने के बाद सोशल मीडिया पर प्रेमी जोड़े द्वारा फोटो अपलोड किया गया है। बताया गया कि प्रेमी जोड़ी एक ही कॉलेज में पढ़ाई करते थे। पढ़ाई के दौरान दोनों एक दूसरे से प्यार करने लगे जिसके बाद दोनों ने शादी करने की ठान ली। जब दोनों के परिजन शादी के लिए नहीं माने तो दोनों ने घर से भाग कर मंदिर में शादी रचा ली। पुलिस को दिए आवेदन में युवती की मां ने कहा है कि सात सितंबर को मेरी 21 वर्षीय पुत्री मालती गांव गई थी। इसके बाद वापस लौट कर घर नहीं आई। काफी खोजबीन करने के बाद पता चला कि बरहर थाना क्षेत्र के चंगेरी गांव निवासी परीक्षित मंडल ने शादी की नीयत से मेरी बेटी को किडनैप कर लिया है। दोनों के बीच फोन पर भी बात होती थी, जिसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने का गुहार लगाई है। थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस ने 2 अपराधी को किया गिरफ्तार: अपराध की योजना बना रहे थे आरोपी

मोतिहारी । अपराध की योजना बना रहे दो अपराधी को देसी कट्टा के साथ गिरफ्तार किया है। जबकि एक अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा। गिरफ्तार अपराधी ने पूछताछ में बताया की लूट की योजना बना रहे थे। मोतिहारी एसपी कांतेश कुमार मिश्रा को गुप्त सूचना मिली कि कुछ अपराधी आपराधिक घटना को अंजाम देने के फिराक में थे। सभी पहाड़पुर थाना क्षेत्र में जमा हुए थे। सूचना का सत्यापन करते हुए अरेराज एसडीपीओ रंजन कुमार के नेतृत्व में टीम बनाकर छापेमारी कर उसे गिरफ्तार करने का निर्देश दिया। इसके बाद पहाड़पुर थानाध्यक्ष अंबेश कुमार ने सरेया दुधियावा पोखरा के नजदीक 3 संदिग्ध व्यक्ति को देखा। जैसे उनके पास पहुंचे वैसे सभी भागने लगे। साथ में मौजूद जवान ने दौड़ कर दो युवक को गिरफ्तार कर लिया। जबकि एक अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा। जब दोनों युवक की तलाशी ली गई, तो उसके पास से एक देसी कट्टा और एक चाकू और एक मोबाइल बरामद हुआ है। गिरफ्तार दोनों बदमाश को थाना लाया गया। यहां पूछताछ किया गया तो उसने अपना नाम अरमान अंसारी(19), दूसरे का नाम विशाल कुमार(19) है। दोनों पहाड़पुर थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। पूछताछ में गिरफ्तार बदमाश के जब मोबाइल की तलाशी ली गई तो उससे कई आपत्तिजनक फोटो मिले हैं। गिरफ्तार युवक आपराधिक गतिविधि को साफ करता है। एसडीपीओ रंजन कुमार ने बताया कि पूछताछ के बाद दोनों को जेल भेज दिया गया है।

सड़क हादसा, एक की मौत

मुजफ्फरपुर । सड़क दुर्घटना में एक अधेड़ की मौत हो गई। वहीं दूसरा व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही आगे की कार्रवाई में जुट गई है। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में चीत्कार मच गया। मामला जिले के सदर थाना क्षेत्र का है। हादसा शुक्रवार कि देर रात को हुआ। दरअसल, जिले के सरैया थाना क्षेत्र के बहनगरी निवासी नवल किशोर ठाकुर के 52 वर्षीय प्रमोद ठाकुर प्रति दिन की तरह शुक्रवार को भी ड्यूटी करने आया था। वो एक निजी होटल में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था। शुक्रवार को देर रात प्रमोद अपना ड्यूटी खत्म कर छोटे भाई राजेश के साथ बहनगरी के लिए होटल से निकला। दोनों हाईवे क्रॉस कर रहे थे। तभी दोनों तेज रफ्तार बस के चपेट में आ गए। जिस कारण प्रमोद का छोटा भाई दूर फेंका गया। वही प्रमोद बस के चपेट में आज्ञा। प्रमोद गंभीर रूप से जख्मी हो गया। बस मौके से फरार हो गया। मौके पर स्थानीय लोगो की भीड़ जुट गई। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। आनन फानन में पुलिस मौके पर पहुंची। घायल प्रमोद ठाकुर को उपचार के लिए बैरिया के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद परिजनों में चीत्कार मच गया। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीच भेज दिया है। पुलिस मामले की अग्रतर कार्यवाइ में जुट गई है। पूरे मामले पर सदर थाना अध्यक्ष कुंदन कुमार ने बताया कि सदर दुर्घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

ताजिया जुलूस पर रोड़ेबाजी मामला : पुलिस ने तीन अलग-अलग मामलों में किया एफआईआर

भोजपुर । नगर थाना क्षेत्र के शीशमहल चौक के पास गुरुवार रात चेहल्लुम जुलूस के दौरान दो भाइयों द्वारा सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश की गई। जिनपर त्वरित कार्रवाई करते हुए भोजपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में पुलिस और जिला प्रशासन ने तीन अलगझअलग मामले दर्ज किए है। दरअसल गुरुवार की रात भालुहीपुर से चेहल्लुम की जुलुम शीशमहल चौक समाप्ति की ओर बढ़ रही थी। तभी चौक से कुछ दूर पहले ही मोहिनी ज्वेलर्स की छत से महावीरी झंडा दिखाया गया। उसके बाद छत से नशे में धुत युवकों ने भीड़ और जुलूस पर पत्थर फेक दिए ।जिसके बाद से जुलूस ले जा रहे लोगों ने इसका विरोध किया। देखते ही देखते दोनों तरफ से पत्थरबाजी शुरू हो गई। इस घटना से जुलूस देख रहे लोगों में अफरा तफरी मच गई। पत्थरबाजी में कुछ लोगों को हल्की चोटें भी है। हालांकि जिला प्रशासन द्वारा कार्रवाई करते हुए दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों सगे भाइयों में नगर थाना क्षेत्र के शीशमहल चौक (टमटम पड़ाव)

के निवासी मोहन लाल के पुत्र गोविंदा सोनी और उसका छोटा भाई अमित कुमार है। वहीं मिली जानकारी के मुताबिक मुख्य आरोपी गोविंदा नशे की हालत में छत पर गया था और महावीरी झंडा दिखाया। उसके बाद नारे लगाए फिर छत पर से पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। जिसके बाद दोनों तरफ से पत्थरबाजी शुरू हो गई। इस मामले में पुलिस कई लोगों से पूछताछ कर रही है। सीसीटीवी की मदद से कई लोगों को चिन्हित किया गया है। जिनकी गिरफ्तारी के लिए छानबीन शुरू कर दी गई है। एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि गुरुवार को श्री कृष्ण जन्माष्टमी और चेहल्लुम को लेकर जुलूस और शोभा यात्रा निकाली गई थी। प्रशासन की ओर से चुस्त दुरुस्त व्यवस्था की गई थी। सब कुछ ठीक तरीके से संपन्न हो ही गया था लेकिन 10:45 और 11 बजे के आस पास शीश महल चौक के पास चेहल्लुम का जुलूस समाप्त होने के कगार पर था। तभी पत्थर चलने की सूचना हम लोगों को मिली । हालांकि सूचना के बाद वहां मजिस्ट्रेट और पुलिसबल को तैनात कर मामले को शांत कराया गया था। वहीं एसपी ने बताया कि इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो भाइयों को गिरफ्तार किया है, जिसमें से एक ने शराब पी रखी थी। इसके साथ ही आगे भी कार्रवाई में हमारी टीम लगी हुई है। जो लोग नीचे से पत्थरबाजी कर रहे थे, सीसीटीवी फुटेज की मदद से उनकी भी तलाश की जा रही है। वहीं इस मामले में तीन एफआईआर की जा रही है। जिसमें अभियुक्त के घर पर पथराव और जो शीशे टूटे है उनके आधार पर भी मामला दर्ज किया जायेगा। उसके बाद प्रशासन अपनी तरफ से भी मामला दर्ज कर रहा है। जो भी इस मामले में शरारती तत्व थे उनपर कार्रवाई करने में जुट गया है। अब तक पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से 15 लोगों को चिन्हित कर लिया गया है। जल्द ही उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी। इसके साथ ही शुक्रवार को दोनों पक्षों के लोगों के साथ शांति समिति की बैठक भी की गई है। दोनों पक्ष अब शांति तरीके से है और पहले से भी रहते आ रहे है। गुरुवार को जो भी घटना हुई थी अभियुक्त ने शराब के नशे में की थी, जिसपर कार्रवाई की गई है। वहीं दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांक सह सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा के बयान पर भी एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। जिसमें यह लिखा गया है कि मेरी ड्यूटी चेहल्लुम को लेकर शीश महल चौक के पास रखी गई थी।

महिला सिपाही हूं, पानी नहीं पीती, टॉयलेट नहीं

पटना में 228 महिला ट्रैफिक कर्मी, शहर के मॉल-कॉलेज के भरोसे कर रहीं ड्यूटी

पटना। बिहार पुलिस में सिपाही बनी तो सोचा अब अपनी कलाई में चूड़ियां नहीं, अपराधियों को हथकड़ी पहनाऊंगी। कानून व्यवस्था के लिए हमेशा डटकर मुकाबला करूंगी, लेकिन ड्यूटी लगी तो सिस्टम से लड़ाई शुरू हो गई। यूरिन के डर से ड्यूटी पर पानी नहीं पीती। किडनी में कांटा जैसा चुभता है, लेकिन अपना दर्द किसी से कह नहीं पाती। ड्यूटी पर निकलने से पहले टॉयलेट की चिंता रहती है। पानी कम पीने के बाद भी कभी जरूरत महसूस हुई तो इन्फेक्शन के डर से पब्लिक टॉयलेट यूज नहीं करती। यूरिन से ब्लैडर फूल जाता है, लेकिन अपना दर्द किसी से साझा नहीं कर पाती। अनुशासन वाले विभाग में अपना दर्द भी बयां नहीं कर सकती। ये दर्द भरी कहानियां उन महिला सिपाहियों की है, जो अपराधियों से नहीं सिस्टम से परेशान हैं। वह ड्यूटी पर हर दिन ऐसे ही सिस्टम से लड़ रही हैं। अनुशासन वाले विभाग में कार्रवाई के डर से वह अपनी समस्या भी नहीं बता पाती हैं। बिहार देश का ऐसा राज्य है जहां सबसे अधिक महिला पुलिसकर्मी कार्यरत हैं। विभाग के आंकड़ों के अनुसार, बिहार में 24 हजार से अधिक महिला पुलिसकर्मी हैं। यह देश का लगभग 26% है, लेकिन इन्हें ड्यूटी के दौरान बाथरुम के लिए दूसरों के घरों का सहारा लेना पड़ता है। हमने राजधानी पटना में महिला पुलिसकर्मियों से बात की। खासकर हमारी चिंता ट्रैफिक संभालने वाली महिलाकर्मियों को लेकर थी। पटना ट्रैफिक पुलिस में ऑफिसर्स समेत 228 महिलाकर्मी हैं। पटना में फील्ड ड्यूटी पर तैनात महिला पुलिसकर्मियों का कहना है कि ड्यूटी के वक्त वह पानी कम पीती हैं। ड्यूटी किसी ऐसी जगह लग जाए, जहां बाथरुम की सुविधा न हो तो उस जगह पर वह पानी पीती ही नहीं हैं। ताकि टॉयलेट ना आए। उन्होंने कैमरे पर आए बिना और नाम गुप्त रखने की शर्त पर दैनिक भास्कर से बात की। महिला पुलिस ने बताया- पटना के पब्लिक टॉयलेट की हालत ऐसी है कि वहां यूरिन डिस्चार्ज करना तो दूर, बगल से गुजरना भी कोई पसंद नहीं करता। अगर ना चाहते हुए भी पब्लिक टॉयलेट का इस्तेमाल करना पड़ता है तो कई सारी शारीरिक परेशानियां शुरू हो जाती हैं। वैसी जगह जाकर यूरिन डिस्चार्ज से इन्फेक्शन हो जाता है। जिससे दर्द, जलन और चिड़चिड़ापन रहता है, लेकिन फिर भी ड्यूटी पर तैनात रहते हैं। परेशानी होने पर छुट्टी तक नहीं मिलती। टॉयलेट करने के लिए हमें मॉल, पेट्रोल पंप, स्कूल-कॉलेज या फिर किसी के घर का दरवाजा खटखटाना पड़ता है। क्या करें? बहुत शर्म भी आती है, लेकिन कभी-कभी ऐसी परिस्थितियों बन जाती हैं कि जाना ही पड़ जाता है। अगर माहवारी का समय चल रहा हो तब तो और ज्यादा परेशानी बढ़ जाती है। सरकार की तरफ से दो दिनों की छुट्टी मिल जाती है, लेकिन बाकी के तीन दिनों में काफी परेशानी हो जाती है। पैड चेंज करना, वॉशरूम जाना, इंटिमेट एरिया को साफ रखना हमारे लिए चुनौतीपूर्ण हो जाता है, लेकिन क्या करें धीरे-धीरे अपने बॉडी को सिस्टम के अनुसार ढाल देते हैं। ट्रैफिक में तैनात महिला पुलिस का हाल तो और बेहाल है। दिनभर धूप और बारिश में खड़े होकर ट्रैफिक नियमों का पालन करवाने वाली ये महिलाकर्मी बताती हैं कि दिनभर धूप और बारिश में खड़े रहते हैं, लेकिन पानी कम पीती हूं। डर लगता है कि टॉयलेट ना आ जाए। पेट्रोल पंप और स्कूल का सहारा लेना पड़ता है। जहां यह दोनों न तो वहां पानी पीने से बचती हूं। टॉयलेट आने पर भी उसे रोक कर रखती हूं। महिलाकर्मी कहती हैं- हम कहने को तो पावरफुल बॉडी हैं, लेकिन खुद के सिस्टम से लड़ रहे हैं। टॉयलेट रोकने से इंटिमेट एरिया में जलन महसूस होती है। जिससे बार-बार टॉयलेट का एहसास होने लगता है, लेकिन मुंह से एक उफ तक नहीं निकाल सकते। अभी जहां मैं ट्रैफिक नियमों का पालन करवा रही हूं। वहां पर ट्रैफिक पुलिस के लिए एक केबिन तक नहीं है। सुबह से शाम तक हम यहीं पर तैनात रहती। स्पेशल भी आकर देख कर गए हैं कि यहां केबिन की जरूरत है, लेकिन पेड़ की छांव में ही कुर्सी लगाकर केबिन चल रहा है। प्रॉब्लम बताओ तो नौकरी से हाथ धोने का डर सताता है। इसलिए कभी कुछ बोला ही नहीं। इन महिलाकर्मियों से बात करने के बाद पटना के 5 मुख्य चौराहों पर महिला पुलिस कर्मियों की तैनाती का जायजा लिया। ये पता करना चाहा कि इन जगहों पर पब्लिक टॉयलेट का क्या हाल है। एग्जीबिशन रोड, डाकबंगला चौराहा, हाईकोर्ट, उद्योग भवन और कोतवाली थाना के आस-पास के एरिया की पड़ताल की। पता चला कि गांधी मैदान के पास दो पब्लिक टॉयलेट है। बाकि जगहों पर पब्लिक टॉयलेट हैं ही नहीं। गांधी मैदान के गेट नंबर 7 के पास जो पब्लिक टॉयलेट है, उसकी स्थित बद-से-बदतर दिखी। हर तरफ गंदगी और बदबू फैली हुई थी। बेसिन के पाइप टूटे हुए थे। पेशाब बाहर तक फैला था। एग्जीबिशन रोड चौराहे पर तैनात महिला ट्रैफिक पुलिस वहां के होटल्स का इस्तेमाल करती हैं। डाकबंगला चौराहे पर तैनात महिला पुलिसकर्मी ज्वेलरी शॉप या पेट्रोल पंप का इस्तेमाल करती हैं। जब हाईकोर्ट के पास तैनात महिला पुलिसकर्मी से बात की तो उन्होंने बताया कि वीमेन कॉलेज जाना पड़ता है। जब कॉलेज बंद रहता है तो दिक्कत हो जाती है। उस वक्त पानी नहीं पीना ही ऑप्शन बचता है। आखिरी में हम कोतवाली थाने के चौराहे पर पहुंचे। वहां मौजूद महिला पुलिसकर्मी से बात की तो पता चला कि वह थाने का इस्तेमाल करती हैं। पटना के PMCH में कार्यरत गाइनेकोलॉजिस्ट डॉ. अनुपमा ने बताया कि उनके पास हर महीने यूरिन इन्फेक्शन से परेशान महिला पुलिस कर्मियों के 60 से 70 केस आते हैं। जो भी महिला पुलिसकर्मी UTI प्रॉब्लम को लेकर आती हैं, उन्हें वह सलाह देती हैं कि वह साफ बाथरूम का इस्तेमाल करें। बहुत देर तक यूरिन को न रोके और हाइजीन को मेंटेन रखें। जनरल फिजिशियन डॉ. राणा एस पी सिंह ने बताया कि महिला पुलिस कर्मियों में यह इन्फेक्शन कॉमन होता जा रहा है। उन्हें चाहिए कि समय-समय पर यूरिन डिस्चार्ज करती रहें। जब भी ये इन्फेक्शन हो तो उसे काफी समय तक इग्नोर न करके उसका इलाज करवाएं। डॉ अनुपमा ने बताया कि गर्मियों के समय में यूरिन इन्फेक्शन के मामले महिलाओं में काफी ज्यादा बढ़ जाते हैं। खासतौर पर यह इन्फेक्शन वैसी महिलाओं में होता है, जो काफी देर तक टॉयलेट को होल्ड करती हैं। जो कम पानी पीती हैं और साफ टॉयलेट का इस्तेमाल नहीं करती। ऐसे मामले ज्यादातर महिला पुलिसकर्मियों में देखने को मिल रही है। डॉ अनुपमा ने बताया कि वळकप्रॉब्लम अपने आप में काफी पीड़ा देने वाली बीमारी है। इससे महिलाओं को पेट और इंटिमेट एरिया में काफी दर्द होता है। पेशाब में जलन, बार-बार टॉयलेट का इच्छा होता है। अगर इसे जल्दी ठीक ना किया जाए तो इन्फेक्शन किडनी तक फैलने की संभावना होती है। किडनी स्टोन जैसी गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाती है। यूरिन ब्लैडर अगर बहुत देर तक खाली ना हो तो उसके अंदर बैक्टीरिया पनपन लगते हैं। शुरूआती दौर में अच्छे एंटीबायोटिक से इसे ठीक किया जा सकता है। अगर इसे ठीक ना किया जाए और यह बार-बार हो तो लोअर यूरिन ट्रैक से अपर यूरिन ट्रैक में बढ़ जाती है। इसके बाद यह बीमारी यूरेटर और किडनी तक फैल जाती है। जिसे हम डॉक्टर की भाषा में पायलोनेफ्राइटिस कहते हैं, जो कि एक गंभीर समस्या है। इसके अलावा अगर पीरियड के समय महिला को यूरिन इन्फेक्शन हो जाए तो यह और ज्यादा बुरा हो सकता है। इसे लेकर डॉ. राणा एस पी सिंह ने बताया कि पीरियड के दौरान सतर्क रहने की जरूरत है। इस दौरान महिलाओं की बॉडी की इम्युनिटी लो हो जाती है। जिस कारण बच्चेदानी तक इन्फेक्शन फैलने का डर रहता है। ऐसी महिलाएं जिन्हें यह समस्या हो रही है या फिर वह काफी देर तक फील्ड ड्यूटी में रह रही हैं उन्हें खासतौर पर खुद पर ध्यान देना होगा। ऐसी महिलाओं को ज्यादा समय तक यूरिन होल्ड नहीं करना चाहिए। पानी पीते रहना चाहिए। कम से कम पब्लिक टॉयलेट का इस्तेमाल करें। हाइजीन मेंटेन करें और जब भी जलन, बार-बार टॉयलेट करने की इच्छा या दर्द हो तो डॉक्टर से सलाह जरूर करें। पटना नगर निगम के द्वारा पूरे पटना भर में 71 पब्लिक टॉयलेट बनाए गए। वहीं, सात कम्युनिटी टॉयलेट का निर्माण कराया गया है, लेकिन इन शौचालयों का हाल देखने जब दैनिक भास्कर निकला तो पटना के सेंटर पॉइंट यानी गांधी मैदान के पास बने पब्लिक टॉयलेट का हाल बदहाल दिखा। दूर से ही पेशाब की बदबू आ रही थी। अंदर जाने पर हर तरफ पेशाब, थूक और गंदगी दिख रही थी। सैनिटाइजेशन के नाम पर उसे शौचालय में एक हैंड वॉश या साबुन तक नहीं था। बेसिंग के पाइप टूटे हुए थे। महिला टॉयलेट का इस्तेमाल करने आई दो लड़कियों ने हाल देखकर कहा कि यहां जाने से अच्छा मॉल या होटल का बाथरूम इस्तेमाल करना पसंद करेंगी।

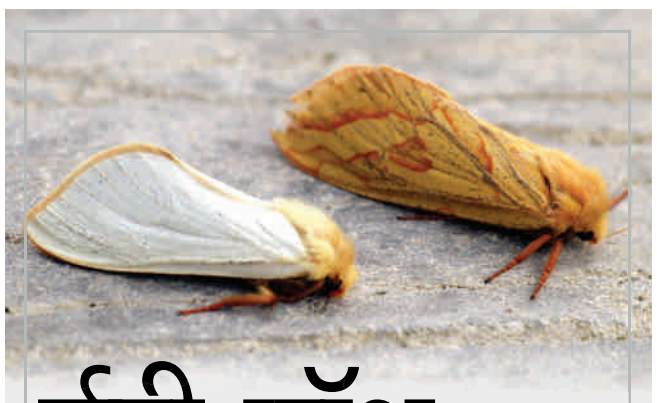

ईरी मॉथ : यह है दुनिया का सबसे बड़ा पतंगा

ब्राजील में पाए जाने वाले इस पतंगे को दुनिया में सबसे बड़े कीट का दर्जा प्राप्त है। इसे ईरी मॉथ, ग्रेट ऑवलेट माथ, घोस्ट मॉथ, वाइट व्हिच, ग्रेट ग्रे विच जैसे विभिन्न नामों से जाना जाता है। पतंगों की दुनिया में इसके पंख सबसे लंबे होते हैं, जिनक आकार 30 सेंटीमीटर तक होता है। हालांकि हरक्यूलिस माथ और एटलस माथ के पंखों का क्षेत्रफल ज्यादा होता है।

जीवन सिर्फ दो हफ्तों का

इसके पंखों पर बने विशिष्ट आकार के पैटर्न इसे ट्रॉपिकल जंगलों में पेड़ों के बीच छिपने में मदद करते हैं। यह इतना बड़ा पतंगा भी शिकारियों की नजर से बचा रहता है। इसके इसी छद्मावरण के कारण इसे देखना बड़ा मुश्किल होता है। पंखों का रंग क्रीमी वाइट या हल्का भूरा होता है, जिन पर कई बादामी और काली धारियां जिगजैग पैटर्न बनाती हैं। नर में ये पैटर्न ज्यादा स्पष्ट होते हैं। उनका जीवन काल एक-दो सप्ताह तक ही होता है।

पेड़ों की पत्तियों पर देती है अंडे

इनकी मादाएं रबर के पेड़ और केसिया जैसे पेड़ों की पत्तियों पर अपने अंडे देती हैं, जिनसे निकलने वाले लार्वा इन्हीं की पत्तियों को खाकर बड़े होते हैं। ये युवा बन प्यूपा बनाते हैं। ये पतंगे ऊरग्वे से लेकर मेक्सिको और कभी-कभी टैक्सास तक पहुंच जाते हैं।

सांस्कृतिक मान्यताएं

दक्षिण अमेरिका की कई संस्कृतियों में यह मान्यता है कि यह पतंगे छिपी हुई अदृश्य दुनिया के संदेशवाहक हैं। वहां के लोगों का मानना है कि मृत लोगों की आत्माओं को ये अपने विशाल पंखों पर धारण करती है।

जमीन पर रेंग कर चलने वाली पर्च मछली

'मछली जल की रानी है, जीवन उसका पानी है,हाथ लगाओ डर जाएगी, बाहर निकालो मर जाएगी' मछलियों के बारे में भले ही आपने बचपन से ही ये बातें सुनी हों अर्थात यह कहा जाता रहा है कि बिना जल के मछली के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती लेकिन 'पर्च' नामक मछली की एक प्रजाति ऐसी भी है, जो न सिर्फ पानी से बाहर भी 12 घंटे तक जीवित रह सकती है बल्कि जमीन पर रेंग कर चल भी सकती है। अन्य प्रकार की मछलियों को पक्षी भले ही न छोड़ें पर पर्च मछली को पक्षी नहीं खाते।

कारण है पर्च में पाए जाने वाले कांटे। आपको यह जानकर भी बड़ी हैरानी होगी कि इस मछली को सबसे पहले किसी जलस्रोत में नहीं बल्कि खजूर के एक पेड़ पर देखा गया था, यही वजह है कि इसे 'आरोही' मछली भी कहा जाता है। पूरे भारतीय प्रायद्वीप में पाई जाने वाली पर्च मछली ताजे पानी की मछली है जो हमेशा एक बेहतर घर की तलाश में रहती है। इसके शरीर में एक विशेष अंग होता है जिसके जरिए यह पानी के बाहर भी सांस ले पाती है। इसके गलफड़े अच्छी तरह विकसित नहीं होते। यही वजह है कि इसे सांस लेने के लिए बार-बार पानी की सतह पर आना पड़ता है। यदि पानी स्थिर हो जाए या फिर ज्यादा दूषित हो जाए तो यह पानी से बाहर आकर नए घर की तलाश शुरू कर देती है। पानी से बाहर यह करीब 12 घंटे तक जीवित रह सकती है, बशर्ते कि इसके गलफड़े तब तक गीले रहें। पानी से बाहर सांस लेने की अपनी अद्भुत क्षमता के कारण ही यह मछली वापस अपना रास्ता खोज लेती है।

रोमांच का दूसरा नाम मसाई मारा

केन्या का मसाई मारा राष्ट्रीय उद्यान जैव विविधता तथा तरह-तरह के जीव-जंतुओं के लिए दुनिया भर में मशहूर है। रोमांचक अनुभवों का शौक रखने वाले पर्यटक यहां तम्बुओं में रात बिताते हैं। रात में करीब ही लक्कड़बग्घों के गुर्राने की आवाजें सुनाई पड़ती हैं तो दरियाई घोड़े तम्बुओं को सूंघ कर आगे बढ़ जाते हैं। कहीं न कहीं से रह-रह कर शेर की दहाड़ भी कानों में पड़ती रहती है। इस जंगल में हाथियों, जंगली भैंसों तथा चीतों की भी कोई कमी नहीं है।

रोमांच के शौकीनों के लिए मसाई मारा किसी स्वर्ग से कम नहीं है। सुबह सूरज की पहली किरणों के साथ अफ्रीका के कुछ सर्वाधिक खूबसूरत नजारे मसाई मारा में नजर आने लगते हैं। पर्यटन केन्या की आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत है जिसके बाद फूलों, कॉफी तथा चाय के निर्यात से होने वाली आय है। ट्रकेन्या में पर्यटन उद्योग हाल के दिनों में एक बार फिर अपने पैरों पर खड़ा होने लगा है, जब 2008 में केन्या में मची उथल-पुथल तथा खून-खराबे ने यहां सफारी पर्यटन को भारी नुक्सान पहुंचाया था।

पहली बार मसाई मारा आने वाले लोग इसके अनोखेपन से अभिभूत हुए बिना नहीं रह पाते हैं। करीब स्थित तंजानिया के सैरेंगेटी से बेशक ग्नू (हिरण की प्रजाति के जानवर) के झुंड इन दिनों यहां नहीं पहुंच रहे हों, फिर भी यह राष्ट्रीय उद्यान अनेक जानवरों की तस्वीरों से भरी किसी सुंदर पुस्तक जैसा प्रतीत होता है। जो लोग यहां करीब 30 साल पहले आ चुके हैं, वे याद कर सकते हैं कि तब यहां पहुंचने के लिए राजधानी नैरोबी से कार में 250 किलोमीटर का सफर तय करके पहुंचना पड़ता था परंतु अब सीधे हवाई जहाज में यहां पहुंचा जा सकता है।

पहले की तुलना में वे यहां कई अंतर देख सकते हैं। मसाई मारा तक जाने वाले रास्ते के दोनों तरफ अब बाड़ों में घिरे गेहूं के खेत तथा पालतु पशुओं के झुंड दिखाई देते हैं। अब यहां पहले की तुलना में जानवर भी कहीं कम हैं। केन्या में बढ़ती जनसंख्या का दबाव अब जंगलों तक पहुंच चुका है। 1980 से अब तक केन्या की जनसंख्या 150 प्रतिशत बढ़ कर 4 करोड़ 10 लाख तक पहुंच चुकी है। लोगों को रहने के लिए स्थान भी चाहिए और भोजन भी, जिसका विपरीत असर जंगलों और उनमें रहने वाले जीवों पर साफ नजर आता है। केन्या के जंगलों में खूब सारे जानवर हैं तो कुछ शिकारी भी हैं परंतु अभी यहां जानवरों का शिकार नियंत्रण में है। वैसे भी मसाई लड़ाके (मूल निवासी या यहां रहने वाले आदिवासी) प्राचीन काल से भाले से शेर का शिकार करके अपनी मर्दानगी साबित करते आए हैं। केन्या की जैव विविधता पर नजर रखने वाले कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि मसाई मारा राष्ट्रीय उद्यान में गैर-कानूनी रूप से चरने वाले पशुओं की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। 1977 से अब तक यह संख्या 10 गुणा बढ़ चुकी है। दूसरी तरफ वन्य जीवों की संख्या में दो-

तिहाई कमी आई है। इस संबंध में जारी पहले दीर्घकालीन अध्ययन के नतीजों पर कई लोगों ने आपत्ति भी जाहिर की है परंतु जानकारों का कहना है कि नतीजों में दिख रहे नकारात्मक रुझानों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है और पिछले 35 सालों के दौरान सम्पूर्ण मसाई क्षेत्र में जंगली जानवरों की संख्या में 80 प्रतिशत तक कमी आई है। काफी सारा जंगली इलाका किसानों को पशु चराने तथा खेती के लिए सौंप दिया गया है। वे जंगल जिनमें मूल मसाई लोग खेती किया करते थे तथा जो उनके संरक्षण में रहते थे, अब तेजी से काटे जा रहे हैं। केन्या के जंगलों के समक्ष इन चुनौतियों तथा चिंताओं के बावजूद भी मसाई मारा की यात्रा एक अविस्मरणीय अनुभव बन जाती है। जंगल में रात गुजारने के लिए अनेक बंदोबस्त हैं परंतु उनमें से अधिकतर काफी महंगे हैं। वहां लॉज तथा तम्बू भी मिल जाते हैं और वे भी विभिन्न तरह के। यहां पर्यटकों के लिए कई कैम्प लगे रहते हैं। ऐसे ही एक मारा बुश कैम्प में हर तम्बू में एक काऊबैल लगाई गई है ताकि किसी जानवर के करीब आने पर अलार्म बज जाए क्योंकि इस कैम्प के चारों ओर कोई बाड़ नहीं लगी है। इससे पहले कि आप यहां किसी रेस्तरां या कैम्प फायर तक जाने के लिए निकलें, अपने साथ भाले से लैस किसी स्थानीय मसाई लड़ाके को ले जाना न भूलें।

हवाओं का सबसे खतरनाक स्वरूप हरीकेन या टायफून

किसी न्यूज चैनल पर या मूवी में जब हवाओं का एक स्पिन करता हुआ गोला तेजी से पेड़, कार, जानवरों सबको खाते हुए दिखता है तो लगता है जैसे प्रकृति गुस्से से लाल-पीली नहीं बल्कि काली और भूरी हो रही है। हवा और पानी के रौद्र रूप का ये भी एक उदाहरण है। ये वो तूफान हैं जो अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को तोड़-मरोड़ कर खत्म कर देते हैं। इन तूफानों के समय हवा की रफ्तार 150 मील प्रति घंटा और इससे कहीं ज्यादा तक हो सकती है। जानो इन खास तूफानी रूपों के बारे में और समझो इनके पीछे का विज्ञान।

किसी चैनल पर या मूवी तुमने भी हवाओं का एक स्पिन करता हुआ गोला तेजी से पेड़, कार, जानवरों सबको खाते हुए देखा होगा। इन्हें तुमने कई बार डिस्कवरी चैनल पर या किसी हॉलीवुड मूवी में भी देखा होगा। जमीन के साथ-साथ ये तूफानी बादलों की सतह से भी जुड़े हुए मालूम होते हैं। टॉरनेडो के अलावा इसे सायक्लोन या ट्विस्टर भी कहा जाता है। ये सारी चीजों को ट्विस्ट करता हुआ जो उठता है। दूर से देखो तो ऐसा लगता है मानो बादल से किसी ने एक बड़े से कपड़े को जमीन पर खड़े किसी हाथ में में पकड़ा दिया हो और बादल और जमीन दोनों मिलकर उस कपड़े को निचोड़ रहे हों। वहीं सायक्लोन नाम का उपयोग मेटरोलॉजी यानी मौसम विज्ञान में ज्यादा बड़े तूफान के मामले में किया जाता है। हिंदी में ये चक्रवात या बवंडर कहलाते हैं। यूं टॉरनेडो नाम स्पेनिश शब्द 'ट्रोनाडा'' से बना है जिसका मतलब है 'थंडरस्ट्रॉम।'' टॉरनेडो अलग-अलग साइज के हो सकते हैं पर इनका आकार तुम्हारी कैमेस्ट्री लैब में मौजूद फनल के जैसा होता है। जमीन की तरफ से संकरा और आसमान की ओर खुला हुआ। ये धूल का बड़ा सा गुबार होते हैं। सायक्लोन उन जगहों पर ज्यादा पैदा होते हैं जो जगहें इक्वेटर से पास हैं और ध्रुवों की तरफ यानी इक्वेटर से दूर जगहों पर ये कम पाए जाते हैं।

हमारे देश में ये बंगाल की खाड़ी के पास वाले इलाकों में ज्यादा दिखाई देते हैं। वैसे अंटार्कटिका के अलावा ये लगभग हर कॉन्टिनेंट में मिलते हैं। इनकी सबसे ज्यादा संख्या पाई जाती है अमेरिका के 'टॉरनेडो ऐली'' रीजन में। वैसे उत्तरी अमेरिका में इनका होना बहुत आम है। इनके आने का पता लगाने के लिए 'पल्स डॉप्लर राडार'' की मदद ली जाती है और इन्हें नापने के लिए कई तरह की फ्यूजिटा या टॉरो जैसी स्केल्स का उपयोग किया जाता है।

सामान्यतः किसी एक तूफान से एक से ज्यादा टॉरनेडो भी पैदा हो सकते हैं। ऐसे में इन्हें टॉरनेडो फैमेली भी कहा जाता है। यही नहीं जिस जगह टॉरनेडो बन रहे हैं उस जगह के नेचर के हिसाब से इनका रंग भी अलग-अलग हो सकता है। जैसे पानी के ऊपर उठने वाले टॉरनेडो सफेद या नीले हो सकते हैं तो कभी मिट्टी पर उठने के कारण ये लाल रंग के भी हो सकते हैं। है यह भी चक्रवात या सायक्लोन का ही एक रूप लेकिन इसका रिजल्ट भारी बारिश और बाढ़ वाले तूफान के रूप में दिखाई देता है। यानी ये पानी का खतरनाक रूप हैं। इन्हें भी तुमने कई हॉलीवुड मूवीज में देखा होगा। ये ट्रॉपिकल सायक्लोन कहलाते हैं जो कि मैक्सिको की खाड़ी, कैरेबियन सी, पूर्वी प्रशांत महासागर यानी ईस्टर्न पेसिफिक ओशियन तथा दक्षिणी अटलांटिक ओशियन जैसी जगहों पर जन्म लेते हैं। समुद्र की सतह पर मौजूद भाप से ये एनर्जी पाते हैं। इससे ही फिर भयानक बारिश वाले बादल आकार लेते हैं। इन्हें हरीकेन और टायफून के अलावा ट्रॉपिकल स्टॉर्म, ट्रॉपिकल डिप्रेशन आदि नामों से भी जाना जाता है। खास बात यह कि जमीन पर आने के बाद ये कमजोर पड़ जाते हैं क्योंकि उस समय ये अपने एनर्जी के सोर्स से यानी समुद्र की सतह से अलग होने लगते हैं। इनके बनते समय हवा पानी की सतह से ऊपर उठने की बजाय पानी के भीतर जाकर गोल, घुमावदार रूप ले लेती है।

इससे पानी पर एक खाली जगह बन जाती है जिसे 'आई'' यानी आंख कहा जाता है। दुनियाभर में ये तूफान आमतौर पर गरमी के मौसम के विदा लेते समय पैदा होते हैं जब समुद्र की सतह का तापमान सबसे ज्यादा होता है और भाप तेजी से बनती है। हालांकि, इसके अलावा भी अलग-अलग जगह इनका अलग सीजन हो सकता है। जमीन पर मौजूद डॉप्लर वेदर राडार के अलावा वेदर सैटेलाइट के जरिए भी इनके आने की सूचना मिल सकती है।

इनका टायफून नाम अरबी भाषा के 'तूफान'' शब्द से लिया गया है जिसे हिंदी और उर्दू में भी उपयोग में लाया जाता है। तूफान शब्द असल में ग्रीक मायथोलॉजी में तूफान के एक राक्षस 'टायफोन'' से भी जुड़ता है। वहीं हरीकेन शब्द स्पेनिश भाषा से आया है और तूफानों के देवता 'हुराकान'' को दर्शाता है। सबसे मजेदार बात यह है कि इन तूफानों की पहचान के लिए इनको बकायदा नाम दिए जाते हैं।

भारत बनाम पाकिस्तान मैच के लिए अहम फैसला, बारिश के कारण मुकाबले के लिए होगा रिजर्व डे

कोलंबो (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का दो साल का अनुबंध वनडे विश्वकप के बाद समाप्त हो जाएगा और अगर भारत इसे जीतने में सफल रहता है तो यह देखना दिलचस्प होगा कि द्रविड़ को आगे भी इस पद पर बनाए रखा जाएगा या नहीं।

भारत यदि खिताबी मुकाबले में नहीं पहुंच पाता है तो इसकी गाज द्रविड़ पर गिर सकती है क्योंकि टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने को बड़ी उपलब्धि नहीं माना जाएगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ऐसे में नए कोच की तलाश कर सकता है। यह देखना भी दिलचस्प है कि अगर बीसीसीआई द्रविड़ के सामने नया अनुबंध पेश करता है तो क्या वह इसके इच्छुक होंगे या नहीं।

क्रिकेट पंडितों का मानना है कि अगर द्रविड़ कोच पद पर बने रहने के इच्छुक होते हैं तो उन्हें दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखलाओं के लिए इस पद पर बनाए रखना चाहिए। विश्वकप के अगले चक्र से पहले टेस्ट और सीमित ओवरों के प्रारूपों के लिए अलग-अलग कोच रखने में कोई बुराई नहीं है जैसा कि अभी इंग्लैंड कर रहा है। द्रविड़ की जगह कोच पद के लिए आशीष नेहरा अच्छी पसंद हो सकते हैं क्योंकि आईपीएल में वह काफी सफल रहे हैं लेकिन इस पूर्व तेज गेंदबाज के करीबियों के अनुसार उनकी राष्ट्रीय टीम का कोच बनने में दिलचस्पी नहीं है क्य

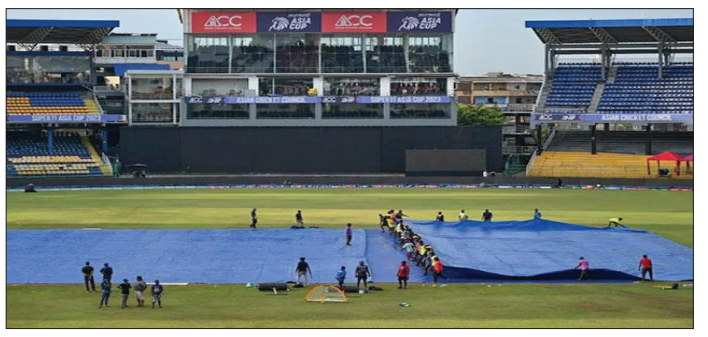

सबसे उम्रदराज पुरुष खिलाड़ी रोहन बोपन्ना विजेता बनने से चूके

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। आर्थर ऐश स्टेडियम में भारत के रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एब्डेन यूएस ओपन के पुरुष युगल फाइनल में राजीव राम और जो सैलिसबरी से हार गए। पुरुष युगल फ़ाइनल में इतिहास दांव पर था, क्योंकि दोनों जोड़ियों के पास रिकॉर्ड बुक में शामिल होने का मौका था। ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज पुरुष खिलाड़ी रोहन बोपन्ना सबसे उम्रदराज विजेता बनने की उम्मीद कर रहे थे, जबकि राजीव राम और जो सैलिसबरी यूएस ओपन खिताब की हैट्रिक की उम्मीद कर रहे थे।

अंत में, 2021 और 2022 के चैंपियन ने बोपन्ना और एब्डेन की वीरतापूर्ण जोड़ी को पीछे छोड़ते हुए एक आकर्षक वापसी की। फाइनल में बोपन्ना के लिए यह दूसरी बार दुर्भाग्यशाली रहा क्योंकि 2010 के फाइनल में हारने के बाद फिर फाइनल में हारे। बोपन्ना की ओर से यह एक स्वप्निल शुरुआत थी, वॉली पुटअवे और क्रूर फोरहैंड ने प्यार को तत्काल विराम दे दिया। मौजूदा चैंपियन राम और सैलिसबरी ने एक मौका बनाने के लिए त्वरित आदान-प्रदान के संग्रह में दबाव बढ़ाया, लेकिन बोपन्ना की तेजी से डिलीवरी और एबडेन के क्लीन नेट प्ले ने खतरे को खत्म कर दिया और 3-1 से आगे हो गए।

राम ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को चेतावनी संकेत देने के लिए एक लेज़र-जैसे इनसाइड-इन-फोरहैंड रिटर्न विनर को फ्लिक किया - वे न्यूयॉर्क में वापस लय में थे। निर्णायक गेम में बोपन्ना अपनी सर्विस पर 0-40 से पीछे रह गये। बैक पैडलिंग के दौरान मंत्रमुग्ध कर देने वाले फोरहैंड लॉब ने उत्प्रेरक को लगातार पांच अंकों से बचने में मदद की।

भारतीय ने ब्रेक के मौके के लिए राम और सैलिसबरी को विभाजित करने के लिए बैकहैंड रिटर्न राइफ़ल किया। मौजूदा चैंपियन डटे रहे और तीन ब्रेक प्वाइंट बचाकर 2-2 से बराबरी कर ली। राम/सैलिसबरी लगातार तीन गेमों में स्कोरबोर्ड पर 4-2 के साथ गौरव की ओर बढ़ते हुए प्रमुख बिंदुओं का दावा कर रहे थे। कुछ अत्यधिक सराहनीय खेल कौशल का समय था। एक निर्णायक मोड़ पर, बोपन्ना ने 2-4 पर एक अंक गंवा दिया, यह जानते हुए कि एबडेन फोरहैंड ने दिशा बदलने के लिए उनकी बांह पर प्रहार किया था।

बिग बी के बाद सचिन को जय शाह ने दिया गोल्डन टिकट

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 से पहले भारत के महानतम बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को गोल्डन टिकट प्रदान किया। विश्व कप भारत में 5 अक्टूबर से आयोजित होना है। अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम टूर्नामेंट के उद्घाटन और फाइनल की मेजबानी करेगा। बीसीसीआई ने अपने एक्स हैंडल पर सचिन तेंदुलकर के साथ जय शाह की एक तस्वीर साझा की, जिसमें उन्हें बीसीसीआई के गोल्डन टिकट फॉर इंडिया आइकॉन्स कार्यक्रम के एक भाग के रूप में गोल्डन टिकट दिया गया। क्रिकेट और राष्ट्र के लिए एक गौरवमर्य पल। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने भारत रत्न सचिन को गोल्डन टिकट प्रदान किया। राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक सचिन तेंदुलकर की यात्रा ने पीढ़ियों को प्रेरित किया है।

बता दें कि सचिन ने वनडे फार्मेट के 463 मैचों में 18,426 रन बनाए हैं। विश्व कप टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी उनके नाम है। उन्होंने 6 विश्व कप में हिस्सा लेकर 45 मैचों में 2,278 रन बनाए हैं। सचिन ने 6 शतकों और 15 अर्द्धशतकों की मदद से 56.95 की औसत से ये रन बनाए हैं। टूर्नामेंट में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 152 है। सचिन ने आईसीसी क्रिकेट विश्व कप में दो गोल्डन बैट पुरस्कार जीते हैं। विश्व कप 1996 में वह 523 रन बनाकर गोल्डन बैट पाने वाले पहले भारतीय बने थे। टूर्नामेंट के 2003 संस्करण में वह सर्वाधिक रन बनाने के कारण गोल्डन बैट हासिल करने में सफल रहे थे। सचिन ने तब 11 मैचों में 673 रन बनाए थे। बता दें कि जय शाह ने मंगलवार को प्रतिष्ठित बॉलीवुड मेगास्टार अमिताभ बच्चन को भी यह विशेष गोल्डन टिकट प्रदान किया था।

इंग्लैंड पर भारी पड़ी न्यूजीलैंड टीम, 8 विकेट से दी मात

नई दिल्ली (एजेंसी)। वनडे सीरीज के पहले मैच में न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को 8 विकेट से हरा दिया । इंग्लिश टीम से मिले 292 रन के लक्ष्य को कीवी टीम ने हंसते-खेलते हुए महज 2 विकेट खोकर 45.4 ओवर में हासिल कर लिया। न्यूजीलैंड की तरफ से डेवोन कॉनवे और डेरियल मिचेल ने शतकीय पारी खेली। दोनों ने मिलकर तीसरे विकेट के लिए 180 रन की अटूट साझेदारी निभाई। आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से खेलने वाले डेवोन कॉनवे का बल्ला इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में जमकर बोला। कीवी ओपनर ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 121 गेंदों पर 111 रन की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान

कॉनवे ने 13 चौके और एक छक्का लगाया। वहीं, दूसरे छोर से उनको डेरियल मिचेल का भी अच्छा साथ मिला। मिचेल ने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 91 गेंदों पर 118 रन की आतिशी पारी खेली। डेरियल मिचेल ने अपनी तेज तर्रार पारी के दौरान 7 चौके और सात गगनचुंबी छक्के लगाए।

इससे पहले रिटायरमेंट से वापस लौटे बेन स्टोक्स और कप्तान जोस बटलर ने इंग्लैंड की ओर से दमदार पारी खेली। स्टोक्स ने 69 गेंदों का सामना करते हुए 3 चौके और एक छक्के की मदद से 52 रन बनाए। वहीं, बटलर ने 68 गेंदों पर 72 रन कूटे। इन दोनों के अलावा, डेविड मलान ने 54 और लियाम लिविंगस्टोन ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 40 गेंदों पर 52 रन की आतिशी पारी खेली। हालांकि पहले वनडे मैच को जीतकर न्यूजीलैंड ने सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इससे पहले चार मैचों की टी-20 इंटनेरशनल सीरीज बराबरी पर खत्म हुई थी। बता दें ?कि सीरीज का दूसरा वनडे मैच 10 सितंबर को खेला जाएगा।

यह जानना जरुरी की मैंच हम्बनटोटा में नहीं कोलंबों में क्यों कराएं जा रहे

कोलंबो (एजेंसी)। भारत के महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर चाहते हैं कि एशिया कप के 'सुपर 4 मैच को कोलंबो से हटाकर हम्बनटोटा में नहीं कराने के पीछे की सच्चाई का पता लगाना चाहिए और उनका मानना है कि कभी-कभार खिलाड़ियों को भी सभी अहम पहलुओं को समझने की जरूरत होती है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) एशिया कप की मेजबानी 'हाइब्रिड मॉडल से कर रहा है जिसमें भारत अपने सभी मैच श्रीलंका में खेल रहा है क्योंकि भारत ने पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया था। कोलंबो में पूरे हफ्ते भारी बारिश की भविष्यवाणी की गई है जिससे ऐसी चर्चा चल रही थी कि मैचों को कोलंबो से हटाकर हम्बनटोटा कराया जाएगा लेकिन एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने अपना मूल कार्यक्रम ही बरकरार रखा है। गावस्कर ने कहा कि किसी को सच्चाई पता करनी चाहिए। क्रिकेट के पहलू से ऐसा दिख रहा है कि शायद वे खिलाड़ी ही हैं जो हम्बनटोटा नहीं जाना चाहते थे। उन्होंने कहा- इसलिए प्रशासकों को यह जानते हुए भी कि कोलंबो में मौसम काफी खराब हो सकता है, अंतिम क्षण में बदलकर इस हम्बनटोटा से कोलंबो में करना पड़ा। लेकिन पूर्व भारतीय कप्तान ने स्पष्ट किया कि वह किसी एक विशेष देश के खिलाड़ियों पर ही ऊंगली नहीं उठा रहे। उन्होंने कहा कि जब मैं खिलाड़ी कह रहा हूं, तब मेरा मतलब किसी एक टीम के खिलाड़ी से नहीं है लेकिन सभी टीम के खिलाड़ियों से हैं जिन्हें वहां खेलना था। गावस्कर ने प्रशासकों से भी सहानुभूति जाहिर की क्योंकि उन्हें खेल प्रशंसकों की आलोचनाओं का सामना करना पड़ता है जो खराब मौसम के कारण अपनी पसंदीदा टीम के बीच रोमांचक क्रिकेट नहीं देख पा रहे। उन्होंने कहा कि प्रशासकों पर ऊंगली उठाना आसान है और उन्हें आसानी से बलि का बकरा बनाया जा सकता है। इसलिए यह पता लगाना वास्तव में महत्वपूर्ण है कि कोलंबो की मौसम भविष्यवाणी को जानते हुए भी हम्बनटोटा में मैच क्यों नहीं कराए गए। वह हालांकि खिलाड़ियों के मैचों के कार्यक्रम के बारे में अपनी राय रखने के खिलाफ नहीं हैं लेकिन वह चाहते हैं कि जब कुछ अप्रत्याशित हालात हों जैसे खराब मौसम तो उन्हें भी इससे सामंजस्य बिठाना चाहिए।

नेमार ने पेले का रिकॉर्ड तोड़ा, ब्राजील के लिए सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बने

साओ पाउलो । नेमार शुक्रवार को तीन बार के विश्व कप विजेता और महान फुटबॉलर पेले को पछाड़कर ब्राजील के लिए सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। नेमार ने यह उपलब्धि बोलिविया के खिलाफ विश्व कप क्वालीफाइंग मैच में 61वें मिनट में गोल करके हासिल की। अमेजन शहर के बेलेम में इस 31 वर्षीय खिलाड़ी ने 78वां गोल दागा जिससे वह पेले के 77 गोल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने में सफल रहे। ब्राजील ने इस विश्व कप क्वालीफाइंग मैच में 5-1 से जीत दर्ज की। नेमार ने मैच में टीम के लिए चौथा और पांचवां गोल दागा। अब उनके कुल 79 गोल हो गए हैं। अल हिलाल का यह स्ट्राइकर 17वें मिनट में एक पेनल्टी से भी चूक गया था। नेमार ने यह रिकॉर्ड गोल करने के बाद हवा में मुक्का लगाकर जश्न मनाया जैसा कि आमतौर पर पेले किया करते थे। पिछले साल दिसंबर में पेले का निधन हो गया था जिन्होंने ब्राजील के लिए 92 मैच में 77 गोल दागे थे।

श्रीलंका में लगातार खेलने का फायदा हमें भारत के खिलाफ मिलेगा : बाबर आजम

कोलंबो । पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम ने कहा कि श्रीलंकाई परिस्थितियों में खेलने का हालिया अनुभव रविवार को होने वाले एशिया कप सुपर 4 मुकाबले में उनकी टीम को भारत पर बढ़त दिलाएगा। बाबर ने कहा, पाकिस्तान और श्रीलंका दोनों में हम जो लगातार क्रिकेट खेल रहे हैं, यह देखकर आप कह सकते हैं कि हम (भारत पर) बढ़त बनाए हुए हैं। हम पिछले दो महीनों से यहां श्रीलंका में खेल रहे हैं। पाकिस्तानी टीम ने टेस्ट खेले हैं, हमने अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज खेली और फिर एलपीएल... इसलिए यह कहा जा सकता है कि हमें फायदा है। उन्होंने कहा, हम हमेशा शेड्यूल जानते थे और हमें कितनी यात्रा करनी है। इसलिए यह

महत्वपूर्ण हो गया कि हम अपने खिलाड़ियों की देखभाल कैसे करते हैं। हमने सब कुछ अच्छी तरह से योजनाबद्ध किया है। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज एशिया कप में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं क्योंकि शाहीन शाह अफरीदी, हारिस रऊफ और नसीम शाह ने अब तक केवल तीन मैचों में 23 विकेट लिए हैं। हालांकि बाबर ने अपने स्पिनरों को बीच के ओवरों में पार्टी में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि विरोधियों पर बनाया गया दबाव कम न हो। उन्होंने कहा, हां, हमें (गेंद से) अच्छी शुरुआत मिलती है और हमारी योजना हमेशा बीच के ओवरों में अच्छी गेंदबाजी करने की होती है। प्रयास यह है कि प्रभावी संयोजन हो। हमें बीच के ओवरों में विकेटों की जरूरत है लेकिन वे हमें नहीं मिल रहे हैं। बाबर ने कहा, लेकिन आप देख सकते हैं कि हम अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। हमारे तेज गेंदबाज अंत में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। यह एक टीम का प्रदर्शन है। अगर कोई विफल रहता है, तो दूसरा गेंदबाज काम करता है।

अमेरिकी ओपन के खिताब के लिए भिड़ेंगे मेदवेदेव और जोकोविच

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिकी ओपन के खिताब के लिये विश्व के नंबर तीन खिलाड़ी रूस के दानिल मेदवेदेव की भिड़ंत 23 ग्रैंडस्लैम जीत चुके सर्बियाई खिलाड़ी नोवाक जोकोविच से होगी। जोकोविच ने शुक्रवार को अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में गैर वरीयता प्राप्त अमेरिका के बेन शेल्टन को 6-3, 6-2, 7-6 (4) से हरा दिया। इससे पहले दानिल मेदवेदेव ने गत चैंपियन स्पेनिश खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज को 7-6(3), 6-1, 3-6, 6-3 से हराया।

36 वर्षीय जोकोविच 36वीं बार ग्रैंडस्लैम के फाइनल में पहुंचे है और अगर वह अमेरिकी ओपन का खिताब अपने नाम करते हैं तो यह पेशेवर युग में अमेरिकी ओपन जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जायेंगे। जोकोविच इसी साल जनवरी में आस्ट्रेलियन ओपन और जून में फ्रेंच ओपन में ट्राफी जीतने में सफल रहे थे। रविवार को जोकोविच का सामना

2021 अमेरिकी ओपन चैम्पियन दानिल मेदवेदेव से होगा। मेदवेदेव ने 2021 में फ्लशिंग मिडोज के फाइनल में जोकोविच को हराकर उनकी कैलेंडर वर्ष ग्रैंडस्लैम पूरा करने की उम्मीद पर पानी फेर दिया था।

मेदवेदेव ने अपने ऑन-कोट 'साक्षात्कार में कहा, 'अलकराज को हराना सुखद अनुभव रहा। वह युवा है और पहले से ही दो ग्रैंड स्लैम जीत चुका है, कई हफ्तों तक दुनिया का नंबर एक खिलाड़ी रहा है, ईमानदारी से कहूं तो यह काफी अविश्वसनीय है और मुझे लगता है कि उससे पहले किसी ने भी ऐसा नहीं किया है। इसलिए उसे हराने के लिए आपको खुद से बेहतर होने की जरूरत है और मैं ऐसा करने में कामयाब रहा।'

जोकोविच को रिकॉर्ड 24वें एकल खिताब का दावा करने से रोकने के लिए मेदवेदेव को पता है कि उन्हें एक और अलौकिक प्रदर्शन की आवश्यकता होगी। उन्होंने मैचअप के बारे में कहा, 'चुनौती यह है कि आप एक ऐसे व्यक्ति के रूप में खेलें जिसने 23 ग्रैंड स्लैम जीते हैं और मेरे पास केवल एक है। जब मैंने उसे यहां 2021 फाइनल में हराया, तो मैं खुद से बेहतर खेलने में कामयाब रहा, और मैं इसे दोबारा करने की जरूरत है. और कोई रास्ता नहीं है।

जोकोविच को अमेरिकी ओपन में दूसरी वरीयता दी गयी थी और रविवार को जो भी नतीजा निकले वह अल्काराज को नंबर एक रैंकिंग से हटा देंगे। अगर जोकोविच खिताब जीत लेते हैं तो वह ओपन युग में सबसे ज्यादा एकल मेजर चैम्पियनशिप जीतने के मामले में सेरेना विलियम्स को पीछे छोड़ देंगे। जोकोविच ने कहा, ''यह इतिहास बनाने के लिए एक और मौका होगा।'

अमेरिकी टीम ने हरि सिंह नलवा को दिया सम्मान, जर्सी पर उकेरी तस्वीर

टैक्सास । अमरीका की डलास काऊबॉयस रग्बी टीम ने खालसा राज के महान सिख जरनैल हरि सिंह नलवा को सम्मान देते हुए खिलाड़ियों की जर्सी पर उनकी तस्वीर उकेरी है जिसे पहन कर खिलाड़ी मैदान में उतरेंगे। डलास काऊबॉयस रग्बी टीम के कोच माइक मैक्कार्थी का मानना है कि सिख जरनैल हरि सिंह नलवा एक महान योद्धा रहे हैं। अमरीका में रग्बी सीजन की आधिकारिक शुरूआत के तौर पर उन्होंने टीम की थीम को कार्पे ओम्निया वाक्यांश के तौर पर प्रकट किया, जिसका अर्थ है 'सब कुछ प्राप्त करो'। टीम व प्रशंसकों के लिए खालसा राज के सिख जरनैल हरि सिंह नलवा की तस्वीर के लोगो वाली जर्सी बनाई गई है जो टीम का मनोबल बढ़ाएगी। मैक्कार्थी ने कहा कि मुझे लगता है कि विषय-वस्तु महत्वपूर्ण हैं। वे ऑफसीजन के विभिन्न बिंदुओं पर आपके पास आते हैं। ये थोड़ा अलग आया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि इसे यह दर्शाने की जरूरत है कि आपकी फुटबॉल टीम चैंपियनशिप जीतने की दिशा में कहां है, वे कहां हैं। मुझे लगता है कि इस लीग में सुपर बाउल जीतना बहुत मुश्किल है। इसमें कोई सवाल नहीं है। यह हर साल साबित होता है। लेकिन मैं व्यक्तिगत रूप से अपने अनुभव से सोचता हूं कि सफलता बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। बत दें कि सरदार हरि सिंह नलवा महाराजा रणजीत सिंह के सेनाध्यक्ष थे जिन्होंने पठानों के विरुद्ध हुए युद्धों का नेतृत्व किया। रणनीति और रणकौशल की दृष्टि से हरि सिंह नलवा की तुलना भारत के श्रेष्ठ सेनानायकों से की जा सकती है।

एशियाई खेलों से पहले आत्मविश्वास से लबरेज हैं हॉकी फारवर्ड गुरजंट सिंह

बेंगलुरु (एजेंसी)। 19वें एशियाई खेल हांग्जो 2022 के लिए 18 सदस्यीय टीम में जगह बनाने के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम के फॉरवर्ड गुरजंट सिंह अपने कौशल से प्रभाव छोड़ना चाहते हैं। 28 वर्षीय फारवर्ड जिन्होंने 2017 में टेस्ट सीरीज के दौरान बेल्जियम के खिलाफ अपनी सीनियर टीम की शुरुआत की थी, चोट के कारण एशियाई खेलों के पिछले संस्करण से चूक गए थे। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में गुरजंट की यह पहली उपस्थिति होगी। भारत की वर्तमान फॉरवर्ड लाइन के मुख्य आधारों में से एक, गुरजंट को उनके चचेरे भाई ने हॉकी से परिचित कराया था, जो उनके जन्मस्थान अमृतसर, पंजाब से लगभग 40 किमी दूर बटाला में रहते थे। उन्होंने भारत को लखनऊ में 2016 एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप जीतने में मदद करने से पहले चंडीगढ़ हॉकी अकादमी में अपने कौशल को निखारा। उन्होंने भारतीय टीम की यादगार जीतों में योगदान दिया, जिसमें टोक्यो 2020 ओलंपिक में कांस्य पदक जीतना, एफआईएच प्रो लीग 2022/23 में तीसरा स्थान हासिल करना, राष्ट्रमंडल खेल 2022 में रजत पदक जीतना हाल ही में एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2023 जीतना शामिल है। आगामी एशियाई खेलों में अपनी भूमिका के बारे में बोलते हुए फारवर्ड ने कहा कि यह अब तक एक अद्भुत यात्रा रही है। मुझे हमेशा अपने साथियों से समर्थन मिला है और मैं इसके लिए वास्तव में आभारी हूं। मैं काफी समय से टीम का हिस्सा हूं। अभी कुछ समय हो गया है और मैं पिछले कुछ वर्षों में एक खिलाड़ी के रूप में विकसित हुआ हूं और बहुत कुछ सीखा है। एशियाई खेलों में मेरी भूमिका अलग होगी, यह उस स्वामित्व को लेने के बारे में होगी और मेरा ध्यान अपने फिनिशिंग कौशल को क्रियान्वित करने पर होगा। बता दें कि भारत को पूल ए में पाकिस्तान, जापान, बांग्लादेश, सिंगापुर और उज्बेकिस्तान के साथ रखा गया है। वे 24 सितंबर, 2023 को उज्बेकिस्तान के खिलाफ अपने एशियाई खेलों के अभियान की शुरुआत करेंगे।

शोएब अख्तर को आई पुराने ?दिनों की याद, शाहीन को बताया दुनिया का तेज गेंदबाज

नई दिल्ली । पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने कहा है कि मौजूदा तेज गेंदबाजी आक्रमण जिसमें शाहीन अफरीदी, हारिस रऊफ और नसीम शाह शामिल हैं, उन्हें पुराने दिनों की याद दिलाते हैं। अख्तर ने एक प्रेस वार्ता में बोलते हुए पाकिस्तान की शाहीन शाह अफरीदी, नसीम शाह और हारिस रऊफ की पेस बैटरी पर चर्चा की और शाहीन को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बताया। शोएब ने कहा ?कि जाहिर है, ये युवा बहुत प्रतिभाशाली हैं। मुझे बहुत खुशी है कि पाकिस्तान बार-बार ऐसे तेज गेंदबाज पैदा करने में सक्षम है। मुझे नहीं पता कि इसका कारण क्या है। सबसे पहले, वहां पंजाब से बहुत सारे तेज गेंदबाज हुआ करते थे। अब रावलपिंडी से एक है और दो पठान हैं। उन्होंने कहा कि पठान बहुत, बहुत मजबूत और सख्त हैं। इसलिए, यह पेस बैटरी मुझे पुराने दिनों की याद दिलाती है। शोएब ने कहा कि इस समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में से एक मैं शाहीन शाह अफरीदी को मानूंगा।

वह अभी अपने करियर के शीर्ष पर हैं। वहीं, हारिस रऊफ की मानसिकता फिर से विकेट लेने की है। अगर हम नसीम शाह के बारे में बात करते हैं, तो मैंने उन्हें पहले संदेश भेजा था कि विकेट लेने वाली गेंदें फेंकी। वह ऐसा कर रहा है। वह गेंद को शाहीन से भी ज्यादा सीम करता है। वह प्रभावी हो सकता है। अख्तर ने कहा कि पाकिस्तान इस समय नई गेंद से खतरनाक है और यह पेस बैटरी वसीम अकरम और वकार यूनिस के पुराने दिनों की याद दिलाती है। अख्तर बोले- आप जानते हैं पाकिस्तान नई गेंद के साथ कैसे खतरनाक हैं। बार-बार उन्होंने साबित किया है कि हम लोगों को बहुत आसानी से आउट कर सकते हैं। यह मुझे दो डब्ल्यू के युग की याद दिलाता है। जब से वे पेस बैटरी के रूप में खेल रहे हैं, उनकी मानसिकता बहुत मनोरंजक है। वह विकेट लेने के बारे में सोच रहे हैं, उन्हें रनों की चिंता नहीं है।

मेरा कार्यभार अन्य लोगों की तुलना में दो या तीन गुना ज्यादा है : हार्दिक पांड्या

कोलंबो (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के हरफनमौला खिलाड़ी हार्दिक पांड्या का मानना है कि टीम में उनका कार्यभार किसी विशेषज्ञ बल्लेबाज या गेंदबाज की तुलना में दो से तीन गुना ज्यादा होता है।

टीम इंडिया के उप-कप्तान हार्दिक पांड्या ने खेल में एक ऑलराउंडर की अनूठी चुनौतियों और मानसिकता पर प्रकाश डाला। उन्होने कहा, 'एक ऑल-राउंडर के रूप में मेरा कार्यभार अन्य सभी की तुलना में दोगुना या तीन गुना है। जब टीम में कोई बल्लेबाज अपनी बल्लेबाजी खत्म कर पवेलियन लौट रहा होता है तो आलराउंडर के तौर पर मेरा काम उसके बाद भी गेंदबाजी करना है। अगर 10 ओवरों की जरूरत नहीं है, तो मेरे 10 ओवर फेंकने का कोई मतलब नहीं है, लेकिन अगर 10 ओवरों की जरूरत है, तो मैं गेंदबाजी करूंगा।'

उन्होने कहा '' मेरा हमेशा से मानना रहा है कि मैं खुद को सफल होने का मौका देता हूं। मैंने जो महसूस किया है वह यह है कि चाहे कुछ भी हो, आपको अपना समर्थन करना होगा, आपको विश्वास करना होगा कि आप दुनिया में सर्वश्रेष्ठ हैं। यह आपको सफलता की गारंटी नहीं देता है, लेकिन साथ ही, यह आपको सफलता की दिशा में काम करने के लिए मार्गदर्शन भी देता है, इसलिए व्यावहारिक रूप से खुद का समर्थन करें।'

पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने हाल के खेल में हार्दिक पांड्या और इशान किशन के उल्लेखनीय प्रदर्शन की सराहना की और कहा, 'भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले मैच में हार्दिक पांड्या और इशान किशन की पारियां कितनी महत्वपूर्ण थीं। मैच का कोई परिणाम नहीं निकला, लेकिन यह भारत के लिए एक शानदार परिणाम था, और मुख्य परिणाम जो भारत चाहता था वह हार्दिक पांड्या, रनों का योगदान था, और इशान किशन ने भी अच्छा खेला। हार्दिक के बारे में बात यह है कि वह बहुत आक्रामक खिलाड़ी हैं, वह जब चाहें लंबे छक्के लगा सकते हैं, लेकिन लगभग 70 मिनट तक हार्दिक पांड्या केवल सिंगल ले रहे थे।' उन्होने कहा, '50 ओवर का क्रिकेट एकल का खेल है, विशेष रूप से मध्य चरण में यह भीड़ और खिलाड़ियों दोनों के लिए बहुत उबाऊ चरण है, लेकिन हार्दिक पांड्या और इशान किशन दोनों ने उस उबाऊ चरण को खेला, अपनी पारी अच्छे से खेली और भारत को सम्मानजनक स्थिति में पहुंचाया। तो यह भारत के लिए बहुत अच्छा परिणाम था, वह साझेदारी और कैसे वे अपना स्वाभाविक खेल भूल गए और टीम की जरूरतों को उससे आगे रखा। मुझे लगता है कि यह उस मैच की सबसे अच्छी खोज थी।' भारत ने एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ वर्षा प्रभावित मैच में 266 रन पर बनाये थे जिसमें पांड्या ने 87 रन का योगदान दिया था।

यूएई और हरियाणा के बीच समझौते के बाद चावल और चीनी निर्यात किया जाएगा

- कैलाश भगत ने यूएई में चावल और चीनी निर्यात से जुड़े व्यवसायियों से की मुलाकात

चंडीगढ़ ।

हरियाणा राज्य सहकारी आपूर्ति और विपणन महासंघ लिमिटेड के अध्यक्ष कैलाश भगत ने बताया कि जल्द ही संयुक्त अरब अमीरात को चावल और चीनी निर्यात करने के लिए यूएई और हरियाणा सरकार के बीच एक समझौता होगा जिसके बाद हरियाणा से चावल और चीनी का निर्यात किया जाएगा। उन्होंने यह जानकारी संयुक्त अरब अमीरात में बासमती चावल के निर्यात से जुड़े कई व्यवसायियों से मुलाकात के बाद दी है। कैलाश भगत एक प्रतिनिधि मंडल के साथ यूएई में गए हुए हैं। उनके साथ प्रतिनिधि मंडल में हैफेड के प्रबंध निदेशक डॉ. जे. गणेशन तथा महाप्रबंधक (विपणन) रजनीश शर्मा भी हैं। हैफेड अध्यक्ष कैलाश भगत ने बताया कि संयुक्त अरब अमीरात में बासमती चावल के निर्यात से जुड़े कई व्यवसायियों से मुलाकात की है। इनमें दुबई स्थित बासमती चावल के एक प्रमुख निर्यातक के साथ बैठक हुई, जिसके बाद 1000 मीट्रिक टन के निर्यात सौदे को अंतिम रूप दिया गया।

हैफेड के अध्यक्ष ने कहा कि इस सौदे ने देश से बड़े पैमाने पर निर्यात बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त किया है। इसके अलावा खाद्य से संबंधित संयुक्त अरब अमीरात की एक अग्रणी सरकारी कंपनी, सिलाल फूड एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक अब्दुल्ला अतीक अलदारमाकी के साथ भी बैठक हुई है जो कि सफल रही। डॉ जे. गणेशन ने बताया कि हैफेड ने हाल ही में सऊदी अरब के एक प्रमुख आयातक से लगभग 850 करोड़ रुपए मूल्य के 85000 मीट्रिक टन बासमती चावल के निर्यात ऑर्डर खरीदे हैं जिसमें से 62000 मीट्रिक टन का निर्यात ऑर्डर सफलतापूर्वक निष्पादित किया गया है, शेष निष्पादन की प्रक्रिया में है।

उन्होंने बताया कि सऊदी अरब में सफल निर्यात से उत्साहित होकर हैफेड ने अन्य देशों में भी अपने निर्यात कारोबार का विस्तार करने की योजना बनाई है। बासमती चावल के निर्यात के लिए हैफेड किसानों से सीधे बासमती धान की व्यावसायिक खरीद भी कर रहा है।

पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

- ब्रेंट क्रूड 0.81 फीसदी की तेजी के साथ 90.65 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

देश भर में शनिवार के लिए पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। वैश्विक बाजार में अगर कच्चे तेल की कीमतों की बात करें तो इसमें जोरदार तेजी देखने को मिली है। कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों के मुताबिक भारत में ईंधन की कीमत को तय किया जाता है। अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.81 फीसदी की तेजी के साथ 90.65 डॉलर प्रति बैरल के लेवल पर कारोबार कर रहा है। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड के दाम 87.51 डॉलर प्रति बैरल हैं। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। चंडीगढ़ में पेट्रोल 96.20 रुपए और डीजल 84.26 रुपये प्रति लीटर हो गया है. भोपाल में पेट्रोल 108.65 रुपये और डीजल 93.90 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

ह्युंडई की एक्सटर लॉन्च के साथ हो गई हिट

नई दिल्ली ।

कई कार निर्माता कंपनियों ने एसयूवी और कॉम्पैक्ट एसयूवी का मिला जुला छोटा रूप माइक्रो एसयूवी बाजार में उतार दिया। कंफर्ट, स्पेस और परफॉर्मेंस में किसी भी हैचबैक से ये सेगमेंट कम नहीं है। इसी के चलते टाटा की पंच को लोगों ने बेहद पसंद किया।

कार के लॉन्च होने के साथ ही इसकी रिकॉर्ड सेल हुई। पंच टॉप 10 सेलिंग कारों में भी लगातार अपनी जगह बनाती आ रही है। हालात ये रहे कि टाटा की सबसे ज्यादा बिकने वाली कॉम्पैक्ट एसयूवी नेक्सॉन को भी पंच ने कई बार सेल के मामले में पछाड़ दिया। इसी को देखते हुए दूसरी कंपनियां भी अब इस सेगमेंट में अपना हाथ आजमाने से नहीं चूक रही हैं। पंच को टक्कर देने के लिए हाल ही में लॉन्च हुई एक और माइक्रो एसयूवी ने झंडे गाड़ दिए हैं। इस कार की लगातार बुकिंग के चलते अब इसका वेटिंग पीरियड काफी बढ़ गया है। वहीं टाटा पंच और एमजी जैसी कंपनियों को इसने टेंशन में डाल दिया है। दरअसल हम यहां पर बात कर रहे हैं ह्युंडई एक्वे स्टर की। ह्युंडई की एक्सटर लॉन्च होने के साथ ही जबर्दस्त तरीके से हिट हो गई है।

हालांकि अभी भी कुछ लोगों का मानना है कि ये काफी छोटी है और इसमें स्पेस की कमी है। लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है, छोटी होने के बाद भी एक्सटर में काफी स्पेस है और इसका व्हील बेस भी टाटा पंच के मुकाबले ज्यादा है। वहीं इस कार में कंपनी ने कई फीचर्स ऐसे दिए हैं जो आपको प्रीमियम एसयूवी में देखने को मिलते हैं। एक्सटर में कंपनी 1.2 लीटर का नेचुरली एस्पीरेटेड पेट्रोल इंजन देती है। ये इंजन 81.8 बीएचपी की पावर जनरेट करता है। वहीं इसका सीएनजी मॉडल 67.72 बीएचपी की पावर जनरेट करता है। इस इंजन की खासियत है कि ये पैपी और पावरफुल होने के साथ ही बेहतरीन माइलेज देता है। कार पेट्रोल पर करीब 21 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज देती है।

वहीं सीएनजी पर इसका माइलेज 30 किलोमीटर प्रति किलो तक भी जाता है। कार में फीचर्स भी काफी शानदार दिए गए हैं। ये देश की पहली माइक्रो एसयूवी है जिसमें कंपनी ने सनरूफ दी है। इसी के साथ आपको बड़ा इंफोटेनमेंट सिस्टम, डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, क्लाइमेट कंट्रोल एसी, स्पीड सेंसिंग डोर लॉक्स, चाइल्ड लॉक, 6 एयरबैग, एबीएस, ईबीडी, जैसे फीचर्स मिलते हैं।

एआई के प्रशिक्षण पर लाखों डॉलर खर्च कर रहा एप्पल !

सैन फ्रांसिस्को ।

जेनेरिक एआई की दौड़ तेज होने के कारण एप्पल कथित तौर पर कई कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) संवादी मॉडल बनाने में प्रतिदिन लाखों डॉलर का खर्च कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, टेक दिग्गज कई टीमों में कई एआई मॉडल पर काम कर रही है। इसका एक लक्ष्य उस फीचर विकसित करना है, जो आईफोन ग्राहकों को कई चरणों वाले कार्यों को स्वचालित करने के लिए सरल वॉयस कमांड का उपयोग करने की अनुमति देता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह तकनीक उपयोगकर्ताओं को अपने फोन पर सिरी वॉयस असिस्टेंट को उनके द्वारा ली गई आखिरी पांच तस्वीरों का उपयोग करके जीआईएफ बनाने और इस एक दोस्त को टेक्स्ट करने के लिए कहने की अनुमति दे सकती है।

वर्तमान में, एक आईफोन उपयोगकर्ता को व्यक्तिगत क्रियाओं को मैन्युअल रूप से प्रोग्राम करना पड़ता है। एप्पल के एआई प्रमुख जॉन गियानांद्रिया ने चार साल पहले संवादी एआई विकसित करने के लिए एक टीम के गठन को अधिकृत किया था, जिसे बड़े-भाषा मॉडल के रूप में जाना जाता है। यह चैटजीपीटी के अस्तित्व में आने से बहुत पहले की बात है। एक चैटबॉट पर काम चल रहा है, जो एप्पल केयर का उपयोग करने वाले ग्राहकों के साथ बातचीत करेगा जबकि दूसरा सिरी के साथ मल्टीस्टेप कार्यों को स्वचालित करना आसान बना सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, एप्पल का सबसे उन्नत एलएलएम, जिसे आंतरिक रूप से अजाक्स जीपीटी के रूप में जाना जाता है, को 200 बिलियन से अधिक मापदंडों पर प्रशिक्षित किया गया है और यह ओपनएआई के जीपीटी-3.5 से अधिक शक्तिशाली है। टेक दिग्गज ने अभी तक रिपोर्ट पर टिप्पणी नहीं की है। ऐप्पल के सीईओ टिम कुक ने पिछले महीने खुलासा किया था कि टेक दिग्गज वर्षों से जेनरेटिव एआई और अन्य मॉडलों पर काम कर रहा है। कुक ने कहा कि एप्पल एआई और मशीन लर्निंग (एमएल) को मौलिक कोर प्रौद्योगिकियों के रूप में देखता है। कुक ने बताया, और वे वस्तुतः हमारे द्वारा बनाए गए हर उत्पाद में अंतर्निहित हैं।

अडानी समूह की सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 11 लाख करोड़ से अधिक हुआ

- पिछले तीन महीनों में समूह के बाजार पूंजीकरण में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई

नई दिल्ली ।

अडानी समूह की सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 11 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। विशेषज्ञों ने कहा` कि यह एक संकेत है कि मौजूदा कीमतें सभी नकारात्मक कारकों में शामिल हैं और बाजार सभी वृद्धिशील आरोपों को नजरअंदाज कर रहा है। समूह के साथ-साथ उसके निवेशकों के लिए, इसका मतलब यह हो सकता है कि सबसे बुरा समय ख़त्म हो गया है। पिछले तीन महीनों में समूह के बाजार पूंजीकरण में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और इस रैली का नेतृत्व समूह के चार प्रमुख शेयरों- अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी पोर्ट्स, अडानी पावर और अडानी ग्रीन एनर्जी द्वारा किया जा रहा है। चारों कंपनियों के शेयर अपने न्यूनतम स्तर से दोगुने से भी ज्यादा हो गए हैं। जबकि प्रमुख कंपनी एईएल का स्टॉक अपने निचले स्तर (150 प्रतिशत तक) से सबसे अधिक बढ़ गया है, इनक्यूबेटर एईएल से अलग होने वाली समूह की दो सबसे पुरानी कंपनियों, अडानी पोर्ट्स और अदानी पावर, प्री-हिंडनबर्ग स्तर पर हैं। अदानी पोर्ट्स विशे लेषकों द्वारा समूह में सबसे व्यापक रूप से ट्रैक की जाने वाली कंपनी है और समूह के सभी शेयरों के बीच संस्थागत निवेशकों द्वारा सबसे व्यापक स्वामित्व वाली कंपनी है। लेकिन दावों के बावजूद, जिसमें इसके निवर्तमान लेखा परीक्षकों के दावे भी शामिल हैं, विशे लेषकों और निवेशक दोनों ही स्टॉक पर सकारात्मक बने हुए हैं।

गोल्डमैन सैक्स, जेफ़रीज़, बर्नस्टीन, कोटक और आईसीआईसीआई की इक्विटी अनुसंधान शाखाओं ने भारत की सबसे बड़ी बंदरगाह परिचालन कंपनी के स्टॉक पर खरीदारी बनाए रखी है। समूह पर करीब से नजर रखने वाले बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि समूह के शेयरों के इतने मजबूत प्रदर्शन के दो मुख्य कारण हैं। समूह ने प्रदर्शित किया है कि उसके व्यवसाय सभी शोर से अप्रभावित हैं। वित्तवर्ष 24 की जून तिमाही में जो शॉर्ट-सेलर रिपोर्ट के बाद पहली तिमाही भी थी, समूह की सूचीबद्ध कंपनियों के पोर्टफोलियो ने प्रत्येक व्यवसाय के साथ मजबूत विकास प्रदान करते हुए एक मजबूत प्रदर्शन दिया। सभी सूचीबद्ध कंपनियों का संयुक्त ऐ बि डिटा साल-दर-साल 42 फीसदी बढ़ा। साथ ही इसकी बैलेंस-शीट लगातार मजबूत होती रही। ऐ बि डिटा का शुद्ध ऋण अब तीन गुना के करीब है और नकद शेष 42,500 करोड़ रुपए के उच्च स्तर पर है। सभी वित्तीय संस्थानों, इक्विटी के साथ-साथ ऋण निवेशकों और रेटिंग एजेंसियों, विदेशी और घरेलू, ने समूह और उसके व्यवसायों का निरंतर समर्थन किया है।

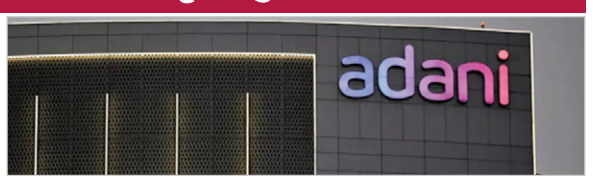

एनएसई डब्ल्यूटीआई कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस वायदा पर विकल्प पेश करेगा

नई दिल्ली । नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने कहा कि वह अपने जिंस डेरिवेटिव खंड में एनवाईएमईएक्स डब्ल्यूटीआई कच्चे तेल तथा प्राकृतिक गैस वायदा अनुबंध से जुड़े विकल्प पेश करेगा। एक्सचेंज ने इन अनुबंधों को पेश करने के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से मंजूरी ले ली है। एनएसई ने कहा कि वायदा अनुबंधों पर विकल्प जोड़ने से समग्र जिंस खंड में एनएसई की उत्पाद पेशकश को बढ़ावा मिलेगा। ये अनुबंध बाजार सहभागियों को अपने जिंस जोखिम को प्रबंधित करने का अधिक कुशल तरीका प्रदान करने के लिए तैयार किए गए हैं। एनएसई के मुख्य व्यवसाय विकास अधिकारी श्रीराम कृष्णन ने कहा कि बाजार सहभागियों को यह बताते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है कि एनएसई अक्टूबर 2023 में एनवाईएमईएक्स डब्ल्यूटीआई कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस वायदा अनुबंध पर विकल्प पेश करने की योजना बना रहा है। एनएसई ने इसके पहले मई में अपने जिंस डेरिवेटिव खंड में रुपए-मूल्यवर्ग वाले एनवाईएमईएक्स डब्ल्यूटीआई कच्चा तेल तथा प्राकृतिक गैस वायदा अनुबंध पेश किए थे।

स्वर्ण बॉन्ड का निर्गम मूल्य 5,923 रुपए प्रति ग्राम तय

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि सरकारी स्वर्ण बॉन्ड (एसजीबी) की अगली किस्त के लिए 5,923 रुपए प्रति ग्राम का निर्गम मूल्य तय कर दिया गया है। आरबीआई ने कहा कि इस स्वर्ण बॉन्ड की बिक्री 11 सितंबर से शुरू हो जाएगी। यह चालू वित्त वर्ष के लिए एसजीबी की दूसरी किस्त होगी। एसजीबी का मूल्य 999 शुद्धता वाले सोने के बंद भाव के साधारण औसत के आधार पर 5,923 रुपए प्रति ग्राम बनता है। सरकार ने आरबीआई से विमर्श करने के बाद ऑनलाइन आवेदन करने वाले और डिजिटल माध्यम से आवेदन कर भुगतान करने वाले निवेशकों को अंकित मूल्य से 50 रुपए प्रति ग्राम की छूट देने का निर्णय लिया है। बयान के अनुसार ऐसे निवेशकों के लिए स्वर्ण बॉन्ड का निर्गम मूल्य 5,873 रुपए प्रति ग्राम रखा गया है। निर्गम 11 से 15 सितंबर तक खुला रहेगा। बॉन्ड की बिक्री बैंकों, स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, निर्दिष्ट डाकघरों और मान्य शेयर बाजारों बीएसई एवं एनएसई के जरिये की जाएगी। परंपरागत सोने की मांग कम करने और घरेलू बचत के एक हिस्से के तौर पर स्वर्ण बॉन्ड की बिक्री सबसे पहले नवंबर, 2015 में शुरू की गई थी। इस बॉन्ड को एक ग्राम की बुनियादी इकाई के गुणकों में अंकित किया जाता है। स्वर्ण बॉन्ड की परिपक्वता अवधि आठ साल की होगी लेकिन पांच साल पूरा होने पर इससे निकलने का विकल्प होगा। इस योजना के तहत न्यूनतम एक ग्राम सोने में निवेश किया जा सकता है जबकि अधिकतम सीमा चार किलोग्राम तक की है।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में रही तेजी

मुंबई ।

एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी और भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में लिवाली से स्थानीय शेयर बाजार में लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में बढ़त का सिलसिला जारी रहा। कारोबारियों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी स्थानीय बाजार को समर्थन मिला। बीते सप्ताह भर शेयर बाजार में तेजी का रुख रहा। पिछले सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार मजबूती के साथ खुले। सोमवार को सेंसेक्स 200 अंकों की बढ़त के साथ 65,600 पर खुला और 240.98 अंक चढ़कर 65,628.14 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 77 अंक मजबूत होकर 19500 पर खुला और 93.50 अंक बढ़कर 19,528.80 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 74 अंक बढ़कर 65,702 पर खुला और 152.12 अंक की तेजी के साथ 65,780.26 अंक के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 23 अंकों की मजबूती के साथ 19551 पर खुला और 46.10 अंक की बढ़त के साथ 19,574.90 अंक के स्तर पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 54.64 अंकों की मजबूती के साथ 65,834.90 पर खुला और 100 अंकों की तेजी के साथ 65,880 पर बंद हुआ। निफ्टी 16.55 अंक चढ़कर 19,591.45 पर खुला और 36 अंकों की तेजी के साथ 19,611 पर बंद हुआ।

गुरुवार को सेंसेक्स 150 अंक की गिरावट के साथ 65,729 पर खुला और 385.04 मजबूत होकर 66,265.56 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 अंकों की गिरावट के साथ 19,560 पर खुला और 116.00 अंक चढ़कर 19,727.05 के स्तर पर बंद हुआ। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार में पॉजिटिव शुरुआत हुई। सेंसेक्स 154 अंक बढ़कर 66,420 पर खुला और 333 अंकों की बढ़त के साथ 66,598.91 पर बंद हुआ। निफ्टी 37 अंकों की तेजी के साथ 19,764 पर खुला और 93 अंक चढ़कर 19,819.95 पर बंद हुआ।

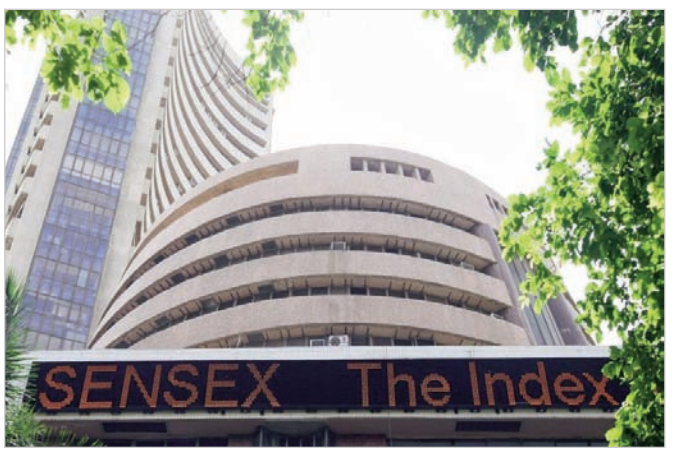

बैंक ऑफ बड़ौदा की 6,000 एटीएम पर यूपीआई सुविधा शुरू

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने देशभर में अपने लगभग 6,000 एटीएम पर यूपीआई एटीएम सुविधा शुरू कर दी है। बीओबी की ओर से जारी बयान के अनुसार वह भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के समन्वय से एनसीआर कॉरपोरेशन द्वारा संचालित यूपीआई एटीएम शुरू करने वाला देश का पहला सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक है। बैंक ने कहा कि उनके व अन्य बैंकों के ग्राहक यूपीआई-सक्षम मोबाइल ऐप के जरिए अपने डेबिट कार्ड का उपयोग किए बिना बैंक ऑफ बड़ौदा यूपीआई एटीएम से नकदी निकाल सकते हैं। बयान के अनुसार इंटरऑपरेबल कार्डलेस कैश विड्रॉल (आईसीसीडब्ल्यू) तकनीक के जरिए यूपीआई एटीएम क्यूआर-आधारित निर्बाध नकदी निकासी संभव बनाता है, जिससे नकदी निकालने के लिए कार्ड की जरूरत नहीं होती है। यूपीआई एटीएम सुविधा का एक बड़ा लाभ यह भी है कि इससे ग्राहक यूपीआई से जुड़े विभिन्न खातों से नकदी निकाल सकते हैं।

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में संभावना तलाश रही आरआईएल

- विदेशी चिपमेकर्स से कर रही बातचीत

मुंबई ।

देश के प्रमुख उद्योगपति मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में उतरने की संभावना तलाश रही है। रिलायंस के कदम से भारत में चिप की बढ़ती मांग और सप्लाई चेन की जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। कंपनी की योजना से वाकिफ दो लोगों ने इसकी जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि दूरसंचार से लेकर ऊर्जा कारोबार से जुड़ी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सरकार की पहल से प्रेरित होकर ऐसे विदेशी चिप मैन्युफैक्टरिंग के साथ शुरुआती दौर की बातचीत शुरू कर दी है, जिनमें तकनीकी भागीदार बनने की क्षमता है। हालांकि कंपनी ने इसके लिए कोई समयसीमा तय नहीं की है। उक्त शख्स ने कहा कि रिलायंस ने अभी यह निर्णय नहीं किया है कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश किया जाए या नहीं। कंपनी जिन विदेशी चिप मैन्युफैक्चरर्स के साथ बात कर रही है उसके नाम का भी खुलासा नहीं हो पाया है।

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में दिलचस्पी के बारे में पूछे जाने पर रिलायंस की ओर से भी कोई जवाब नहीं आया। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की थी कि वह चाहते हैं कि भारत दुनिया के लिए चिप विनिर्माण का केंद्र बने। उन्होंने 2021 में पहली बार इस महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य का खाका पेश किया था लेकिन अभी तक देश में एक भी चिप मैन्युफैक्चरिंग प्लांट नहीं लग पाया है। हालांकि वेदांत और ताइवान की फॉक्सकॉन दोनों चिप मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाने की संभावना तलाश रही है। सूत्रों ने कहा कि रिलायंस चिप की किल्लत को दूर करने के लिए भी सेमीकंडक्टर क्षेत्र में उतरना चाहती है क्योंकि चिप की कमी उसके दूरसंचार और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के कारोबार को प्रभावित कर सकती है।

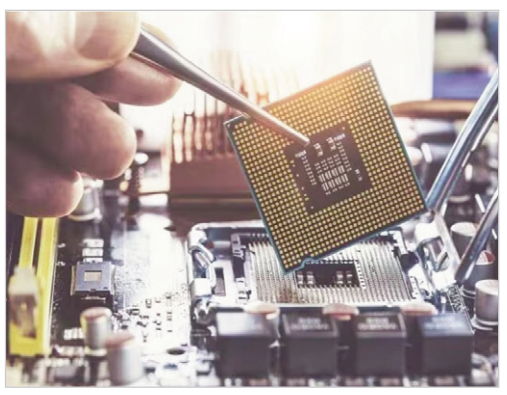

OECD ने रियल एस्टेट का स्वामित्व दर्ज करने के लिए डिजिटल रजिस्टर का सुझाव दिया

नई दिल्ली: अघोषित संपत्तियों को छिपाने के लिए उनका विदेशी रियल एस्टेट में निवेश किए जाने की चिंताओं के बीच ओईसीडी ने देशों के बीच सूचनाओं के स्वचालित आदान-प्रदान का सुझाव दिया है। जी20 शिखर सम्मेलन से पहले पेरिस स्थित आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) ने 'रियल एस्टेट पर अंतरराष्ट्रीय कर पारदर्शिता बढ़ाना' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा कि इसके लिए डिजिटल स्वामित्व रजिस्टर बनाना चाहिए, जो प्रासंगिक सरकारी एजेंसियों को सीधे उपलब्ध हो। गौरतलब है कि पिछले दशक में विदेशी स्वामित्व वाली रियल एस्टेट संपत्तियों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कर अनुपालन से बचने के लिए बहुत सारे फंड को विदेशी संपत्ति खरीदने के लिए स्थानांतरित कर दिया गया है। ओईसीडी ने कहा कि कर प्रशासन के पास अक्सर अचल संपत्ति (और उससे होने वाली आय) के सीमा-पार स्वामित्व के बारे में सीमित जानकारी होती है। रिपोर्ट के मुताबिक अल्पावधि में इच्छुक देश सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए मौजूदा अंतरराष्ट्रीय कानूनी और परिचालन साधनों के आधार पर आसानी से उपलब्ध सूचनाओं का आदान-प्रदान कर सकते हैं। गौरतलब है कि भारत ने अपनी जी20 अध्यक्षता के दौरान ओईसीडी को एक रिपोर्ट तैयार करने के लिए आमंत्रित किया था, जो विदेशी स्वामित्व वाली अचल संपत्ति के बारे में कर पारदर्शिता के वर्तमान स्तर पर विचार करती है।

आयकर अधिकारी स्टार्टअप निवेशकों से मांग सकते हैं ITR की जानकारी

नई दिल्ली: आयकर अधिकारी स्टार्टअप निवेशकों द्वारा दाखिल किए गए आईटीआर के बारे में विवरण मांग सकते हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि निवेश की गई राशि उनके व्यक्तिगत आईटीआर में दिखाई गई आय के अनुरूप है या नहीं। आयकर विभाग ने यह जानकारी दी। सोशल नेटवर्किंग मंच एक्स पर शुक्रवार को भारतपे के सह-संस्थापक अश्नीर ग्रोवर की एक पोस्ट का जवाब देते हुए आयकर विभाग ने कहा कि वित्त अधिनियम 2012 में कहा गया है कि किसी निवेशक को स्टार्टअप में निवासी शेयरधारक से धन के स्रोत के बारे में भी बताना होगा। ग्रोवर ने यह मुद्दा उठाया था कि 'पिछले एक महीने में कई स्टार्टअप को टैक्स नोटिस मिले हैं, जिसमें उनके शेयरधारकों के बारे में जानकारी देने को कहा गया है।' आयकर विभाग ने कहा, 'इस मामले में, प्रतीत होता है कि विभाग ने शेयरधारक-निवेशक द्वारा लेनदेन की वास्तविकता और निवेश के स्रोत की जांच करने की मांग की है, ताकि यह सत्यापित किया जा सके कि निवेश की गई राशि निवेशकों के आईटीआर में दिखाई गई आय के अनुरूप है या नहीं।'

बेटी को काबिलियत के दम पर फिल्म मिली, नेपोटिज्म से नहीं बनाई इंडस्ट्री में जगह

एक्ट्रेस पूनम ढिल्लों की बेटी पलोमा ढिल्लों जल्द ही फिल्म 'दोनों' से अपना बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हैं। बेटी की पहली फिल्म को लेकर पूनम काफी एक्साइटेड हैं। वहीं अब हाल ही में उन्होंने बेटी के डेब्यू और इंडस्ट्री में नेपोटिज्म को लेकर बात की। इस दौरान उन्होंने अपना पक्ष रखा।

सूरज बड़जात्या जी को पर्सनल तौर पर नहीं जानती हूं

राजश्री अनप्लग्ड को दिए इंटरव्यू में पूनम ने अपनी बेटी की पहली फिल्म को लेकर कहा- मैं बहुत खुश हूं कि मेरी बेटी राजश्री बैनर के साथ अपनी शुरुआत करने जा रही है, लेकिन मैंने उनके साथ कभी भी काम नहीं किया है। मैं सूरज बड़जात्या जी को पर्सनल तौर पर नहीं जानती हूं। इसलिए मेरी बेटी के डेब्यू के लिए उन्हें बुलाने का कोई सवाल नहीं उठता है।

मेरी बेटी को काबिलियत के दम पर फिल्म मिली

पूनम ने आगे कहा- 'मेरी बेटी को सेलेक्ट करने से पहले कई बार उसका ऑडिशन लिया गया। इस रोल के लिए उन्होंने बहुत से लोगों के ऑडिशन लिए थे। 6-7 महीने के ऑडिशन के बाद मेरी बेटी को पता चला कि रोल के लिए उसे फाइनल किया गया है।' उन्होंने आगे कहा- यह दुख की बात है कि जो लोग ट्रोलिंग करते हैं, वो ये नहीं समझते हैं कि ये बच्चे भी आम एक्टर्स जितनी ही मेहनत करते हैं। आप उनसे उनका यह अधिकार छीन नहीं सकते है। ये रोल उन्हें अपनी काबिलियत के दम पर मिला है।

टैलेंट के बिना इंडस्ट्री में जगह बनाना नामुमकिन

बेटी के बारे में बात करते हुए पूनम ने कहा- आज टैलेंट के बिना किसी भी इंडस्ट्री में अपना मुकाम बनाना किसी के लिए मुमकिन नहीं है। अगर आपके बच्चे में टैलेंट नहीं है तो कोई फिल्म मेकर आपके बच्चे पर 30-40 करोड़ रुपए खर्च नहीं करेगा। इसलिए नेपोटिज्म से जुड़ा यह तर्क अच्छा नहीं है।

सनी को म्यूजिक का बहुत शौक था

राजश्री प्रोडक्शन बैनर के तले बनी इस फिल्म से पलोमा के साथ सनी देओल के छोटे बेटे राजवीर देओल भी अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। इससे पहले पूनम और सनी देओल ने भी सोहनी महिवाल, सवेरे वाली गाड़ियां और समुंदर जैसी फिल्मों में साथ काम किया है। सनी देओल के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए पूनम ने बताया कि उन दोनों का स्वभाव एक जैसा है। दोनों काफी शांत हैं। पूनम ने शूटिंग के दौरान का एक किस्सा सुनाया। उन्होंने कहा- सनी को म्यूजिक का बहुत शौक था। उस समय हमारे पास डीवीडी नहीं होते थे, हमारे पास टेप थे। इसलिए मैं उन्हें मिक्स टेप बनाने के लिए कहती थी, क्योंकि उनके पास गानों का बहुत अच्छा कलेक्शन था।

5 अक्टूबर को रिलीज होगी 'दोनों'

बता दें कि पलोमा और राजवीर देओल की फिल्म दोनों 5 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म के जरिए दोनों स्टार किड्स अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। एक्टर्स के अलावा यह सूरज बड़जात्या के बेटे अवनीश बड़जात्या इस फिल्म के जरिए बतौर डायरेक्टर अपना डेब्यू करने जा रहे हैं।

इंडिया-भारत विवाद के बीच अक्षय ने फिल्म का टाइटल बदला

अक्षय कुमार ने अपनी फिल्म रानीगंज- द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू का नाम बदलकर रानीगंज- द ग्रेट भारत रेस्क्यू रख दिया है। जाहिर है कल से ही इस बात पर चर्चा है कि इंडिया को अब ऑफिशियली भारत के नाम पर जाना जाएगा।

जी20 समिट में शामिल वर्ल्ड लीडर्स के लिए भेजे आमंत्रण पत्र में परंपरा से हटकर प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया की जगह प्रेसिडेंट ऑफ भारत लिखा है। अब अक्षय ने भी इसी क्रम में अपनी फिल्म का नाम बदल दिया है। गुरुवार को फिल्म का टीजर रिलीज होगा।

अक्षय कुमार ने शेयर किया फिल्म का मोशन पिक्चर

अक्षय कुमार ने अपने सोशल मीडिया पर फिल्म का एक मोशन पिक्चर शेयर किया। उन्होंने लिखा- 1989 की बात है, एक आदमी ने वो कर दिखाया, जो लगभग असंभव था। भारत के सच्चे हीरो की कहानी देखिए। इंडिया और भारत को लेकर काफी विवाद भी हो रहा है। जाहिर है कि कल अमिताभ बच्चन ने भी अपने सोशल मीडिया पर भारत माता की जय लिखा था। यूजर्स ने अनुमान लगाया कि बिग बी शांति पूर्वक सरकार के इस कदम को सपोर्ट कर रहे हैं।

15 अगस्त को भारत के नागरिक बने थे अक्षय

अभी हाल ही में 15 अगस्त के मौके पर अक्षय कुमार को भारतीय नागरिकता मिली। इससे पहले तक उनके पास कनाडाई नागरिकता थी। अक्षय को 2011 में कनाडाई संघीय चुनाव के बाद वहां की कंजरवेटिव सरकार ने कनाडा की नागरिकता दी थी। अक्षय की बैक-टु-बैक फिल्में फ्लॉप हो रही थीं, तब उन्होंने दोस्त की सलाह पर कनाडा में बसने का फैसला किया था। उन्होंने पासपोर्ट के लिए आवेदन किया था और उन्हें वहां की नागरिकता मिल गई। हालांकि आम चुनावों के वक्त वे वोट नहीं डाल पाते थे। इसकी वजह से उन्हें ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ता था। अंत में अक्षय ने दिसंबर 2019 में भारतीय पासपोर्ट के लिए आवेदन किया।

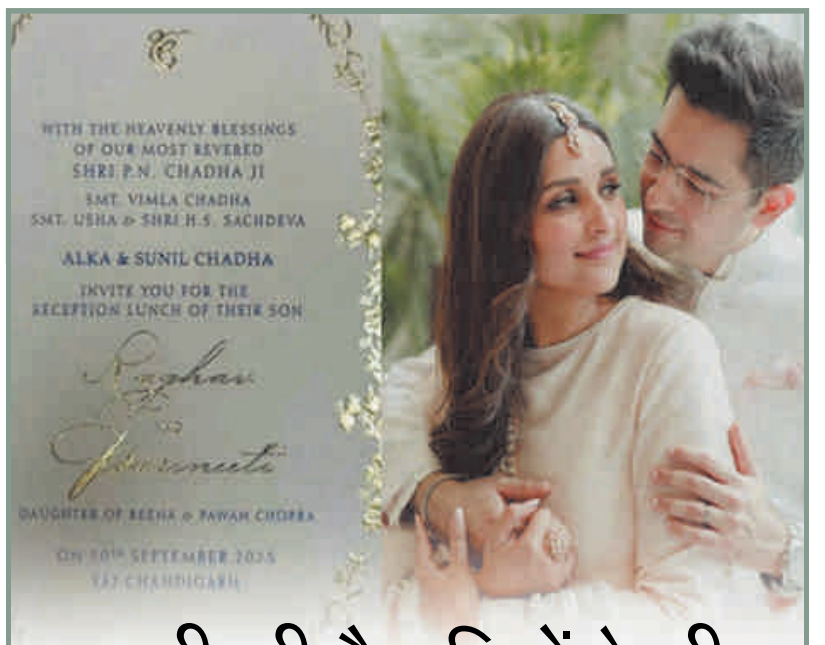

शादी की तैयारियों के बीच वायरल हुआ परिणीति, राघव का रिसेप्शन इनविटेशन कार्ड

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और आम आदमी पार्टी (आप) नेता राघव चड्ढा का रिसेप्शन इनविटेशन कार्ड सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दोनों इस महीने लेक सिटी उदयपुर में शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। कार्ड आइवरी और गोल्डन कलर से सजा हुआ है। इस पर लिखा है, हमारे परम आदरणीय स्वर्गीय श्री पीएन चड्ढा जी के आशीर्वाद से। श्रीमती विमला चड्ढा, श्रीमती उषा और श्री एचएस सचदेवा, अलका और सुनील चड्ढा आपको 30 सितंबर 2023 को ताज चंडीगढ़ में अपने बेटे राघव और परिणीति (रीना और पवन चोपड़ा की बेटी) के रिसेप्शन लंच के लिए आमंत्रित करते हैं। सूत्रों के मुताबिक शादी की रस्में 23-24 सितंबर को होटल लीला पैलेस और उदयविलास में होंगी। इस दौरान राजनीति और बॉलीवुड जगत की कई बड़ी हस्तियां उदयपुर आएंगी। सूत्रों की मानें तो मेहंदी, हल्दी और संगीत कार्यक्रम 23 सितंबर से शुरू होंगे। साथ ही चर्चा है कि शादी के बाद गुरुग्राम में रिसेप्शन भी रखा जाएगा। इस कार्यक्रम में परिणीति की बहन प्रियंका चोपड़ा और उनके पति निक जोनस सहित कई फिल्मी हस्तियों और दिल्ली और अन्य राज्यों के नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है।

शिल्पा ने पति राज को दिया 'सुखी' में काम करने का क्रेडिट

बीते दौर के कलाकारों के फिर से अपनी किस्मत बड़े परदे पर आजमाने के नए दौर में अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी की भी अपने पूर दमखम के साथ फिर से मैदान में उतर आई हैं। उनकी पिछली फिल्म 'हंगामा 2' हालांकि फ्लॉप रही थी लेकिन अपनी नई फिल्म सुखी से उन्हें बेहद उम्मीदें हैं। फिल्म का ट्रेलर बुधवार को मुंबई में एक कार्यक्रम में लांच हुआ। फिल्म में शिल्पा शेट्टी एक ऐसी महिला की भूमिका निभा रही है जो अपने व्यस्त जीवन से मुक्त होने का फैसला करती है। फिल्म सुखी के चयन के बारे में पूछे जाने पर अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने इस मौके पर कहा, पहले मैं ये फिल्म नहीं करना चाह रही थी। इस फिल्म के लिए निर्देशक शिखा शर्मा और निर्माता विक्रम मल्होत्रा ने मुझसे जब पहली बार संपर्क किया तो मैंने फिल्म में किसी और को लेने का सुझाव दिया। मैंने खुद ही उन्हें तीन चार अभिनेत्रियों के नाम का सुझाव दिया। लेकिन, शिखा शर्मा और विक्रम मल्होत्रा इस फिल्म का निर्माण मुझे ही लेकर करना चाह रहे थे, लेकिन उस समय मेरे दिमाग में कुछ और चल रहा था और मैं इस फिल्म के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं थी। फिल्म सुखी में शिल्पा शेट्टी आठ महीने के बाद काम करने के लिए तैयार हुई। वह कहती हैं, मैं कहीं बाहर थी और एक दिन मेरे पति का फोन आया। उन्होंने बोला कि क्या तुम पागल हो जो ऐसी फिल्म नहीं कर रही हो? दरअसल, फिल्म की स्क्रिप्ट मेरे टेबल पर ही काफी समय से पड़ी थी। जब मैं बाहर थी तो राज (कुंद्रा) ने उसे पढ़ा और उनको फिल्म की कहानी बहुत पसंद आई। इस फिल्म में काम करने के लिए उनका ही सुझाव था। फिल्म सुखी के बारे में शिल्पा शेट्टी कहती है, इस फिल्म का ऐसा किरदार है, जिसे मैंने अपने 30 साल की अभिनय यात्रा में नहीं किया है। सुखी का किरदार मेरे दिल के बहुत ही ज्यादा करीब है, क्योंकि यह किरदार रियल है।

फिल्म का जब प्रिव्यू था तो मेरी एक दोस्त आकांक्षा भी फिल्म देखने आई थी। उसने सुझाव दिया कि इस तरह का गर्ल गैंग के साथ ट्रिप होना चाहिए। लेकिन जब मैने अपनी डायरी खोलकर देखी तो साल भर तक कोई डेट खाली नहीं। फिर अगले साल का गर्ल डेट का समय दिया। फिल्म सुखी के जरिए शिखा शर्मा पहली बार निर्देशन के क्षेत्र में कदम रख रही हैं। शिल्पा कहती हैं, इतने साल से तो समय में आ गया कि किसी को देखते ही पहचान जाती हूं कि उसको कितना काम आता है। शिखा की भले ही यह पहली फिल्म है, लेकिन उसके अंदर कमाल का टैलेंट भरा हुआ है। उसकी एक बात नहीं भूलती, जब उसने कहा कि मुझे विश्वास है कि आप सुखी का किरदार अच्छे से निभा लेंगी। लेकिन मैं सभी कलाकारों के साथ वर्क शॉप रखना चाहती हूं। शिखा की यह बात मुझे बहुत अच्छी लगी, और अपने 30 साल के अभिनय करियर में पहली बार इस फिल्म के लिए वर्क शॉप किया।

ओशो के विचारों को आगे बढ़ाती एकता कपूर की नई फिल्म

फिल्म वीरे दी वेडिंग के बाद रिया कपूर ने एकता कपूर के साथ मिलकर एक और गर्ल गैंग फिल्म थैंक यू फॉर कमिंग का निर्माण किया है। इन दोनों फिल्मों की खास बात यह है कि इन दिनों फिल्मों में सेक्सुलिटी जैसे मुद्दे को उठाया गया है। फिल्म के ट्रेलर लांच पर एकता कपूर ने कहा कि ऐसी फिल्मों को देखने के लिए दर्शकों का एक खास वर्ग है और वे ऐसी फिल्मों को देखना वह पसंद करते हैं। फिल्म के बारे में चर्चा चलने पर इसमें काम कर रही अभिनेत्री शहनाज गिल ने ओशो का साहित्य पढ़ने की वकालत भी की। फिल्म थैंक यू फॉर कमिंग की कहानी प्यार, दोस्ती और सेक्स के विषयों को आगे बढ़ाने के तरीके पेश करती है। इस फिल्म की कहानी भूमि पेडनेकर के इर्द -गिर्द घूमती हैं। भूमि पेडनेकर कहती हैं, फिल्म में मेरा किरदार कनिका कपूर एक ऐसी 30 साल की महिला है, जो अराजकता से भरी जिंदगी से जूझ रही है। इस फिल्म में प्यार, दोस्ती और आनंद को एक अलग नजरिए से पेश किया गया है। फिल्म थैंक यू फॉर कमिंग का निर्देशन कर रहे करण बुलानी कहते हैं, इस फिल्म की शूटिंग के दौरान हिंदी सिनेमा की श्रेष्ठ महिलाओं को निर्देशित करने बहुत अच्छा अनुभव रहा है। एक पुरुष के रूप में थैंक यू फॉर कमिंग ने मुझे इच्छा, प्यार और स्वीकृति के आसपास के महिलाओ अनुभव के बारे में बहुत कुछ सिखाया है। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को फिल्म देखने में उतना ही मजा आएगा जितना हमें इसे बनाने में आया है। वहीं फिल्म की प्रोड्यूसर रिया कपूर कहती हैं, इस फिल्म की कहानी मेरे दिल से निकली हुई है। इस फिल्म की कहानी आज के दौर की तमाम लड़कियों से प्रेरित है। इस फिल्म में भी ऐसे बहुत सारे लोग हैं, जिनसे मैं प्यार करती हूं। फिल्म में एक ऐसा खास मुद्दे के बारे में बताया गया है, जिसके बारे में जानते तो सब है, लेकिन कोई खुलकर बात नहीं करना चाहता है। मनोरंजन के साथ - साथ इस फिल्म में दर्शकों को एक खास संदेश भी देखने को मिलेगा। फिल्म थैंक यू फॉर कमिंग में भूमि पेडनेकर के अलावा शहनाज गिल, डॉली सिंह, कुशा कपिला, शिबानी बेदी, प्रधुम्न सिंह मॉल, नताशा रस्तोगी, गौतमिक, सुशांत दिवगीकर, सलोनी दैनी, डॉली अहलूवालिया, करण कुंद्रा की मुख्य भूमिकाएं हैं। तो, वही अभिनेता अनिल कपूर एक खास किरदार में नजर आएंगे। शहनाज गिल ने कहा, इस फिल्म और जीवन को अगर समझना है, तो ओशो को पढ़ना शुरू कर दीजिए। आपको सभी सवालों का जवाब मिल जाएगा।

एटली की फिल्म वीडी 18 के सेट पर चोटिल हुए वरुण धवन

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन बवाल की रिलीज के बाद से ही अपने अगले प्रोजेक्ट की शूटिंग में व्यस्त हो चुके हैं। वह उत्साह के साथ अपने अगली फिल्म पर काम कर रहे हैं। वह फिलहाल निर्देशक एटली की बहुप्रतीक्षित फिल्म वीडी18 की शूटिंग कर रहे हैं। हाल ही में वरुण धवन ने साझा किया कि सेट पर उनका दिन बेहद कठिन था, क्योंकि उन्हें पैर में दुर्भाग्यपूर्ण चोट लग गई थी। अभिनेता ने अपने स्वास्थ्य के बारे में प्रशंसकों के साथ अपडेट साझा किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर फैंस को बताया कि कुछ राहत के लिए वह आइस थेरेपी ले रहे हैं। दरअसल, बीते बुधवार को वरुण धवन ने नीली टी-शर्ट और काले शॉर्ट्स पहने हुए अपना एक वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि शूटिंग के दौरान मेरे पैर में चोट लग गई और मुझे नहीं पता कि मेरे पैर में कैसे चोट लगी, लेकिन इस समय मैं यही कर रहा हूं।卐 वीडियो में दिख रहा है कि वरुण उनका घायल पैर बर्फ के पानी से भरे बेसिन में डुबाते हैं। वरुण ने बताया कि वह बर्फ के पानी से जल्द राहत लेने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया से उन्हें ठंडक महसूस हो रही है। एटली, निर्माता मुराद खेतानी के साथ मिलकर एक्शन से भरपूर मनोरंजक फिल्म वीडी18 पर काम कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन तमिल फिल्म निर्माता कलीस करेंगे। कथित तौर पर, वीडी18 में वरुण धवन के साथ-साथ कीर्ति सुरेश और वामीका गब्बी भी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म 31 मई 2024 को रिलीज होगी। यह पहली बार है जब एटली और वरुण धवन एक साथ काम कर रहे हैं। यह पहली बार है जब एटली और वरुण धवन एक साथ काम कर रहे हैं। प्रोडक्शन से जुड़े करीबी सूत्रों ने खुलासा किया है, वरुण मुंबई में फिल्म के प्रोमो की शूटिंग करेंगे और इसी शेड्यूल में कुछ महत्वपूर्ण सीक्वेंस भी शूट करेंगे। फिल्म की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। वहीं मेकर्स इसके साथ ही प्रोमो के साथ फिल्म की आधिकारिक घोषणा करने की योजना पर भी काम कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि यह एक्शन और ड्रामा से भरपूर एक मनोरंजक प्रोमो होगा। वरुण धवन ने हाल ही में वीडी18 प्रोजेक्ट पर एटली के साथ सहयोग करने के लिए अपना उत्साह व्यक्त किया था। हालांकि उन्होंने ज्यादा खुलासा न करते हुए संकेत दिया, मैं केवल यह बता सकता हूं कि यह एक शानदार एक्शन से भरपूर मनोरंजक फिल्म है। यह फिल्म बहुत सारे आनंददायक क्षण पेश करती है, जो मेरी पसंद से मेल खाते हैं। मैं अपना बेस्ट देने के लिए पूरी तरह समर्पित हूं।